

जौली अंकला

बड़ी-बड़ी
खुशियों
की छोटी-छोटी
बातें

जे.पी.एस. जौली

बड़ी-बड़ी
खुशियों
की छोटी-छोटी
बातें

जे.पी.एस. जौली



प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
ISO 9001:2008 प्रकाशक

अनुक्रमणिका

अदृश्य विचार की अपरंपार शक्ति

भूमिका

1. क्या आप जानते हैं कि

2. अनमोल विचार

3. सकारात्मक सोच

4. सहनशीलता

5. सफलता

6. हम होंगे कामयाब

7. समय का मोल

8. ज्ञान की खान

9. सपनों का सच

10. पथप्रदर्शक

11. अनुभव

12. अनमोल वचन

13. परीक्षा

14. विवेक-बुद्धि

15. कर्मों का महत्व

16. साहस

17. प्रेरणादायक विचार

18. जालिम गुस्सा

19. आशीर्वाद

20. रोचक विचार

21. सोच-विचार

22. खचनात्मक रुख

23. रिश्ते-नाते

24. आदर्श उदाहरण

25. तोल-मोल के बोल

26. सहयोग

27. इच्छाशक्ति

28. एकाग्रता

29. कण-कण में भगवान्

30. खुशी की महिमा

31. बहुमूल्य सीख

32. धैर्य

33. महान् विचार

34. बुढ़ापा सियाना

35. डंके की चोट पर

36. दुनियादारी

37. जीवन का उद्देश्य

38. चिंता

39. सीख

40. नजरिया

41. हँसी-खुशी

42. गिले-शिकवे

43. उपदेश

44. जीवन का सच

45. दूरियाँ

46. दोस्ती-यारी

47. दृष्टिकोण

48. सुख-दुःख

49. समझदारी

50. संघर्ष

51. खूबसूरत खयाल

52. मजेदार विचार

अदृश्य विचार की अपरंपार शक्ति

एक बीज वृक्ष बन जाए तो हजारों बीजों को जन्म दे सकता है। हजारों बीज करोड़ों बीजों को, और फिर वे अनगिनत बीजों को पैदा कर सकते हैं। सच पूछो तो एक छोटे से बीज में इतनी क्षमता छिपी है कि वह सारी पृथ्वी को हरा-भरा कर सकता है। एक धरती ही क्यों, समस्त ब्रह्मांड को जीवन प्रदान कर सकता है।

मनुष्य के विचार भी बीज की भाँति अनंत शक्ति को अपने में समाए हुए हैं, किंतु यह संभावित शक्ति है—पोटेंशियल पावर। अगर अंकुरित हो जाए तो चमत्कार संभव है। महात्मा गांधी के मस्तिष्क में उपजा स्वतंत्रता का विचार अति ताकतवर अंग्रेज हुकूमत का तख्त पलट देता है। कार्लमार्क्स का विचार आधी दुनिया को साम्यवादी बना देता है। कॉपरनिक्स, गैलीलियो और न्यूटन के विचार विज्ञान की आधारशिला बनकर औद्योगिक क्रांति उत्पन्न कर देते हैं। आइंस्टीन का छोटा सा फॉर्मूला ($e=mc^2$) अणु बम का निर्माण कर हिटलर की तानाशाही से जगत् को तबाह होने से बचा लेता है।

अदृश्य परमाणु की शक्ति को पहले कौन पहचानता था, किंतु एक परमाणु के विस्फोट से द्वितीय विश्वयुद्ध की हार-जीत तय हो गई। बीज तो छोटे ही होते हैं, परिणाम विराट् हो सकते हैं। विचार के बीज परमाणु से भी बहुत अधिक व अत्यंत सूक्ष्म हैं तथा किसी वैज्ञानिक उपकरण की पकड़ में अभी तक नहीं आए हैं, शायद कभी नहीं आएँगे। इनकी शक्ति का अनुमान लगाना दुष्कर है।

कोई बीज नष्ट भी हो सकता है, जरुरी नहीं कि वह वृक्ष बन पाए। अनुकूल हृदय-भूमि मिले, संकल्प की खाद एवं भावना का जल सिंचन हो, समझदारी की धूप मिले तथा श्रमपूर्वक कोमल पौधे की सुरक्षा की जाए, तब निश्चित ही सौभाग्य संभव है, पूरा जीवन रूपांतरित हो सकता है।

इसी आशा और उम्मीद से अनेक बहुमूल्य बीजों का भंडार से परिपूर्ण यह पुस्तक आपके हाथों में दी है। निवेदन है कि एक पृष्ठ प्रतिदिन से अधिक नहीं पढ़ना। हाँ, जो विचार दिलो-दिमाग को भा जाए, उस पर तुरंत अमल करना आरंभ कर देना। आप कितना जानते हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है। जिसे जानते हैं, उसे कितना जीते हैं, यही बात अर्थपूर्ण है।

सूरज तक पहुँचने का मार्ग बताने के लिए सूरज की एक किरण काफी है।

ओशो नानकधारा आश्रम
मुरथल, जिला- सोनीपत (हरियाणा)
ई-मेल—info@oshodhara.org.in

१७ - ४ = १३
(ओशो शैलेंद्र)

भूमिका

प्रेरणादायक, रचनात्मक कहानियों और हँसी-मजाक की अनेक पुस्तकें लिखने के बाद इस बार अपने प्रिय पाठकों के लिए अपने अनुभव के साथ ज्ञानी, साधु- संतों, महापुरुषों और विद्वान् लोगों की महान् सीखों और विचारों का खजाना आपकी सेवा में पेश कर रहा हूँ। इस पुस्तक को लिखने की जरूरत इसलिए महसूस हुई, क्योंकि कुछ पाठकों की यह राय थी कि आज की इस भागमभागवाली जिंदगी में इतना समय नहीं मिल पाता कि बड़ी- बड़ी कहानियों को पढ़कर महान् हस्तियों के विचारों, संस्कारों और ज्ञान के बारे में जानकारी हासिल की जा सके। काफी सोच-विचार के बाद मैंने यह महसूस किया कि ज्ञान पाने के लिए महत्व इस बात का नहीं है कि हम कितना पढ़ते हैं, बल्कि यह बात अहम है कि हम क्या पढ़ते हैं? इसलिए पुस्तक-प्रेमियों के सुझावों और उनकी पसंद का ध्यान रखते हुए मैंने ऐसी किताब लिखने का मन बनाया, जिसमें कम-से-कम शब्दों के साथ ज्ञान प्राप्ति की मंजिल को हासिल किया जा सके।

इस सपने को साकार करने के लिए मैंने आत्मविश्वास से लेकर जीवन को खुशहाल और कामयाब बनाने के बारे में अच्छे से अध्ययन किया। इस प्रक्रिया के दौरान यही सच सामने आया कि जीवन में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने के लिए तकनीक से बढ़कर अच्छे दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। अच्छे विचारों और संस्कारों की बदौलत ही मनुष्य समाज में अपनी पहचान बना पाता है। इतिहास गवाह है कि विचारों के बदलने से इनसान की सोच ही नहीं बल्कि युग बदल जाते हैं। जो कोई श्रेष्ठ संस्कारों की बहुमूल्य पूँजी हासिल कर लेता है, उसके जीवन में फिर चारों ओर उजाला फैल जाता है।

एक बात तो हम सभी मानते हैं कि कोई भी व्यक्ति केवल अपनी नेक सोच की बदौलत ही महान् बन सकता है। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए हर किसी को अपनी सोच का दायरा बढ़ाने की जरूरत होती है। इस पुस्तक में लिखे हुए हर विचार को जानने और समझने पर आप खुद महसूस करेंगे कि किस तरह केवल इन विचारों को अपनाने से साधारण सा इनसान भी बिना किसी विशेष प्रकार की शिक्षा प्रहण किए ही अधिक समझदार और अनुभवी बन सकता है। इसी के साथ आपको यह भी अनुभव होगा कि अच्छा ज्ञान हमारे जीवन में सकारात्मक भाव, उत्तम संस्कार और नई ऊर्जा पैदा करने की चमत्कारी शक्ति रखता है। जीवनरूपी यात्रा को आसान और सफल बनाने के लिए शर्त

सिर्फ इतनी है कि आपको पूरी श्रद्धा और गंभीरतापूर्वक इन विचारों को अपने जीवन में उतारना होगा।

महान् हस्तियों का तजुरबा तो यही कहता है कि जिस किसी ने पवित्र विचारों को अपने मन में स्थान दिया है, वह चाहे किसी भी क्षेत्र में बढ़ने का प्रयास करे, सफलता और कामयाबी खुद आगे बढ़कर उसका स्वागत करती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक का हर विचार न केवल आपको प्रभावित करेगा बल्कि आपको पहले से भी कई गुणा अधिक ज्ञानवान और परिपक्व बनाने के साथ आपकी शख्सियत में चार चाँद लगाएगा। ज्ञान की किरणों जैसे इन विचारों को अपनाते ही आप अनुभव करेंगे कि इशारों-इशारों में ही आपका जीवन भी सँवरने लगा है।

—**जे. पी. एस. जौली (जौली अंकल)**

15-16/5, कम्यूनिटी सेंटर,
नारायणा, फेज-1, नई दिल्ली-110028

क्या आप जानते हैं कि



- होंठों पर मुसकान हो तो हर मुश्किल काम आसान हो जाता है।
- केवल अपने विचारों को बदलकर आप अपना भविष्य बदल सकते हैं।
- इनसान अपने जीवन के हर उद्देश्य और सपने को साकार कर सकता है।
- कोई भी इनसान अपने कर्मों से भाग्य ही नहीं, बल्कि सबकुछ बदल सकता है।
- यदि आप चाहें तो अपनी दृष्टि को बदलकर सृष्टि को बदल सकते हैं।
- जिंदगी में आदमी को अकल बादाम खाने से नहीं, ज्ञान पाने से ही आती है।
- ज्ञान प्राप्त करने से हमारे सोचने, महसूस करने और काम करने का ढंग बदल जाता है।
- किसी भी कामयाब व्यक्ति की तरह आप भी हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं।
- जिस किसी को एक बार बुजुर्गों का आशीर्वाद मिल गया, समझो उसे भगवान् मिल गया।
- कठिन परिश्रम और लगन के बल पर आप जिंदगी के किसी भी मोड़ पर और हर तरह की परीक्षा में एक हीरो की तरह सफल हो सकते हैं।
- आप अपनी विवेक-बुद्धि का सही ढंग से इस्तेमाल करके अपने हर विचार को अनमोल और रचनात्मक बना सकते हैं।

जी हाँ, जिस प्रकार सूर्य की एक किरण अँधेरे को मिटाकर उजाले में बदलने की ताकत रखती है। ठीक उसी तरह ‘ज्ञान की किरणें’ अपने जादुई करिश्मे और बहुमूल्य सीख से आपको जीवन के हर क्षेत्र में मान-प्रतिष्ठा दिलाने के साथ ऊँचाइयों तक ले जाने का अवसर प्रदान करेंगी।

अनमोल विचार



- मुश्किल काम ताकत से नहीं अक्ल से पूर्ण होते हैं।
- जिन लोगों के विचार छोटे होते हैं उनकी आवाज ऊँची होती है।
- किसी भी काम को करने का सबसे आसान तरीका अक्सर गलत होता है।
- जब ईर्ष्या उफान पर होती है तो अपने भी पराए हो जाते हैं।
- हवाई किले बनाने और असल काम करने में एक जैसी ही मेहनत लगती है।
- आदमी को थकावट अच्छे काम से नहीं बल्कि बुरे कामों से अधिक होती है।
- यदि आप ठीक रास्ते पर ही हो, परंतु अगर बैठ गए तो कुचले जाओगे।
- यदि आपमें सीखने की लालसा है तो विद्वान् बनना आसान हो जाता है।
- किसी भी परेशानी का हल निकालने से पहले उसे समझना जरूरी होता है।
- किसी भी काम को सावधानी से करने के लिए डर का होना जरूरी होता है।
- सिर्फ किस्मत पर भरोसा रखनेवाले सफलता के इंतजार में सबकुछ हार जाते हैं।
- लोहा गरम भले ही हो जाए पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम कर सकता है।
- छात्र के पास आँखें तो होती हैं, परंतु पारखी नजर उसे केवल अध्यापक ही दे सकता है।
- जिंदगी हमें मौके देती है, उन्हें इस्तेमाल कैसे करना है यह जिम्मेदारी हमारी बनती है।
- पशु हमसे बोलना तो नहीं सीख सकते, लेकिन हम उनसे चुप रहना तो सीख सकते हैं।
- बुझे हुए दीपक को भी दीपक ही कहा जाता है, लेकिन वह किसी के जीवन को रोशन नहीं कर सकता।
- प्रेम एक बहुत बड़ी शक्ति है, परंतु प्रेम करने के लिए भी बहुत बड़ी शक्ति की जरूरत होती है।

- काम कोई भी हो, तैयारी पूरी होनी चाहिए, तैयारी रखने से किसी किस्म का पछतावा नहीं होता।
- मन तो बहुत चंचल होता है, इसलिए समझदार लोग अपने सभी निर्णय मन की बजाय बुद्धि से लेते हैं।
- ज्यादा लोगों पर निर्भर रहने की बजाय एक ही विश्वसनीय को काम के लिए कहो—सबकुछ हो जाएगा।
- खुद पर भरोसे का हुनर सीख लो, दोस्तों, क्योंकि सहारे कितने भी सच्चे क्यों न हो वह साथ छोड़ ही जाते हैं।
- मैं और मेरा खुदा दोनों एक जैसे हैं, हम दोनों रोज ही भूल जाते हैं—वह मेरे गुनाहों को और मैं उसकी मेहरबानियों को।
- अच्छे समाज की कल्पना करना अच्छी बात है, उससे अच्छी बात है अच्छे समाज के निर्माण में दो कदम चलना।
- जो लोग आपसे जलते हैं उनसे कभी घृणा न करो, क्योंकि वही तो वे लोग हैं, जो यह समझते हैं कि आप उनसे बेहतर हैं।
- इच्छाओं की बदौलत ही इनसान ने विकास किया है। यदि इच्छाएँ न होतीं तो शायद आज भी इनसान गुफाओं में ही रह रहा होता।
- अपने बच्चों को पैसे नहीं दोगे तो कुछ पल के लिए वे रो सकते हैं, परंतु यदि उन्हें समय नहीं दोगे तो आपको जिंदगी भर रोना पड़ सकता है।
- जब कभी कोई भी दुःखी या जरूरतमंद व्यक्ति आपको दिखाई दे तो आप उसकी मदद जरूर करें, ऐसा न करने से आपके मन की कठोरता दिखाई देगी। कोई भी नेक इनसान कभी कठोर नहीं हो सकता।
- जब तक आपमें दूसरों के दोष और कमियाँ ढूँढ़ने की आदत बनी रहेगी, उस समय तक आप किसी दूसरे का तो क्या अपना भला भी नहीं कर सकते।
- किसी मनुष्य की वर्तमान स्थिति देखकर उसके भविष्य का उपहास न करें, क्योंकि काल में इतनी शक्ति है कि वह एक मामूली से कोयले को भी धीरे-धीरे हीरे में बदल देता है।

सकारात्मक सोच



- सकारात्मक सोच हमेशा प्रगति की ओर ले जाती है।
- काम को अधूरा छोड़ देने का मतलब है अपनी कमजोरी दिखाना।
- बिना सकारात्मक सोच के कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता।
- असल ज्ञानी वही है जो विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है।
- यदि आसमान छूना हो तो सबसे पहले सकारात्मक सोच का होना जरूरी है।
- मन, बुद्धि और चित्त जब एक हो जाएँ तो लक्ष्य को प्राप्त करना आसान हो जाता है।
- मानव एकता एक जैसे कपड़े पहनकर नहीं बल्कि एक-दूसरे का भला करने से होती है।
- दुनिया को अक्सर वे लोग बदल पाते हैं जिन्हें दुनिया कुछ भी करने के लायक नहीं समझती।
- काम तो सभी करते हैं लेकिन सफल वह होता है जिसका अंदाज सबसे अलग होता है।
- जन्म, मृत्यु, कष्ट, बीमारियों को छोड़ सभी दुःख हमारी अपनी मनोदशा के कारण होते हैं।
- किसी-न-किसी काम को करने के लिए जो पहल करता है वह रास्ता भी बना ही लेता है।
- मन के हारे हार है और मन के जीते जीत—कोई भी जीत सिर्फ आपका मन ही दिला सकता है।
- मुसीबत पड़ने पर शोर-शराबा नहीं बल्कि मिल-जुलकर उसका हल ढूँढ़ने की कोशिश शुरू करनी चाहिए।
- भाग्य की बात मत कीजिए; और जब मौका मिले तो कुछ करके दिखाइए, आप विजेता बन सकते हैं।
- कर्म करने से पहले नफा-नुकसान मत सोचो, क्योंकि फल तो प्रभु कर्म के अनुसार ही प्रदान करते हैं।
- भीड़ में खोने की बजाय भीड़ से अलग रहने की चाहत इनसान को एक अलग व्यक्तित्व प्रदान करती है।

- कभी भी यह मत सोचो कि क्या कुछ हमारे पास नहीं है, बल्कि यह सोचो कि क्या कुछ हमारे पास है।
- यदि हम अपने परिवार और समाज को सुंदर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले हमें अपनी सोच बदलनी होगी।
- जब आप अपनी कमजोरियों को पहचानना शुरू कर देंगे, तब आपका दिमाग पूरी तरह से सकारात्मक हो जाएगा।
- इस दुनिया में प्रेम और परोपकार का महत्व सबसे ज्यादा है, इसलिए सबसे प्रेम करें और सब पर परोपकार करें।
- किसी की बात को मान तो जरूर लेना चाहिए लेकिन अगर वह आपसे बड़ा है तो फिर भला-बुरा नहीं सोचना चाहिए।
- विपत्ति के समय ही धैर्यवान की परीक्षा होती है और सहजतापूर्वक काम करते हुए धैर्यवान व्यक्ति को सफलता मिलती है।
- प्राप्त हुए अवसरों को बदलने का प्रयत्न करने की बजाय, अवसर का लाभ उठाकर स्वयं को बदल लेना कहीं अधिक अच्छा है।
- प्रतिभा किसी आसमान से नहीं बरसती, वह तो अंदर से ही जागती है; और उसे जगाने के लिए एक अच्छा इनसान होना ही काफी है।
- जिस प्रकार एक दीपक आँधी में अधिक देर तक नहीं जल पाता, ठीक उसी तरह बिना भरोसे और विश्वास के हम सुखमय जीवन नहीं जी सकते।
- कभी भी यह आशा मत करो कि दूसरे आपसे प्यार करें व आप पर हर समय ध्यान दें। इसके बजाय आप दूसरों से प्यार करें व उनका ध्यान रखें।
- भय से डरकर जब तक भागते रहोगे वह पीछे भागकर परेशान करता रहेगा। एक बार जब आप हिम्मत करके भय का मुकाबला करने के लिए तैयार हो जाते हैं तो भय आपसे दूर भागने लगता है।
- यदि भगवान् ने हमारे नसीब में सबकुछ पहले से ही लिख दिया है तो फिर दुआ करने की क्या जरूरत है? इसका सीधा सा जवाब है कि नसीब में लिखा है कि माँगने पर ही मिलेगा।
- सदियों से वैज्ञानिक पारस को ढूँढ़ रहे हैं, उन लोगों को पारस तो नहीं मिला उसके अलावा उन्हें उससे भी कीमती सामान मिल गए। आप भी ढूँढ़ने का प्रयास जारी रखो, ढूँढ़ने से बहुत कुछ मिल सकता है।

सहनशीलता



- सहनशीलता ही एकता की एकमात्र कुंजी है।
- सहनशील बनो, सहनशीलता कायरता नहीं, वीरता है।
- चरित्रवान् व्यक्ति कभी भी अपने नाम को मैला नहीं होने देते।
- जीवन में कुछ भी पाना है तो विनम्रता इस सफर की पहली सीढ़ी है।
- जो इनसान प्यार करना नहीं जानता वह प्रार्थना भी नहीं कर सकता।
- सहन करना है तो खुशी से करो, मजबूरी से नहीं, तभी कहलाएँगे सहनशील।
- जिसको हुक्म मानने की आदत नहीं; उसका हुक्म माना भी नहीं जाता।
- ‘मैं तो कुछ भी नहीं’ यह बात वही लोग कहते हैं जो सबकुछ होते हैं।
- जब मन फकीर हो जाए उस समय मंदिर, गुरुद्वारों की जरूरत नहीं रहती।
- सबसे पहले अपने ऊपर विश्वास करना सीखो, फिर दूसरों पर विश्वास कर पाओगे।
- जिस व्यक्ति में हारने का जिगरा नहीं होता उसमें जीतने की भी हिम्मत नहीं होती।
- जब दुश्मन किसी तरह से काबू में न आए तो उसे मेहरबानियों से काबू कर सकते हो।
- व्यक्तिगत जीवन में विनम्रता सामाजिक जीवन में व्यक्तित्व को निखारने का काम करती है।
- जब किसी के अच्छे काम की तारीफ की जाती है तो उसकी रीढ़ की हड्डी सीधी हो जाती है।
- पढ़ना ही है तो इनसान को पढ़ने का हुनर सीखो; हरएक चेहरे पर लिखा है किताबों से बहुत ज्यादा।
- विनम्र व्यक्ति पर लांछन मत लगाओ, क्योंकि उस पर फेंका हुआ पत्थर वापस तुम पर ही गिरेगा।
- इस धरती पर इनसान ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जिसके लिए उसका अपना जीवन एक समस्या है।
- खुद को महान् बनाने की बजाय इनसान बनने की कोशिश करो, इससे आपको महान् सफलता मिलेगी।

- सहनशीलता वातानुकूलित कक्ष जैसी शीतलता प्रदान करती है, इनसे मनुष्य की कार्यक्षमता बढ़ती है।
- संतान संतान की तरह पेश न भी आए तो भी माँ-बाप को माँ-बाप की तरह ही व्यवहार करना पड़ता है।
- यह मत सोचो कि लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं, बल्कि आप यह सोचो कि आपकी अपने बारे में क्या राय है।
- किसी शांत और विनम्र व्यक्ति से अपनी तुलना करके देखिए, आपको लगेगा कि आपका घमंड निश्चय ही त्यागने लायक है।
- धन को लेकर कभी भी वापस किया जा सकता है, परंतु हमदर्दी के बोल वे ऋण हैं जिसे चुकाना मनुष्य की शक्ति के बाहर है।
- भगवान् ने हमारी जुबान में कोई ठोस चीज नहीं दी, परंतु फिर भी उसमें इतनी ताकत होती है कि वह किसी का भी दिल एक पल में सदा के लिए तोड़ सकती है।
- भगवान् ने भी कमाल का हौसला दिया है इनसानों को, अगले पल का मालूम नहीं और वादे कर लेते हैं जन्मों-जन्मों तक साथ निभाने के।
- आपकी धारणा कितनी भी अच्छी हो, दुनिया आपकी प्रस्तुति देखती है, लेकिन आपकी प्रस्तुति चाहे कितनी भी अच्छी हो, ज्ञानी लोग आपके मन की धारणा को देखते हैं।
- यदि किसी समय कोई आपके पास नौकरी करता था तो उसका यह मतलब नहीं होता कि आप उससे हमेशा अपने नौकरों की तरह ही व्यवहार करेंगे।
- गुणवान् व्यक्ति अपनी बड़ाई कभी नहीं करता। वह कभी बड़े बोल भी नहीं बोलता—उसी तरह जैसे हीरा खुद कभी नहीं कहता कि उसका मोल लाख टके का है।
- किसी ने ईश्वर से पूछा कि किस प्रकार के इनसान आपको अच्छे लगते हैं? ईश्वर ने जवाब दिया कि वह इनसान जो बदला लेने की क्षमता रखने के बावजूद दूसरों को माफ कर देते हैं।

सफलता



- बिना जोखिम उठाए आप सफल नहीं हो सकते।
- सफलता कभी किसी को विरासत में नहीं मिलती।
- एक सफलता अनेक असफलताओं को छिपा देती है।
- सफलता पाने के लिए गति से अधिक दिशा महत्वपूर्ण होती है।
- सफलता के तीन रहस्य हैं—कोशिश, साहस और योग्यता।
- किसी काम की सफलता के पीछे उसके लिए की हुई मेहनत होती है।
- सफलता किसी प्रकार की होशियारी से नहीं, समर्पण से मिलती है।
- सफलता और विवादों का तो आपस में चोली-दामन का रिश्ता है।
- इनसान चाहे तो जीवन में किसी भी ऊँचाई तक उड़ान भर सकता है।
- हर सफलता की शुरुआत लड़खड़ाहट से ही होती है, इसलिए घबराएँ नहीं।
- सफलता पाने के लिए किसी-न-किसी गुरु की जरूरत अवश्य होती है।
- मुसीबतों को देखकर घबराना नहीं चाहिए, बल्कि सामना करना चाहिए।
- सफलता के लिए सबसे जरूरी है—सकारात्मक सोच और बुलंद हौसला।
- यदि सफलता नहीं मिली तो निराश मत होइए, बल्कि प्रयास जारी रखिए।
- जीवन में सफलता उसको मिलती है, जो नकारात्मक रवैए से दूर रहता है।
- सफलता को सिर पर चढ़ने न दें और असफलता को दिल में उतरने न दें।
- शुभ विचार, शुभ भावना और शुभ कार्य ही मनुष्य को सफल बना सकते हैं।
- यदि आपके एक हाथ में कर्म है तो दूसरे हाथ में सफलता खुद आ जाती है।
- सफलता पाना बड़ा कठिन है, परंतु सफलता का अहंकार करना बहुत आसान है।
- सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना ही पड़ता है, अन्यथा सब बेकार है।
- अगर आप में उत्साह है तो सफलता है, यदि उत्साह नहीं है तो सिर्फ बहाने हैं।

- चाहे आप जीवन में धीरे-धीरे आगे की ओर चलें, लेकिन कभी भी पीछे न मुड़ें।
- जीतनेवाला कभी हार नहीं मानता और हार माननेवाला कभी जीत नहीं सकता।
- सफलता नहीं मिली तो इसका अर्थ यही है कि दिल से पूरे प्रयास नहीं किए गए।
- जीवन में वही लोग सफलता प्राप्त करते हैं, जो अपने लक्ष्य को लेकर स्पष्ट होते हैं।
- दुकान खोलना तो आसान होता है, लेकिन उसे खुला रखना बहुत मुश्किल होता है।
- सफलता के लिए मेहनत के साथ आत्मविश्वास और धैर्य की आवश्यकता भी होती है।
- परिश्रम तो सभी करते हैं, लेकिन सफलता उन्हें मिलती है, जिनकी दिशा सही होती है।
- आदमी दुःख से घबराता है, लेकिन जो दुःख का सामना करता है, वही सफल हो पाता है।
- असफलता हमें यही सिखाती है कि हमने सफलता के लिए पूरे मन से प्रयास नहीं किया।
- सफलता सिर्फ उन्हीं लोगों को मिलती है जिन्हें यह विश्वास होता है कि वे सफल होंगे।
- संघर्ष में आदमी अकेला होता है, सफलता मिलते ही दुनिया उसके साथ चलने लगती है।
- हर सफलता की कुछ-न-कुछ कीमत होती है, जो सिर्फ मेहनत से ही चुकाई जा सकती है।
- अगर कुछ पाना है तो कर्म करते हुए फल की इच्छा भागवान् पर त्याग देनी चाहिए।
- विजेता बोलते हैं कि ‘मुझे कुछ करना चाहिए’, हारनेवाले कहते हैं कि ‘कुछ होना चाहिए’।
- कभी आशा न छोड़ें; आशा एक ऐसा पथ है जो जीवन भर आपको गतिशील बनाए रखता है।
- जो चलते रहते हैं वही मंजिल तक पहुँच पाते हैं; और ऐसे लोग मंजिल पर जाकर ही रुकते हैं।
- जिंदगी उन्हीं को इनाम देती है, जो स्वयं पर यकीन रखते हुए अपने कार्य पूरी लगन से करते हैं।
- किसी कार्य को करते रहने से ही सफलता मिलती है, बीच में छोड़ देना काम से दिल चुराना है।

- अकेले कोई भी काम सफल नहीं होता, मिल-जुलकर किए काम से सफलता के कदम चूमती है।
- सफलता मन की शीतलता से उत्पन्न होती है, ठंडा लोहा ही गरम लोहे को काट व मोड़ सकता है।
- जीवन में सफलता ही जीवन की सार्थकता नहीं, अपितु जीवन की सार्थकता ही जीवन की सफलता है।
- सफलता की शुरुआत दिमाग से होती है, इसलिए कामयाबी अच्छे विचारों से मिलती है, दौलत से नहीं।
- कुछ लोग जीवन में कठिन काम करने से डरते हैं। जो शुरुआत करता है उसे सफलता मिल ही जाती है।
- सफलता का सीधा संबंध परिश्रम से है। जो व्यक्ति परिश्रम से डरता है वह कभी सफलता नहीं पा सकता।
- कोई भी इनसान सफल तो अपनी मेहनत की बदौलत होता है, परंतु मशहूर सभी के प्रयासों से ही होता है।
- अक्सर लोग मौके की तलाश के कारण नहीं, बल्कि अपने आत्मविश्वास की कमी के कारण असफल होते हैं।
- सफलता की चोटी पर टिके रहने के लिए समय-समय पर अपने हुनर को बढ़ाना और निखारना जरूरी होता है।
- आप किसी समस्या के बारे में कितनी भी चिंता करें, परंतु क्या चिंतित मन उस समस्या का समाधान कर सकता है।
- जिंदगी में हम असली सफलता तभी हासिल कर सकते हैं, जब हम दूसरों को सफल होने में मदद करना सीख लेते हैं।
- एक बार यदि आप अच्छे से मन बना लो कि आप किसी कार्य को कर सकते हैं तो वह कार्य अवश्य पूरा हो जाता है।
- लगातार मिल रही असफलताओं से निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि कभी-कभी गुच्छे की आखिरी चाबी ताला खोल देती है।
- किसी भी धातु से कोई भी खूबसूरत मूर्ति बनाने के लिए उसका नरम होना जरूरी होता है, इसलिए उसे पिघलाया जाता है। इसी तरह कामयाब व्यक्तित्व बनाने के लिए हमारे जीवन में नम्रता जरूरी है।
- आप जो भी चाहें कर सकते हैं, आप चाहें तो अपनी जिंदगी, सोच और सपनों को साकार कर सकते हैं, क्योंकि आपके अंदर यह सबकुछ करने की ताकत है।
- हम जीवन में कई बार असफल इसलिए होते हैं क्योंकि हम अवसर को गंभीरता से नहीं लेते। जब हम हर मौके को गंभीरता से लेने लगते हैं तो हमारी कार्यशैली में अद्भुत परिवर्तन होने लगता है और इसी से सफलता की राह आसान हो जाती है।

- सफलता की बजाय असफलता हमें अधिक सीखने का मौका देती है, क्योंकि हर असफलता के बाद हम अपना मूल्यांकन कर पाते हैं।
- अक्सर हम सफलता के बारे में सोचते रहते हैं। सफलता की कामना करना कोई बुरी बात नहीं है, परंतु यदि हम अपने लक्ष्य को पाने के साथ दूसरों को भी खुश कर सकें तो हमारी सफलता सार्थक होगी।
- जब भी हमारे जीवन में कठिनाई आती है तभी हम सफल होने के लिए नए-नए रास्ते खोजने का प्रयास करते हैं।
- सफल आदमी उसको कहा जा सकता है जो दूसरे लोगों द्वारा फेंकी गई ईटों और पत्थरों से भी एक मजबूत नींव तैयार कर लेता है।

हम होंगे कामयाब



- कामयाब होने के लिए मन में कामयाबी की इच्छा जरूर होनी चाहिए।
- कोई भी व्यक्ति कामयाबी की सीधी जेब में हाथ डालकर नहीं चढ़ सकता।
- कठिन समय हमेशा नहीं रहता, जबकि कड़ी मेहनतवाला सदा कामयाब होता है।
- जिन लोगों की गति या इरादों में कभी होती है उन्हें कामयाबी का नक्शा कभी नहीं मिलता।
- कामयाबी के पाँच पड़ाव होते हैं—1. देखना, 2. परखना, 3. समझना, 4. सीखना तथा 5. अमल करना।
- कामयाबी का रास्ता कभी भी सीधा नहीं होता, लेकिन कामयाब होते ही सारे रास्ते सीधे हो जाते हैं।
- क्या कहें ऐसे लोगों से जो लड़खड़ाते हुए कहते हैं कि हम आकाश छू लेते मगर मौका नहीं मिलता।
- व्यर्थ समय गँवाने की बजाय यदि कुछ रचनात्मक किया जाए तो आप हर क्षेत्र में क्रांति ला सकते हैं।
- कोई भी कामयाब व्यक्ति यह नहीं कहता कि मेरे पीछे आओ; वह यह कहता है कि आओ, मिलकर चलें।
- यह बात परक्की है कि आप सच्चे मन से कुछ भी करने की कोशिश करेंगे, तो उस काम को अवश्य पूरा कर पाएँगे।
- सफलता केवल दूसरों को देखकर या उनकी बातें सुनकर नहीं बल्कि कर्म करने से ही पाई जा सकती है।
- जो कोई अपने बीते हुए समय को याद रखता है वह बुलंदियों पर पहुँचकर हमेशा वहाँ टिका रह सकता है।
- हर रोज एक घंटे की नींद कम करके आप अपने कामयाब जीवन में कम-से-कम पाँच वर्ष और अधिक जोड़ लेते हैं।
- सिर्फ आसमान छू लेना ही कामयाबी नहीं होता, असली कामयाबी तो वह है कि आसमान भी छू लो और पाँव भी जमीन पर रहें।

- कामयाबी का मतलब होता है कि आप पहले से बेहतर जीवन जी रहे हो, लेकिन कामयाब इनसान उसे कहा जाता है जिसकी वजह से दूसरों का जीवन बेहतर बनता है।
- कामयाब व्यक्तियों की जिंदगी का कोई खास रहस्य नहीं होता, बल्कि सिर्फ उनका काम करने का तरीका, उनकी तैयारी, मेहनत और अपनी गलतियों से समय-समय पर सीख लेना ही इसके पीछे होते हैं।
- कामयाबी की राह पर चलते हुए कुछ लोग तो भटकाते ही हैं, लेकिन यदि उनकी बातें ही सुनते रहेंगे तो कभी भी मंजिल नहीं पा सकोगे। इससे अच्छा तो यह है कि उनकी ओर से ध्यान हटाकर आगे बढ़ते रहो।
- जब आप जीवन में कामयाब हो जाते हो तो आपके मिलनेवाले आपको पहचाने लगते हैं। जब कभी आप किसी परेशानी में होते हैं तो आपको पता चलता है कि आपके सच्चे शुभचिंतक कौन हैं।
- कामयाब लोग दो चीजें सदा अपने साथ रखते हैं—मुस्कराहट और चुप्पी। मुस्कराहट से हर समस्या हल हो जाती है और चुप्पी से हर समस्या को टाला जा सकता है।
- कामयाबी की राह पर अक्सर कुछ लोग रोड़े फेंक देते हैं। अब यह आपके ऊपर निर्भर करता है कि आप इन पथरों से मुश्किलों की दीवार बनाते हैं या कामयाबी का पुल।
- किसी भी विषय के बारे में सोचना मुश्किल होता है, लेकिन सही ढंग से सोचने का तरीका सभी मुश्किलों का हल निकाल देता है।
- हर कामयाब इनसान के पीछे एक दर्दनाक कहानी होती है। हर दुःखदायी कहानी का अंत कामयाबी पर आकर होता है। इसलिए कामयाबी को हासिल करने के लिए थोड़ी कठिनाइयों का सामना करने से कभी न घबराएँ।
- कामयाबी का मतलब होता है कि हमने अपने जीवन में क्या बेहतर पाया है और कामयाब इनसान सोचता है कि उसकी वजह से कितने लोगों का जीवन बेहतर बन पाया है।
- कामयाब इनसान वह नहीं जो किस्मत के भरोसे बैठकर मौके का इंतजार करते हैं। असल में कामयाब वे लोग हैं जो अवसरों को अपना दास बना लेते हैं।

समय का मोल



- समय की बरबादी सबसे महँगा शौक है।
- समय के साथ अक्सर हर इनसान बदल जाता है।
- दिन उसी समय शुरू होता है जब हम जागते हैं।
- भूतकाल की बातें करनेवाले कभी महान् नहीं होते।
- हमारी सुबह हमें बताती है कि हमारा दिन कैसा होगा।
- स्वभाव को सरल बनाओ तो समय व्यर्थ नहीं जाएगा।
- बेकार गुजारा हुआ समय कभी भी हमारा साथ नहीं छोड़ता।
- दुनिया में दो सबसे महान् चिकित्सक हैं—परमात्मा और समय।
- भूतकाल भविष्य के साथ कदम मिलाकर साथ नहीं चल सकता।
- समय के अनुसार इस्तेमाल की गई अक्ल को ही समझदारी कहते हैं।
- समय कभी भी अच्छा या बुरा नहीं होता, न ही यह किसी के लिए रुकता है।
- नौकर घड़ी देखकर काम करता है, जबकि मालिक काम करके घड़ी देखता है।
- वक्त की कीमत उससे पूछो जिसकी पाँच मिनट पहले गाड़ी छूट गई हो।
- दुनिया में अभी तक ऐसी घड़ी नहीं बनी जो बीते हुए समय को वापस ला सके।
- जो समय का सही लाभ नहीं उठाते, वही लोग सदा समय की कमी का रोना रोते हैं।
- सुबह जल्दी उठना, समय को बेकार न करना सफलता पाने के सबसे कामयाब गुण हैं।
- अगर आप आज समय को बरबाद करते हो तो कल समय आपको बरबाद कर देगा।
- यदि आप काम के समय काम नहीं करोगे तो फिर आराम के समय आराम नहीं कर पाओगे।
- समय ही जीवन है, समय को बरबाद करना अपना जीवन को बरबाद करने के समान है।

- अच्छे फैसले करते समय यदि देरी कर दी जाए तो फिर ऐसे फैसलों का कोई लाभ नहीं होता।
- यदि भूल से कल का दिन दुःख में बीता है तो उसे याद कर आज का दिन व्यर्थ में मत गँवाइए।
- जो लोग समय के पाबंद होते हैं, उन्हें देर से आनेवालों का इंतजार करना पड़ता है।
- समय से ही गुणों की परख होती है, अतः गुणों को उजागर करने के लिए उचित समय की प्रतीक्षा कीजिए।
- यदि आपके पास थोड़ा भी समय है तो आप दूसरों को ज्ञान देकर उनकी जिंदगी बदल सकते हैं।
- कोई भी दिन अच्छा या बुरा नहीं होता, हम खुद ही हर दिन को अपने कर्मों से अच्छा या बुरा बनाते हैं।
- अगर आप हर समय यही देखते रहोगे कि दूसरे क्या काम कर रहे हैं तो आप खुद काम करना भूल जाओगे।
- यद्यपि आप समय को परिवर्तित नहीं कर सकते, किंतु यह अवश्य महसूस करें कि परिवर्तन का समय अब है।
- हर काम का एक समय होता है, और अगर आप एक बार मौके से चूक गए, तो फिर वह समय लौटकर नहीं आएगा।
- बचपन में घड़ी नहीं थी, लेकिन समय सबके पास था। आज सबके पास घड़ी तो है लेकिन किसी के पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है।
- समय और समझ एक साथ खुशकिस्मत लोगों को ही मिलती है, क्योंकि समय पर समझ नहीं आती और समझ आने पर समय चला जाता है।
- समय तो रफ्तार के साथ तेजी से भागता रहता है। समय पर कार्य न करके हम अपनी असफलता का दोष भगवान् को देने लगते हैं।
- वक्त से लड़कर जो अपना नसीब बदल दे, इनसान वही जो अपनी तकदीर बदल दे, कल क्या होगा कभी न सोचो, क्या पता कल वक्त खुद अपनी तसवीर बदल ले।

ज्ञान की खान



- ज्ञान की मातृभाषा चुप रहना होती है।
- किसी भी प्रकार का ज्ञान कभी व्यर्थ नहीं जाता।
- ज्ञान वही महत्वपूर्ण है जिसमें विज्ञान हो।
- किताबें पढ़कर हर कोई ज्ञान पा सकता है।
- अच्छी पुस्तकें एक अच्छे साथी की तरह होती हैं।
- ज्ञान का बोझ नहीं केवल अच्छा प्रभाव होता है।
- पुस्तकप्रेमी सबसे अधिक धनी और सुखी होते हैं।
- विद्या प्राप्ति के लिए आलस्य को त्यागना पड़ता है।
- ज्ञान वह फल है जो हर परिस्थिति में मीठा होता है।
- महान् साहित्य हर प्रकार के विवादों से मुक्त होता है।
- ज्ञान बोलता है अकल सुनती है, समझदारी समझाती है।
- किताबें हमें खुद को प्रसन्न रखने का तरीका सिखाती है।
- अच्छी पुस्तकें पढ़ने से जीवन जीना आसान हो जाता है।
- ज्ञान वही है, जो अपने ज्ञान से दूसरों को लाभान्वित करे।
- किताबों में समाज और युग को बदलने की ताकत होती है।
- हर पुस्तक के शुरुवाले पृष्ठ सबसे आखिर में लिखे जाते हैं।
- ज्ञान से ही पता चलता है कि धर्म क्या है और अधर्म क्या है।
- यह ज्ञान ही है जो मनुष्य को सदा सत्य से रू-ब-रू करवाता रहता है।
- ज्ञान ही सबसे बड़ी अच्छाई है और अज्ञानता ही सबसे बड़ी बुराई है।
- किताबों के साथ इनसान को पढ़ने का हुनर भी सीखना चाहिए।
- विद्वान् व्यक्तियों को इनसानों से अधिक प्यार पुस्तकों से होता है।
- अच्छी किताबें पढ़ने से जिंदगी को समझना आसान हो जाता है।
- एक अच्छी किताब मन से कई डर और शंकाएँ खत्म कर देती हैं।
- किताबें इनसान का सोचने और महसूस करने का ढंग बदल सकती है।
- पुस्तकें पढ़कर पाठक को बहुत कुछ नया सोचने का मौका मिलता है।
- लेखक अपनी कलम से किसी भी पुस्तक को चार चाँद लगा सकता है।
- महान् पुस्तक में दरिया की तरह कहीं से भी प्रवेश किया जा सकता है।

- किताबें पढ़ने से हमारी अपने जीवन के प्रति पकड़ और मजबूत हो जाती है।
- कुछ समय ज्ञान अर्जित करने के साथ-साथ ज्ञान बाँटने में भी लगाना चाहिए।
- ज्ञान सबसे बड़ा धन है, इसलिए स्वयं से पूछें कि मैं कितना धनवान हूँ।
- ज्ञान इस ढंग से देना चाहिए कि छात्र उसे तोहफा समझें, न कि सजा।
- अच्छी पुस्तकें गुरु सामान होती हैं जो सदा अज्ञान के अंधकार को दूर करती हैं।
- अच्छे लेखक और अच्छे कलाकार में अकेले खड़े होने की हिम्मत होती है।
- मन और आत्मा का जब मिलन होता है तभी ज्ञान की प्राप्ति हो पाती है।
- लेखक चाहे अमीर बेशक न हो पर वे हर समय प्रसन्न और खुश रहते हैं।
- किताबों से ज्ञान पाकर हर प्रकार के अंधकार को खत्म किया जा सकता है।
- पुस्तकें हमारे सोचने, महसूस करने और काम करने का ढंग बदल देती हैं।
- अच्छी किताब का एक लेख पढ़कर ही सारी किताब पढ़ने का मन करता है।
- संसार में आज तक एक भी लेखक ऐसा नहीं हुआ, जिसका अपमान न हुआ हो।
- बहुत से लोग किताबों को खरीदने का शौक तो रखते हैं परंतु पढ़ने का नहीं।
- अच्छी पुस्तकें पढ़ने से हमारा दिमाग और शरीर दोनों ही चुस्त-दुरुस्त रहते हैं।
- किसी भी विषय के बारे में जानकारी हमें केवल अच्छी पुस्तकों से ही मिल पाती है।
- कुछ पाठक प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकें पढ़कर उनसे भी अधिक प्रसिद्ध हो जाते हैं।
- पुस्तकें न केवल ज्ञान बढ़ाती हैं, बल्कि मनुष्य के मन-मस्तिष्क के द्वार भी खोलती हैं।
- महान् पुस्तकों के प्रति आदर प्रकट किए बिना हम उन्हें ठीक से नहीं समझ सकते।
- यदि पुस्तक अच्छी हो तो वह सदा के लिए हमारे दिल और दिमाग पर छा जाती है।
- हम सभी जानते हैं कि पढ़ना चाहिए, लेकिन क्या पढ़ें यह बहुत कम लोग जानते हैं।

- अच्छे अध्यापकों के विचार और शब्द हमारे जीवन में सदा चमकते और गूँजते रहते हैं।
- यह जरुरी नहीं कि जिसको भाषा अच्छी लिखनी आती हो वह अच्छा लेखक भी होगा।
- संसार एक बड़ी पुस्तक है, किंतु जो पढ़ नहीं सकता उसके लिए किसी काम की नहीं।
- जिस लेखक को आप जानते हो उसकी रचना का मौल आप ठीक से नहीं लगा सकते।
- जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी पढ़ाया जाता है उसे लिखने से पहले सौ बार सोचा गया होता है।
- अच्छी कहानी उसे कहा जाता है जो खत्म होने के बाद भी पाठक के मन में चलती रहे।
- किसी भी अच्छी पुस्तक को एक ही बार पढ़कर उसके सारे अर्थ समझ नहीं आ सकते।
- ज्ञान से हमें ऐसे-ऐसे गुण मिलते हैं जिससे हमारी सभी कमजोरियाँ खत्म हो जाती हैं।
- धन अर्जित करने के लिए ज्ञानवान होने के साथ-साथ ज्ञान को बाँटते भी रहना चाहिए।
- यदि ज्ञान को जरूरत के समय इस्तेमाल न किया जाए तो ज्ञान श्राप बनकर रह जाता है।
- अच्छी पुस्तकें पढ़ने से हमें अच्छे से बोलना और दूसरों को समझने का हुनर आ जाता है।
- ज्ञान से सिर्फ हमें ही नहीं, हमारे परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों को भी फायदा मिलता है।
- पुस्तक की भूमिका सबसे पहले छापी जाती है, जबकि यह सबसे आखिर में लिखी जाती है।
- ज्ञान हमें आत्मविश्वास देता है और आत्मविश्वास से हमारे व्यक्तित्व का आकर्षण बढ़ता है।
- अच्छा लेखक पाठकों को अँधेरी गलियों से निकालकर उजाले की सड़कों पर ले आता है।
- पहला इनसान उस दिन समझदार हुआ था जिस दिन उसने किताब को हाथ में उठाया था।
- किताबें पढ़ने से यह ज्ञान मिलता है कि कुछ खास किताबों से ही ज्ञान पाया जा सकता है।
- पाठक भाषा से विचारों की तरफ बढ़ता है जबकि लेखक विचारों से भाषा की ओर बढ़ता है।

- जिन लोगों के पास अच्छी पुस्तकें पढ़ने का समय होता है, उन्हें बेचैनी तंग नहीं कर सकती।
- नए-नए विषयों के बारे में ज्ञान पाने से हमारी सोच तरोताजा और रचनात्मक बनी रहती है।
- इनसान के पास इतना ज्ञान कभी भी नहीं होता कि वह अपनी अज्ञानता को स्वीकार कर सके।
- महान् पुस्तकों को पढ़ने के बाद आप महसूस करेंगे कि संसार बहुत ही उदार और विशाल है।
- अच्छी पुस्तक केवल उसे ही कहा जा सकता है जिसे एक नेत्रहीन भी पढ़ना और सुनना चाहे।
- अच्छी किताब उसको कहा जाता है जिसको पढ़कर यह लगे कि इसे पहले क्यों नहीं पढ़ा गया।
- लेखक सबकुछ बरदाश्त कर लेता है, परंतु अपनी रचना के गलत अर्थ कभी स्वीकार नहीं करता।
- जो कोई अच्छी किताबें पढ़ता है वह अपने साथ समाज के लिए एक बड़ी पूँजी के समान होता है।
- ज्ञान सबसे बड़ी दौलत है, इसलिए अपने आपको तोलिए और खुद से पूछिए कि मैं कितना धनवान हूँ।
- कोई भी लेखक आज तक शिखर को नहीं छू पाया, क्योंकि साहित्य में कोई शिखर होता ही नहीं।
- अच्छी पुस्तकें सिर्फ वर्तमान के लिए ही नहीं, बल्कि आनेवाले समय के लिए भी उपयोगी होती हैं।
- यदि किताबों को पढ़े बिना सिर्फ तजुरबे के आधार पर काम करें तो महसूस होता है कि तजुरबा अधूरा है।
- ज्ञान की बातें सुनकर जो उन पर अमल करता है उसी के हृदय में ज्ञान की ज्योति प्रकट हो पाती है।
- कोई भी इनसान अच्छा गुरु नहीं हो सकता, जबकि ज्ञान से भरपूर पुस्तकों को विद्वान् भी गुरु मानते हैं।
- यदि हर कोई किताबों से लिये हुए ज्ञान को अपना ले तो फिर इस पृथ्वी पर कोई भी मूर्ख नहीं होगा।
- हर पाठक की दिलचस्पी कई लेखकों में होती है, पर सच्ची श्रद्धा केवल किसी एक के प्रति ही होती है।
- बेहतरीन इनसान अपने अच्छे कर्मों से जाना जाता है, वरना अच्छी बातें तो दीवारों पर भी लिखी होती हैं।
- प्रसिद्ध लेखक का काम गुजरे हुए जमाने की अच्छी बातों को आज के माहौल के मुताबिक समझाना होता है।

- कुछ लेखक सिर्फ अपने समय के लोगों को ही नहीं बल्कि आनेवाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करते हैं।
- जिंदगी उन्हीं लोगों को इनाम देती है, जो स्वयं पर यकीन रखते हुए अपने कार्य पूरी लगान से करते हैं।
- अच्छी किताबें पढ़ने से इनसान की सौच ऊपर उठने के साथ उसे गहराई को भी जानने का मौका देती है।
- चाहे किताबें कुछ कहें और जिंदगी कुछ और कहे, फिर भी दोनों को जानना और समझना जरूरी होता है।
- कभी-कभी ज्यादा ज्ञान अर्जित करने से इनसान अहंकारी हो जाता है, इसलिए नप्रता के पाठ को भी पढ़ते रहना चाहिए।
- जब हम किसी लेखक की रचना अच्छे से पढ़ते हैं फिर उससे मिलने और बात करने की इच्छा जाग जाती है।
- ज्ञान कहता है कि हम कुदरत को नहीं बदल सकते, जबकि अज्ञानी व्यक्ति कहता है कि सबकुछ मुमकिन है।
- जिस ज्ञान को पढ़कर हमारे अंदर कोई अच्छा बदलाव नहीं आता, वह ज्ञान नहीं बल्कि ज्ञानी होने का दिखावा मात्र है।
- यदि आपको किताबें पढ़ने का शौक है तो उम्र चाहे कितनी भी हो जाए परंतु आपको बूढ़े होने का एहसास नहीं होता।
- कुछ भी लिखना इसलिए मुश्किल लगता है, क्योंकि इससे हमारी लिखाई, पढ़ाई, समझ सबकुछ परखा जाता है।
- लेखक पैसा नहीं कमाते, प्रेम-प्यार कमाते हैं, वह इलाकों पर कब्जा नहीं करते, बल्कि लोगों के दिलों पर राज करते हैं।
- किताबें अकसर दो प्रकार की होती हैं, एक जिन्हें कोई नहीं पढ़ता और दूसरी वह जिन्हें किसी को पढ़ना नहीं चाहिए।
- प्रसिद्ध किताबें आँखों से नहीं दिल से पढ़ी जाती हैं, क्योंकि ये किताबें महसूस करनेवाली जुबान से लिखी गई होती हैं।
- पुस्तकों के द्वारा जब हम अच्छे लेखकों को जानना सीख लेते हैं उस समय लोग हमसे यह हुनर सीखने की कोशिश करते हैं।
- किसी भी महान् पुस्तक को पढ़कर हमारा मन और सोच इतनी बड़ी हो जाती है कि उसमें कई नए विचार समा सकते हैं।
- जीवन एक अनूठी पुस्तक है, जो अंत तक मनुष्य का साथ देती है, परंतु इसके कठिन पृष्ठों को समझने के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है।
- एक अच्छी पुस्तक से मिलनेवाले विचारों पर यदि अमल किया जाए तो जीवन को नए सिरे से जीने की दिशा मिल सकती है।
- हताश न होना सफलता का मूल है और यहीं परम सुख है। उत्साह मनुष्य को कर्मों में प्रेरित करता है और उत्साह ही कर्म को सफल बनाता है।

- कोई कितना भी बड़ा ज्ञानी क्यों न हो, उसे यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि जीवन में अभी भी बहुत कुछ सीखना बाकी है।

सपनों का सच



- सपने हर चीज को आसान बना देते हैं।
- हमारे सपने ही हमारे भविष्य के बीज होते हैं।
- सपनों की दुनिया में सबकुछ मुमकिन होता है।
- जो आज हकीकत है वह कल तक एक सपना था।
- हर सपना हमारे जीवन का एक जरूरी हिस्सा होता है।
- छोटे सपने अधिक दूर तक आपका साथ नहीं निभा पाते।
- सृष्टि को बदलने के लिए सबसे पहले अपनी दृष्टि को बदलो।
- इससे पहले कि आपके सपने सच हों, आपको सपने देखने होंगे।
- यदि आप साहस दिखाएँ तो आपका हर सपना सच हो सकता है।
- जब सपनों के साथ मेहनत जुड़ जाए तो वे हकीकत बन जाते हैं।
- जीवन में छोटे सपने देखना एक बहुत बड़ी गलती समान होता है।
- हर व्यक्ति अगर दिल से चाहे तो अपने सपनों को साकार कर सकता है।
- जीवन में कुछ भी हासिल करने के लिए सपने देखना जरूरी होता है।
- हर सपने को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी से काम करना पड़ता है।
- सपने सिर्फ वही देखने चाहिए, जिन्हें पूरा करने में आपका मन आपके साथ हो।
- सपनों को सच करने के लिए सबसे पहले नींद का त्याग करना जरूरी है।
- उन लोगों के सपने कभी सच नहीं होते, जिनकी सोच नकारात्मक होती है।
- अपनी हर इच्छा को पूरा करने से पहले उसके लिए सपना देखना जरूरी है।
- महान् सपने देखनेवालों के महान् सपने एक-न-एक दिन जरूर पूरे होते हैं।
- यदि सपनों को हकीकत में बदलना चाहते हो तो जितनी जल्दी हो सके जाग जाओ।
- अपने सभी सपनों को सच करने के लिए सिर्फ बातें ही नहीं साहस भी दिखाना पड़ता है।
- सपने चाहे कितने भी सुंदर क्यों न हों, सफलता जागकर उन्हें पूरा करने से ही मिलती है।

- सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, सपने वे होते हैं जिनके पूरे होने तक नींद नहीं आती।
- हर दिन हमें इस तरह से प्रयास करना चाहिए कि आनेवाले समय में हमारे सपने हकीकत बन सकें।
- कुछ लोग सपने इसलिए देखते हैं कि यह असंभव है और कुछ लोग सपनों को साकार करके दिखाते हैं।
- सपने वे सच नहीं होते जो सोते वक्त देखे जाते हैं, सपने वही हकीकत बनते हैं जिनके लिए आप सोना छोड़ देते हैं।
- सपने देखना बेहद जरूरी है, लेकिन केवल सपने देखकर ही मंजिल को हासिल नहीं किया जा सकता। सबसे जरूरी है जिंदगी में खुद के लिए कोई लक्ष्य तय करना।
- जिसकी सुबह अच्छी, उसका दिन अच्छा; जिसकी शाम अच्छी, उसकी रात अच्छी, अच्छे विचारोंवाले की सारी जिंदगी अच्छी।
- सपने चाहे जैसे भी हों, जीत और हार आपकी सोच पर निर्भर करती है। मान लो तो हार होगी और ठान लो तो जीत होगी।
- जिन्हें सपने देखना अच्छा लगता है, उन्हें रात छोटी लगती है; और जिन्हें सपने पूरे करना अच्छा लगता है, उन्हें दिन छोटा लगता है।
- यदि आप अपने सपनों को सच करने की जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो फिर आपका हर सपना हकीकत बन सकता है।

पथप्रदर्शक



- दर्पण चुप रहकर अपना फैसला सुनाना जानता है।
- बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो हमें नजदीक से प्रभावित करते हैं।
- एक छोटी सी भूल भी कभी-कभी जीवन को धूल में मिला देती है।
- अपने से अधिक योग्य व्यक्ति को कभी भी सलाह नहीं देनी चाहिए।
- दूसरों की नकल करना और प्रशंसा सुननी केवल मनुष्य के लक्षण है।
- आपका आचार-व्यवहार आगर अच्छा है तो चरित्र स्वयं ही सुदृढ़ होगा।
- बहादुरी का असली सबूत मैडल नहीं, शरीर पर जख्मों के निशान होते हैं।
- अच्छा परिणाम वही व्यक्ति दे सकता है, जो सही दिशा में मेहनत करता है।
- यह जरूरी नहीं होता कि जिसका नाम चतुर सिंह हो, वह चतुर-चालाक भी हो।
- हर बात के पीछे कोई दूसरी बात जरूर होती है और वही असल बात होती है।
- पहले इनसान दीवारों के बीच में रहता था, आजकल इनसान के बीच दीवारें रहती हैं।
- कोई भी व्यक्ति अपना दृष्टिकोण बदलकर अपना भविष्य बदल सकता है।
- किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पूर्व घर के बुजुर्गों से अनुमति जरूर लेनी चाहिए।
- जो दूसरों को जानता है वह विद्वान् है, जो स्वयं को जानता है वही बुद्धिमान होता है।
- यदि हमारे विचार सकारात्मक होंगे तो हर प्रकार के मतभेद खत्म हो जाएँगे।
- हर किसी में अच्छाई ढूँढ़ो, उससे कुछ सीखकर अपना ज्ञान और अनुभव बढ़ाओ।
- विचारों और भावनाओं में संतुलन हो तो परिवार में शांति और आनंद बना रहता है।

- संसार में न कुछ भला है, न बुरा, केवल हमारे विचार ही उसे भला या बुरा बना देते हैं।
- कुछ लोगों को छोटी-छोटी बातों को बड़े संकट के रूप में पेश करने में बड़ा मजा आता है।
- जिस नियम में ज्यादा किंतु-परंतु जुड़ जाएँ तो उस नियम का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है।
- कुछ लोगों को देखकर यह कहना पड़ता है कि कभी-कभी भगवान् से भी गलती हो ही जाती है।
- विद्वान् लोग आपका मार्गदर्शन तो कर सकते हैं, परंतु उस राह पर चलना आपको खुद ही पड़ता है।
- अपनी औकात से अधिक खरीदी हुई महँगी चीज सम्बाली तो जा सकती है पर इस्तेमाल नहीं की जा सकती।
- यात्रा करने से बौद्धिक विकास होता है, लेकिन शर्त सिर्फ इतनी है कि यात्रा करनेवाले के पास बुद्धि होनी चाहिए।
- सेवा करने की शिक्षा सूर्य से लेनी चाहिए, जो प्रतिदिन संसार को रोशन करने के लिए प्रकट हो जाता है।
- समय-समय की बात होती है, दिन में कौवा उल्लू को मार देता है और रात में उल्लू कौवे को मार सकता है।
- छोटा लेख लिखने के लिए अधिक समय लगता है, इसलिए समय की कमी के कारण लेख बड़ा हो जाता है।
- आगर विरासत में जमीन-जायदाद मिलती है तो यह याद रखो कि उसके साथ जुड़े दुश्मन और झगड़े भी साथ आएँगे।
- मशहूर होने के लिए हर व्यक्ति पूरा जोर लगा देता है, लेकिन जब मशहूर हो जाता है तो फिर काला चश्मा लगाकर काले शीशोंवाली कार में बैठ कर इस तरह से डरते-डरते जाता है कि कोई उसे पहचान न ले।
- एक मिनट हमारे जीवन को नहीं बदल सकता, परंतु एक मिनट में लिया गया निर्णय हमारे जीवन को बदल भी सकता है, इसलिए हर निर्णय सोच-विचार कर लें।

अनुभव



- जीतनेवाले हारनेवाले को जीत का हनर सिखा देते हैं।
- मन को मारने की नहीं सुधारने की जरूरत होती है।
- बुजुर्गों का अनुभव जान लेना भी एक बड़ा अनुभव है।
- किसी दूसरे व्यक्ति के अनुभव से हम अनुभवी नहीं हो सकते।
- अनुभव आपसे वह करवाता है जो आपको करना चाहिए।
- उस्ताद संगीतकार शागिर्द के संगीत में गूँज भर देते हैं।
- जीवन के सारे तजुरबे पाने के लिए बुढ़ापा बहुत जरूरी है।
- ऊँचे पहाड़ों पर चढ़ने के लिए भी पगड़ंडियों की जरूरत पड़ती है।
- सबसे अच्छी भाषा वह होती है जो आसान शब्दों से बनी हो।
- एक पल की सूझ-समझ आपको बुलंदियों तक पहुँचा सकती है।
- प्यार करना ही मुश्किल है, नफरत करना तो हर कोई जानता है।
- बुजुर्गों के बताए हुए मार्ग पर चलनेवाला व्यक्ति कभी असफल नहीं होता।
- संसार में आज तक एक भी ऐसा महापुरुष नहीं हुआ, जिसका अपमान न हुआ हो।
- पढ़ने-पढ़ाने से तजुरबा नहीं आता, तजुरबा तो केवल अपने हाथ से काम करने पर ही आता है।
- जीवन में गलतियाँ होती हैं और इन्हें न दोहराने का संकल्प आपको महान् बनाता है।
- दोस्ती उनसे रखो जो सदा मुसकराते हों, उनकी मुसकराने की अदाएँ आपको भी आ जाएंगी।
- माउंट एवरेस्ट पर कभी भी भीड़ नहीं होगी, क्योंकि हर कोई इतनी हिम्मत नहीं दिखा पाता।
- जीवन में अनुभव का बहुत महत्व है, असफलता के बाद ही आप जीवन में अनुभवी कहलाते हैं।
- अनुभवी उसको कहते हैं जिसने सारी गलतियाँ कर ली हों और उनसे सबक भी सीख लिया हो।

- जिंदगी के अनुभव केवल योग्य और उन लोगों को ही सुनाने चाहिए जो कुछ सीखना चाहते हों।
- यदि अकल की तरह अनुभव भी असर नहीं करता तो फिर उपदेश देने से भी कोई फायदा नहीं होनेवाला।
- अपनी जिंदगी की अच्छी बातें और अनुभव अपने प्रियजनों को जरूर बताने चाहिए, फिर चाहे कोई सुनें या न सुनें।
- आँधी-तूफान में पेड़ वही गिरते हैं जो खोखले हो चुके होते हैं लेकिन इल्जाम आँधी और बरसात पर ही लगता है।
- आप कितने भी पवित्र शब्द पढ़ लें या बोल लें, वह आपका क्या भला करेंगे जब तक आप उन्हें उपयोग में नहीं लाते।
- जो बातें हमें तकलीफ देती हो, उन्हें जल्द-से-जल्द भूल जाना ही अच्छा है, वरना ये सारी उम्र हमें दुःख देती रहती हैं।
- मन से लोभ कभी खत्म नहीं होता। एक से सौ, सौ से हजार, हजार से लाख पाने की तृष्णा बढ़ती ही रहती है।
- काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी होता है, काम करते हुए सोचना सतर्कता होती है और काम करने के बाद सोचना मूर्खता कहलाती है।
- इनसान जंगल के राजा शेर को तो काबू में करके अपने इशारों पर नचा सकता है, परंतु अपने छोटे से मन पर सारी उम्र काबू नहीं कर पाता।
- अच्छा हृदय और अच्छा स्वभाव दोनों ही आवश्यक हैं। अच्छे हृदय से कई रिश्ते बनेंगे और अच्छे स्वभाव से वे रिश्ते जीवन भर टिक पाएँगे।
- अनुभव के बराबर कोई शिक्षा नहीं, कार्य और उत्तरदायित्व से ही आदमी सीखता है। गलतियों और कमियों का सामूहिक नाम ही अनुभव है, बिना घुटने छिले तो साइकिल चलाना भी नहीं आता।

अनमोल वचन



- बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता।
- बहुत समझदार और बहुत मूर्ख कभी नहीं बदलते।
- कठिन काम करनेवाले का भगवान् भी साथ देता है।
- आत्म-नियंत्रण से असीम नियंत्रण शक्ति प्राप्त होती है।
- सत्य के सूर्य को कभी असत्य के बादल ढक नहीं सकते।
- बच्चे लाड़-प्यार से नहीं, बल्कि गलत उदाहरणों से बिगड़ते हैं।
- औरत का सच्चा गहना उसका चरित्र, उसकी पवित्रता होती है।
- सदा प्रसन्न रहने के लिए प्रशंसा की इच्छा का त्याग आवश्यक है।
- यदि आप दूसरों का भला सोचेंगे तो आपका भला स्वयं ही हो जाएगा।
- ताकतवर इनसान को शिक्षत देने के लिए विनप्रता का अस्त्र ही काफी है।
- कुछ अच्छा करने के लिए ताकत की नहीं, ठोस इरादों की जरूरत होती है।
- जो गरीबों की मदद करता है उनका सबसे बड़ा मददगार भगवान् होता है।
- जो व्यक्ति खुद को समझ लेता है वह हर किसी को अपना साथी बना लेता है।
- जब ईर्ष्या अपना धिनौना सिर उठाती है तो हमारे अपने भी दुश्मन बन जाते हैं।
- शांत रहना एक गुण है, जो करोड़ों लोगों में से किसी एक को नसीब होता है।
- लाठी व पत्थर से हड्डियाँ टूटती हैं, परंतु कठोर शब्दों से प्रायः संबंध टूट जाते हैं।
- जीवन में दूसरों की सेवा करनेवाला कुछ खोता नहीं, बल्कि सबकुछ पा लेता है।
- संयम, संतुलन और संतुष्टता का गुण अपनाने से हर कोई महान् बन सकता है।
- अपने विचारों को चंदन समान सुगंधित बनाओ तो वायुमंडल सुवासित हो जाएगा।

- जो क्रोध को हथियार के रूप में प्रयोग करते हैं वे नम्रता का कवच भी जरुर पहनें।
- आत्म संतुष्टि होने पर व्यक्ति को सभी भौतिक सुख-सुविधाएँ गौण लगाने लगती हैं।
- विचार उस पक्षी की भाँति है जो सदा खुले आकाश में स्वतंत्र विचरण करना चाहता है।
- उम्मीद कभी न छोड़ें, यही वह पथ है जो जीवन भर आपको गतिशील बनाकर रखता है।
- अगर आपने अध्ययन ही नहीं किया तो अभिव्यक्त नहीं कर पाओगे, इसलिए अध्ययनशील रहिए।
- चुगलखोरों से सदा सावधान रहना चाहिए, क्योंकि ये लोग गड़े मुरदे उखाड़ने में माहिर होते हैं।
- सभी को साथ की आवश्यकता होती है। सोचिए, क्या आपके पास किसी साथी का साथ बाँटने के लिए भरपूर प्रेम है?
- आपके अपने स्वभाव के सिवाय कोई आपको दुःख नहीं दे सकता, अपना स्वभाव मधुर व प्रेमयुक्त बनाएँ।
- किसी की चुगली करनेवाला असल में जो कुछ कह रहा होता है वह सबकुछ उसके अपने बारे में होता है।
- मैंने तुम्हारे लिए यह किया वह किया—यह आगे चलकर जताने से पहले अच्छा है कि तुम किसी के लिए कुछ मत करो।
- किसी भी व्यक्ति के कार्य या ओहदे को देखकर ईर्ष्या न करें, क्योंकि इससे स्वयं की कार्यशक्ति क्षीण होती है।
- प्रसन्नता तो चंदन की तरह होती है, दूसरे के माथे पर लगाइए तो आपकी उँगलियाँ अपने आप महक उठेंगी।
- दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने अंदर झाँक लेना चाहिए कि क्या हम खुद उस बात पर अमल कर रहे हैं।
- कभी-कभी हम दूसरों को बदलने के लिए बाध्य कर देते हैं, क्योंकि हम चाहते हैं कि वे वैसे ही बनें, जैसा हम चाहते हैं।

परीक्षा



- सुस्त आदमी परीक्षा के नाम से ही थक जाते हैं।
- असल बात यह है कि असल बात कैसे की जाए।
- जिंदगी के अर्थ जिंदगी जीने से ही समझ आते हैं।
- कई बार फैसला न करना भी एक बड़ा फैसला होता है।
- दुःखों को सहने पर ही आप असल जीवन को समझ पाते हैं।
- जो खुद पर विजय पा लेता है वही सबसे महान् कहलाता है।
- बड़े-से-बड़े दुश्मन को भी प्यार की भाषा से जीता जा सकता है।
- बिना लक्ष्य तय किए की जानेवाली मेहनत का कोई लाभ नहीं होता।
- जैसे-जैसे मेहनत की जाती है वैसे-वैसे हमारी किस्मत बलवान् हो जाती है।
- आर्थिक परेशानियों से बचने का एकमात्र उपाय है कि सोच-समझकर खर्च करो।
- यदि हर काम किस्मत के भरोसे छोड़ दिया जाए तो फिर किस्मत कुछ नहीं छोड़ती।
- यादें तो मोतियों की माला की तरह होती हैं, उनके टूटने से सारे सपने टूट जाते हैं।
- पैरों के चलने से और हाथों के काम करने से हमारी सोच बहुत विशाल हो जाती है।
- सुख के बाद यदि दुःख आ जाए तो याद रखना कि दुःख के बाद फिर से सुख आएगा।
- जो व्यक्ति अपनी परेशानियों को हल नहीं कर सकता वह दूसरों के लिए भी कुछ नहीं कर सकता।
- वह प्राणी कभी तरक्की नहीं कर सकता, जो हर परीक्षा के लिए अच्छे मुहूर्त के इंतजार में रहता है।
- मुश्किलों का हल तभी मिलता है जब आप अपने मन में यह सोच लो कि आप मुश्किलों से बड़े हो।
- यदि आपको विजेता बनना है तो दूसरों से अधिक मेहनत करके उसकी कीमत तो चुकानी ही पड़ेगी।

- कामयाबी पाने के लिए बहुत अधिक मेहनत और ज्ञान के साथ लगातार प्रयास करना भी जरूरी होता है।
- जो बीत गया सो बीत गया; आनेवाले समय के लिए ठीक से लक्ष्य तय करके उन्हें पाने का प्रयास करो।
- बच्चों को अच्छा इनसान बनाने के लिए उन पर नजर रखना जरूरी होता है, क्योंकि वह तो ज्ञान से अनजान हैं।
- समय के बदलने से हमारी परेशानियाँ कम नहीं होतीं, खुद को बदलने से जरूर परेशानियाँ कम हो जाती हैं।
- जो समय चिंता में बीता समझो वह कूड़ेदान में गया, जो समय चिंतन में बीता समझो वह तिजोरी में जमा हो गया।
- इनसान और जानवरों में बहुत कम अंतर होता है, परंतु कुछ लोग इस अंतर को भी मिटाकर जानवरों की तरह व्यवहार करने लगते हैं।
- गीता यह नहीं कहती कि कर्म का फल नहीं मिलेगा, वह तो सिर्फ इतना कहती है कि फल तो मिलेगा परंतु फल की चिंता मत कर।
- लोगों के लिए आप तब तक अच्छे हो जब तक आप उनकी उम्मीदों को पूरा करते हो; और आपके लिए उस समय तक सभी लोग अच्छे हैं जब तक आप उनसे कोई उम्मीद न रखो।
- यदि किसी सफर के दौरान आप गिर भी जाते हैं तो भी घबराने की बात नहीं, क्योंकि इससे आप सँभलकर चलने का रहस्य जान पाते हैं।
- स्कूल या कॉलेज की परीक्षा में मिले अंक आपकी प्रतिभा का पैमाना नहीं हैं। आपकी सच्ची प्रतिभा वह है जिससे आप दूसरों की सेवा करते हैं।

विवेक-बुद्धि



- आपसी सलाह-मशवरे से कम ही भूल होती हैं।
- हर दिन हम कुछ-न-कुछ नया सीख सकते हैं।
- स्वभाव को सरल बनाओ तो समय व्यर्थ नहीं जाएगा।
- दूसरों को बदलने से पहले स्वयं को बदलना आवश्यक है।
- ज्ञान प्राप्ति की इच्छा अंतिम क्षण तक नहीं छोड़नी चाहिए।
- बिल्ली कभी भी चूहों के हक की बात नहीं कर सकती।
- जिस व्यक्ति ने जीवन में उम्मीद खो दी उसने सबकुछ खो दिया।
- विचार ही व्यक्ति को महान् बनाते हैं और विचार ही नीचे गिराते हैं।
- परिश्रमी लोग केवल काम करते हैं और किसी को कुछ नहीं कहते।
- जो परिवार एक साथ मिलकर खाना खाते हैं, वह सदा साथ रहते हैं।
- ज्ञानी लोग प्यार की ताकत से नफरत को भी खत्म कर देते हैं।
- जिन लोगों में कल्पनाशक्ति नहीं होती उनमें बदलाव भी नहीं आते।
- जो दूसरों की मुसीबत में काम आता है, उस पर कभी मुसीबत नहीं आती।
- हमारे विचारों का स्तर ही हमारी निजी प्रसन्नता का स्तर निर्धारित करता है।
- रुकावटों के बावजूद आगे बढ़ना और दुःखों को हँसी से झेलना ही जिंदगी है।
- प्रयास के बिना सब असंभव है।
- यदि भरसक प्रयत्न करने पर भी सफलता नहीं मिलती तो परमात्मा पर छोड़ दें।
- जब तक हमारी अपनी भूख शांत नहीं होती, हम दूसरों का पेट नहीं भर सकते।
- अच्छी बातें सुनने और देखने से मन में सदा अच्छे विचार उत्पन्न होते हैं।
- मन के संकल्पों को बीच-बीच में रोकने का अभ्यास कर लें तो थकावट नहीं होगी।
- आज समाज, राष्ट्र व विश्व की सबसे जटिल समस्याओं का एकमात्र हल है चरित्र।

- सबसे आसान है बोलना और शिकायतें करना, सबसे कठिन है कुछ करके दिखाना।
- यदि आपको दूसरों की प्रतीक्षा करने की आदत है तो आप अवश्य ही पीछे रह जाएँगे।
- अकेले चलनेवाला धोखा ही खाता है, सबको साथ लेकर चलनेवाला ही मंजिल पाता है।
- सहनशीलता इनसान को शक्तिशाली बनाती है, असहिष्णुता इनसान को कमजोर बनाती है।
- रुठे हुए को मनाने से, भूखे को खाना खिलाने से, गिरे हुए को उठाने से ही घर बसते हैं।
- यदि समस्याएँ आने पर आप घबरा जाएँगे, तो आपके दिमाग का संतुलन बिगड़ सकता है।
- आप स्वयं को जितनी अच्छी तरह समझेंगे, शांत व सुखी रहना उतना ही सहज हो जाएगा।
- कोई भी घटना केवल संयोगवश नहीं होती, उसके पीछे कोई-न-कोई कारण अवश्य होता है।
- समस्याएँ बहुत हैं और उनका समाधान भी होता है, लेकिन हर समस्या एक-एक करके उठानी चाहिए।
- जितनी मेहनत से लोग नर्क में जाते हैं, उससे आधी मेहनत करने पर वह स्वर्ग में जा सकते हैं।
- कभी भी आशा न छोड़ें, आशा एक ऐसा पथ है जो जीवन भर आपको गतिशील बनाए रखता है।
- किसी काम को करने के बाद नहीं बल्कि करने से पहले उसकी लाभ-हानि के बारे में सोचना चाहिए।
- स्वयं को बदलने का अवसर सदा मिलता है, कहीं ऐसा तो नहीं कि समय आपको बदलता हो।
- सामनेवाले की बातचीत से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वह कितने पानी में है।
- अपनी आवाज को बुलंद करने के लिए पहले अपने अंदर आत्मविश्वास जगाना सीखो।
- बुराइयाँ जीवन में आएँ उससे पहले उन्हें मिट्टी में मिला दो अन्यथा वे तुम्हें मिट्टी में मिला देंगी।
- जिसके पास समझ होती है वह हर चीज में से कुछ-न-कुछ लाभ की वस्तु ढूँढ़ लेता है।
- सदैव कोशिश करते रहें, यदि आप हिम्मत नहीं हारते तो एक दिन जीत अवश्य आपकी ही होगी।

- स्वयं एक समस्या बनने की बजाय क्यों न हम दूसरों की समस्याएँ हल करने में सहायक बन जाएँ?
- हर काम पूरी जान लगाकर करें, अधूरे मन से किया काम आपसे श्रेष्ठ बनने का मौका छीन लेता है।
- प्रतिदिन अच्छा काम करने का संकल्प एक दिन आपको अच्छा काम करने की आदत भी डाल देता है।
- बदलती हुई चीजें हमेशा अच्छी लगती हैं, लेकिन बदलते हुए अपने किसी को अच्छे नहीं लगते।
- शुभ भावनाओं के बोल हीरे-मोती समान होते हैं, आपकी शुभ भावनाएँ दूसरों के लिए सहारा बन सकती हैं।
- याद रखो कि जीवन जीने और कुछ करने के लिए है, दूसरों को उपदेश देकर वक्त बिताना जीवन नहीं है।
- यदि मैं अपने प्रयासों का फल प्राप्त करने के लिए बेचैन हूँ तो वह आधा पका फल खाने की इच्छा के समान है।
- जो सच्ची लगन से हर कार्य करते हैं उनके विचारों, वाणी व कर्मों पर पूर्ण आत्मविश्वास की छाप लग जाती है।
- जो कुछ भी मैंने खोया है वह मेरी नादानी है, जो कुछ भी मैंने पाया है वह परमात्मा की मेहरबानी है।
- अपने मार्ग में आनेवाले किसी भी विघ्न से घबराएँ नहीं, हर विघ्न को उन्नति की ओर ले जानेवाली सीढ़ी समझें।
- कुछ लोग हाथ में किस्मत की लकीरे ढूँढ़ते हैं, वे यह नहीं जानते कि यही हाथ किस्मत बना और बदल सकते हैं।
- यदि आपका मन अतीत के बंधनों तथा बीती बातों में उलझा हुआ है, तो आप वर्तमान का आनंद अनुभव नहीं कर सकेंगे।
- यदि आप जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं तो यह सुनिश्चित करें कि आपकी इच्छाएँ सीमा से आगे न बढ़ने पाएँ।
- कितना कुछ जानता होगा वह शख्स मेरे बारे में, मेरे मुस्कराने पर भी जिसने पूछ लिया कि तुम उदास क्यों हो?
- मानो या न मानो सुनने में क्या जाता है, कई बार नेक मशवरा काम आ जाता है। मन के खिड़की-दरवाजे सदा खुले रखिए, औरों का अनुभव भी बहुत कुछ सिखा जाता है।
- जो जैसा सोचता और करता है, वह वैसा ही बन जाता है, अतः व्यक्ति को वही सोचना और करना चाहिए जैसा वह बनना चाहता है।
- दुनिया में इनसान ही ऐसा इकलौता प्राणी है जो रोते हुए पैदा होता है, शिकायतें करता हुआ जीता है और अफसोस करते हुए मरता है।

- एक दिन सोने ने लोहे से कहा, ‘हम दोनों लोहे के हथौड़े से पिटते हैं तो तुम इतना क्यों रोते हो? मैं तो नहीं रोता।’ लोहे ने कहा, ‘जब अपना ही अपने को मारता है तो दर्द ज्यादा होता है।’
- क्या कोई बता सकता है कि प्रेम अंधा क्यों होता है? क्योंकि तुम्हारी माता ने तुम्हारा चेहरा देखने से पहले ही तुमसे प्रेम करना शुरू कर दिया था।
- श्रेष्ठ मनुष्य वही होता है, जो पराए लोगों को भी अपना बना लेता है; और जो अपनों से भी झगड़ता है वह मानव नहीं हो सकता।
- अच्छे विचारों को जानने से हमें यह फायदा होता है कि हमें यह मालूम हो जाता है कि हमारे पास तो पहले भी कई अच्छे विचार हैं।

कर्मों का महत्व



- इनसान जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान् बनता है।
- महान् चिंतन से ही महान् कर्म किए जा सकते हैं।
- कर्म चिंता को चिंतन में बदलने की ताकत रखते हैं।
- संसार सिर्फ बातों से नहीं, कर्मों के परिणामों से चलता है।
- वर्तमान की उपेक्षा करनेवाला सबकुछ खो देता है।
- कर्म ही व्यक्ति को महान् बनाते हैं और कर्म ही नीचे गिराते हैं।
- एक सच्चे कर्मवीर के दो दुश्मन होते हैं—निद्रा और थकान।
- एक श्रेष्ठ व्यक्ति अपनी बोली में पीछे लेकिन कर्म में आगे रहता है।
- लगातार मेहनत करनेवाले ही खुशी-खुशी मंजिल तक पहुँच पाते हैं।
- शिक्षक सिर्फ वही याद रहता है जो छात्रों को एक नई राह दिखाता है।
- हमारे शरीर और मन को दुःख-सुख हमारे कर्मों के अनुसार ही मिलते हैं।
- गीता पढ़ी तो ज्ञान के लिए जाती है लेकिन यह संदेश कर्म करने का देती है।
- सुबह सैर करने से शरीर को तंदुरुस्त रखने से अधिक मन को शांति मिलती है।
- हम क्या हैं, इसका निर्णय अकसर दूसरे करते हैं; और वह भी हमारे जाने के बाद।
- संगीत की समझ बच्चे को माँ के गर्भ में उसकी धड़कन से समझ आने लगती है।
- अपनी बनाई हुई जायदाद पर अपने जीते जी हक छोड़ने से पछतावा ही होता है।
- आज तक किसी भी समझदार व्यक्ति को कोई गलत काम करने का विचार नहीं आया।
- सबसे समझदार वह व्यक्ति होता है जिसके आँख, कान तो खुले हों परंतु मुँह बंद हो।
- विचारों पर ध्यान दो तो शब्द बन जाते हैं, शब्दों को ग्रहण करो तो अच्छे कर्म बन जाते हैं।

- किसी भी सूरत में कर्म नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि कर्मशील लोग ही भाग्य बनाना जानते हैं।
- सैर करते समय यदि हमारी जुबान चुप रहे तो हमारी आँखें और कान बहुत चुस्त हो जाते हैं।
- किसी काम को न आना बुरी बात नहीं है, करने की कोशिश न करना बहुत बुरी बात होती है।
- कर्म के पुजारी अपने सामने और पीछे बोलनेवालों की परवाह न कर काम करते चले जाते हैं।
- अपने हिस्से की गलती मान लेने से दूसरे को भी अपनी गलती मानने का हौसला मिल जाता है।
- कर्म करनेवाले व्यक्ति कभी अकेले नहीं होते, उनके कर्म ही उनके सबसे अच्छे साथी होते हैं।
- भाग्य भी कर्मवीरों का ही साथ देता है, इसलिए इनसान को एक वीर की तरह कर्मशील रहना चाहिए।
- हमें अपने कर्मों का सदा एहसानमंद होना चाहिए, क्योंकि हमारे कर्म ही हमारे व्यक्तित्व का सच्चा आईना दिखाते हैं।
- जिस काम के लिए तुम्हें तनख्याह मिलती हो अगर वह काम भी अच्छे ढंग से किया जाए तो लोग उसे भी सेवा कहते हैं।
- बहुत से लोग कम पढ़े-लिखे होने के बावजूद भी कई बड़े-बड़े काम कर देते हैं। इसका एकमात्र कारण यही है संतुलित जीवन और हर कार्य को समय पर करना।

साहस



- साहस ही कठिन परिस्थितियों में भी मनुष्य का साथ देता है।
- हर सफलता इनसान की सोच को और ऊँचा विशाल बना देती है।
- हौसला आपसे वह सबकुछ करवाता है जो आप करना चाहते हैं।
- जिस काम को करने में डर लगता हो उसी को करने का नाम ही साहस है।
- पहाड़ जैसी विपत्ति को दूर करने के लिए सिर्फ थोड़ा सा साहस ही पर्याप्त है।
- मुसीबत एक पहाड़ की तरह होती है जिसे उठाने के लिए साहस की जरूरत है।
- इस दुनिया में कोई काम मुश्किल नहीं है, इसलिए काम करने से घबराना नहीं चाहिए।
- चींटी बिना कुछ बोले हमेशा काम में लगी रहकर मेहनत करने का संदेश देती रहती है।
- सिर्फ चलने से काम नहीं चलता, मंजिल तक पहुँचने के लिए साहस से प्रयास करना भी जरूरी होता है।
- भाग्य भी वीरों का ही साथ देता है, इसलिए इनसान को एक वीर की तरह कर्मशील रहना चाहिए।
- जिंदगी और जंग में जीतता वह नहीं जो जोर का मारे, जीतता तो वही है जिसमें साहस होता है।
- एक सपना, एक हौसला और साहस भरा एक कदम आपको सफलता की मंजिल तक पहुँचा देता है।
- लगातार संघर्ष करने से इनसान महान् बन जाता है, और लगातार आराम करने से उसका पतन होता है।
- एक बार आपको कुछ न करने की आदत पड़ जाए तो आप पाएँगे कि व्यस्त होने के लिए समय ही नहीं बचता।
- महान् कर्मों का इतिहास उन लोगों का इतिहास है, जिनके पास संसार के खिलाफ अकेले खड़े रहने की हिम्मत है।
- जवान आदमी में हौसला अधिक नहीं होता, डर कम होता है। जैसे-जैसे डर बढ़ने लगता है हौसला कम होने लगता है।

- हर असफलता के बाद मूल्यांकन करने से हम चिंतनशील होते हैं, इसी से कमियों का पता लगता है, सफलता के बाद तो गरुर आ जाता है।
- किसी भी कार्य को करने के लिए जो शक्ति चाहिए वह हमारे अंदर ही होती है, उसी की मदद से हम लक्ष्य को पा सकते हैं।
- साहसी लोग हमेशा यह सोचते हैं कि मैं कर सकता हूँ और काम को पूरा करके दिखाते हैं। जबकि हारनेवाले सदा इस दुविधा में फँसा रहता है कि वह क्या करे, कैसे करे?
- बुद्धिमान् व्यक्ति को साहसी भी होना चाहिए, क्योंकि जब बुद्धि के साथ साहस का मेल हो जाता है तो किसी भी कार्य को करना आसान हो जाता है।
- हमारे जीवन में कई बार संकट आते रहते हैं, परंतु हमें इन संकटों से कभी भी घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि इनकी उम्र अधिक नहीं होती। सिर्फ जरूरत होती है कि संकट के समय में अपना संयम और साहस बनाए रखने की।
- कमल का फूल सदा पानी से ऊपर उठकर खिलता है, इसी तरह जिस व्यक्ति में जितना साहस होता है वह उतना ही ऊपर उठ जाता है।
- इस दुनिया में कभी भी मुसीबतों की कमी नहीं रही और न ही उन्हें हल करने के लिए साहसी व्यक्तियों की कमी रही है।
- परेशानियों के साथ लड़ते-लड़ते कुछ लोग टूट जाते हैं, परंतु साहसी लोग सभी परेशानियों को हल करके सारे रिकॉर्ड तोड़ डालते हैं।

प्रेरणादायक विचार



- नेक इनसान का भाग्य खुद-ब-खुद बदल जाता है।
- कोठी-बँगले बना लेने से किसी को मन की शांति नहीं मिलती।
- मानव के मन में यदि दया नहीं तो उसे मानव कहना ही गलत होगा।
- कभी-कभी छोटे निर्णय भी जीवन को हमेशा के लिए बदल सकते हैं।
- भगवान् से जब भी माँगो सदा अच्छी सेहत, अच्छा स्वास्थ्य माँगो।
- सारे समाज को अपने मुताबिक चलाने की सोच रखना सरासर गलत है।
- यदि इच्छाओं का लक्ष्य तय कर लिया जाए तो संतुष्टि अवश्य मिलती है।
- अक्सर लोग अपने कर्तव्य भूल जाते हैं, लेकिन अपने अधिकार उन्हें याद रहते हैं।
- अक्सर छोटी-छोटी बातें गले में अटक जाती हैं, जिनका परिणाम बड़ा गंभीर निकलता है।
- आप ईश्वर में तब तक विश्वास नहीं कर पाएँगे जब तक आप अपने आप में विश्वास नहीं करते।
- सफलता की खुशियाँ मनाना ठीक है, लेकिन असफलताओं से सबक सीखना अधिक महत्वपूर्ण है।
- क्या आपने कभी सोचा है कि लाश तैरती क्यों है, क्योंकि डूबने के लिए जिंदगी की जरूरत होती है।
- हम जीवन में सबकुछ स्थायी पाना चाहते हैं, जबकि हमारी अपनी जिंदगी का ही कोई भरोसा नहीं है।
- विवाह उनसे न करें जिनके साथ आप रह सकते हैं, विवाह उनसे करें जिनके बिना आप नहीं रह सकते।
- अच्छे गुण तो हर इनसान के अंदर होते हैं, जरूरत होती है तो सिर्फ सही समय पर उन्हें विकसित करने की।
- शांत और तनावरहित जिंदगी के लिए यह आवश्यक है कि छोटी-मोटी अड़चनों को महसूस ही न किया जाए।
- ऐसा नहीं लगता कि आप कुछ बदल सकते हैं; और बदल भी दें तो यह सागर में एक बूँद के बराबर ही होगा।

- जग में कोई-न-कोई ऐसा सुंदर और नेक काम करते रहो कि आपके जाने के बाद भी आपका नाम अमर रहे।
- यदि आप सबकुछ भगवान् पर भरोसा करके उस पर छोड़ दो तो भगवान् आपकी सभी चिंताओं को हर लेते हैं।
- आप दुःखों को अपने पास आने से नहीं रोक सकते, लेकिन आप उन दुःखों से घबराएँ नहीं ऐसा तो आप कर सकते हैं।
- अध्यापक सिर्फ एक दिशा के बारे में बताते हैं, बाकी दिशाओं को जानने के बारे में छात्र को खुद मेहनत करनी पड़ती है।
- कोई व्यक्ति कितना चतुर है, इसका अंदाजा उसके जवाबों से लगाया जा सकता है; साथ ही कोई व्यक्ति कितना बुद्धिमान है इसका अंदाजा उसके द्वारा किए गए प्रश्नों से लगाया जा सकता है।
- अपने दुश्मनों पर विजय पानेवालों की तुलना में उसे शूरवीर मानना अच्छी बात है, जो अपनी इच्छाओं पर विजय प्राप्त कर लेता है, क्योंकि सबसे कठिन विजय अपने आप पर विजय पाना होता है।
- धन कमाने की आस में निकलना जीवन की सबसे भारी गलती है, वही करें जिसमें आपकी रुचि हो; और यदि आप उसमें निपुण हो जाते हैं तो धन अपने आप आएगा।
- अमीर वह नहीं जिसके पास बहुत धन है या जो बहुत खर्च करता है; अमीर तो वह है जिसे और अधिक धन की जरूरत नहीं रहती। जिसे हर समय धन की जरूरत रहती हो वह तो सदा निर्धन ही कहलाता है।
- प्रार्थना को लोग एक स्टेपनी की तरह समझते हैं और सिर्फ कष्ट के समय इस्तेमाल करते हैं; जबकि प्रार्थना एक स्टीयरिंग व्हील की तरह होती है जो हमें हमारी मंजिल तक पहुँचाती है।
- इनसान को जीवन जीने के लिए हर पल चिंता करनी पड़ती है, इसलिए हमें चिंता करने का तरीका अच्छे से सीख लेना चाहिए।
- इनसान अपने लालच की प्रवृत्ति के चलते हर चीज को अधिक-से-अधिक जमा करना चाहता है। इसी से प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है और हमारी समस्याएँ बढ़ रही हैं।

जालिम गुस्सा



- क्रोध आग से भी तेज होता है।
- क्रोध एक किस्म का क्षणिक पागलपन है।
- क्रोध आँखवालों को भी अंधा कर देता है।
- क्रोध में हम सबसे पहले खुद को ही नष्ट करते हैं।
- एक पल का क्रोध आपका भविष्य बिगाड़ सकता है।
- अपनी इंद्रियों पर संपूर्ण नियंत्रण ही सच्ची विजय है।
- क्रोधित न होइए, वरना आपकी सारी शक्तियाँ नष्ट हो जाएँगी।
- क्रोध महाशत्रु है, इस पर जीत पाने से आप जगतजीत बन सकेंगे।
- क्रोध करने से हमारी सोचने-समझने की क्षमता खत्म हो जाती है।
- एक पल का क्रोध आपका भविष्य सदा के लिए बिगाड़ सकता है।
- गुस्सा करने से मन और अधिक परेशान व उदास हो जाता है।
- क्रोध एक ऐसा अवगुण है जो हमें सदा पाप की ओर धकेलता है।
- गुस्से को गुस्से से नहीं, केवल प्रेम से मिटाया जा सकता है।
- गुस्से और नफरत का रास्ता कभी भी अच्छी राह की ओर नहीं जाता।
- जब क्रोध आए तो सबसे पहले उसके परिणाम पर विचार करो।
- गुस्से में किया हुआ काम दोबारा ही नहीं, बल्कि कई बार करना पड़ता है।
- क्रोध सबसे पहले हमें खाता है, फिर किसी दूसरे को नुकसान पहुँचाता है।
- क्रोध एक ऐसी स्थिति है जिसमें जीभ मन से अधिक तेजी से काम करती है।
- तनाव को तुरंत खत्म कर दो, इससे पहले कि वह आपको खत्म कर दे।
- क्रोध समझदार और अनुभवी लोगों को पागल और मूर्ख बना सकता है।
- क्रोध मनुष्य को पागल बना देता है, तो क्यों न हम विवेक से काम लें।
- गुस्से के कुछ पलों की गलतियों की सजा सारी उम्र भुगतनी पड़ती है।
- जो मन की पीड़ा को स्पष्ट रूप में व्यक्त नहीं कर सकता, उसी को क्रोध आता है।
- किसी भी काम को तभी सुधारा जा सकता है जब आप अपने क्रोध पर काबू रखें।
- क्रोध की आग बुझाना ही यथार्थ में मस्तिष्क के तापमान का नियंत्रण है।

- जब हम क्रोध की अग्नि में जलते हैं तो इसका धुआँ हमारी आँखों में भी जाता है।
- क्रोध को मन में पाले रखने से सबसे अधिक दंड हमें खुद को ही मिलता है।
- गुस्सा इनसान का वह बुरा हाल कर देता है जैसा कोई शैतान भी नहीं करता।
- मनुष्य क्रोध में समुद्र की तरह बहरा एवं आग की तरह उतावला हो जाता है।
- क्रोध करने पर कुछ भी नहीं सूझता, क्रोध से बचने के लिए चुप रहना बेहतर है।
- जो व्यक्ति क्रोध से दूर रहता है उसे जीवन में सफलता शत-प्रतिशत मिलती है।
- क्रोध, घृणा और अहंकार मनुष्य के वे शत्रु हैं जो उसके आस-पास मँडराते रहते हैं।
- क्रोध करने से हम पाप को नष्ट नहीं कर सकते, बल्कि खुद ही पाप की राह पर चल पड़ते हैं।
- क्रोध करने पर चाहे हमें दंड न मिले, परंतु हमारा क्रोध हमें जरुर दंडित करता है।
- यदि समय रहते आप गुस्से को खत्म नहीं करते तो फिर गुस्सा आपको खत्म कर देगा।
- जीवन में गुस्से पर काबू रखना उस समय सबसे जरूरी होता है जब दूसरा गुस्से पर काबू न रख पाए।
- जब क्रोध में हों तो दस बार सोचकर बोलिए, जब अधिक क्रोध में हों तो हजार बार सोचकर बोलिए।
- जब आप क्रोधित होते हैं तो बहुत सारी शक्ति नष्ट हो जाती है, अतः शक्ति का प्रयोग बुद्धिमत्ता से करें।
- क्रोध अविवेक को जन्म देता है, क्रोध से बड़े-बड़े अनर्थ हो जाते हैं, इसलिए क्रोध कभी नहीं करना चाहिए।
- गुस्सा कभी भी दलील नहीं बन सकता; जब सारी दलीलें खत्म हो जाती हैं तो उस समय गुस्सा हावी हो जाता है।
- क्रोध में इनसान का मुँह तो खुला रहता है, परंतु वह क्या कह रहा है यह सुनने के लिए उसके कान बंद हो जाते हैं।
- मूर्ख का क्रोध नगाड़े के समान शोर करता है, जबकि बुद्धिमान का क्रोध नदियों की तरह शांत और ठंडा रहता है।
- नप्रता और मीठे वचनों से आप दूर बैठे व्यक्ति का भी मन जीतकर उसे अपने करीब ला सकते हैं। सबसे मुश्किल काम है शांति की ओर पहला

कदम बढ़ाना, परंतु इससे भी मुश्किल काम उस व्यक्ति को माफ करना होता है जिसे हम अपना शत्रु मानते हैं।

- क्रोध में लिया हुआ कोई भी निर्णय हमेशा हमारी परेशानी का सबब बनता है। कभी भी किसी क्षेत्र में सफलता पाने का हर रास्ता प्रेम-प्यार की गली से गुजरता है। प्रेम-प्यार से आप इनसान को तो क्या भगवान् को भी अपना बना सकते हो।
- किसी के दिल को चोट पहुँचाकर माफी माँगना बहुत ही आसान है, लेकिन खुद चोट खाकर किसी को माफ करना बहुत मुश्किल है।
- जिंदगी में जब भी समझौता करना पड़े तो बिना झिझक के कर लो, क्योंकि झुकता वही है जिसमें जान होती है, अकड़ तो मुरदे की पहचान होती है।
- गुस्से में अपने अलावा किसी दूसरे से बात करना बहुत खतरनाक हो सकता है, क्योंकि ऐसे में हमें सारी उम्र पछताना पड़ सकता है।
- एक हफ्ते के बुखार से हमारी जितनी शक्ति नष्ट होती है, इतनी ही शक्ति कुछ पल क्रोध करने से कम हो जाती है। इसी से यह अंदाजा लग जाता है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए क्रोध कितना खतरनाक हो सकता है।
- कोई भी व्यक्ति उबलते पानी में अपना प्रतिबिंब नहीं देख सकता, इसी तरह आप गुस्से में कभी भी सच्चाई को नहीं देख पाते। इसलिए कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले सदा उसका विश्लेषण करना चाहिए।
- दूसरों की बात सुनकर हमें आपे से बाहर नहीं होना चाहिए, बल्कि शांत रहकर अपनी सहनशक्ति की परीक्षा लेनी चाहिए।
- गुस्सा एक बर्फ की चट्टान की तरह होता है, यदि इसे पिघलाया न जाए तो यह दूसरों के साथ हमें भी हर समय घायल करता रहता है।

आशीर्वाद



- बुजुगों की सेवा ही सच्ची पूजा है।
- आप प्रतिदिन एक नेक कार्य जरूर करें।
- माता-पिता धरती पर विधाता का ही रूप हैं।
- आशीर्वाद प्राप्त करना हो तो पुण्यात्मा बनो।
- माता-पिता के समान कोई तीर्थ नहीं है—न मंदिर, न मसजिद।
- भूखों को अन्न देने और अपाहिजों की मदद करने से प्रभु प्रसन्न होते हैं।
- माँ के पास घर के सभी सदस्यों को जोड़कर रखनेवाली कला होती है।
- घर ही संस्कारों की पहली पाठशाला होता है, और माता-पिता प्रथम गुरु।
- बुजुगों की सेवा एक ऐसा भाव है, जो किसी प्राप्ति की उम्मीद नहीं रखता।
- किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पूर्व घर के बुजुगों से अनुमति जरूर लेनी चाहिए।
- एक बार जिसे बुजुगों का आशीर्वाद मिल गया समझो उसे भगवान् मिल गया।
- बड़े-बुजुगों की सेवा करना और उनकी हर बात सुनना ही सबसे बड़ी इबादत है।
- धन-दौलत से आप सारा संसार तो खरीद सकते हो, लेकिन माँ-बाप का प्यार नहीं।
- प्रतिदिन प्रातः उठकर बुजुगों से आशीर्वाद प्राप्त करना भी पूजा का ही एक बड़ा भाग है।
- ऊपर जिसका अंत नहीं उसे आसमाँ कहते हैं, जहाँ में जिसका अंत नहीं उसे माँ कहते हैं।
- दुनिया में सबसे ऊँचा स्थान माँ-बाप का ही है, धर्मग्रंथों में इनका गुणान भरा हुआ है।
- माता-पिता उस नाविक की भाँति हैं जो अपने बच्चों को दुःखों के सागर से पार लगाते हैं।
- बुजुगों की सेवा कर आप एक तीर्थ का पुण्य कमा लेते हैं।

- माँ-बाप का दिल जीत लो कामयाब हो जाओगे, वरना सारी दुनिया जीतकर भी हार जाओगे।
- अपने घर में परिवार के लोगों के साथ बैठकर प्रार्थना करना पूजा के साथ-साथ एक संस्कार भी है।
- माता-पिता की सेवा को अपना सौभाग्य समझें, बीमारी की अवस्था में अपने हाथों से उनकी सेवा करें।
- जीवन में कुछ भी अच्छा करने और अच्छा बनने के लिए बुजुर्गों का आशीर्वाद सदैव लेते रहना चाहिए।
- माँ एक ऐसे प्राणी का नाम है जो सभी की जगह ले सकती है, लेकिन माँ की जगह कोई नहीं ले सकता।
- माँ-बाप को सोने से न मढ़ो, हीरे-मोतियों से न जड़ो तो चलेगा, पर उनका दिल जले और आँसू बहें यह कैसे चलेगा?
- हम जब प्रभु और अपने बुजुर्गों के निमित्त पूजा या सेवा करें तो कृपादृष्टि और आशीर्वाद स्वयं ही मिल जाता है।
- माँ-बाप की आँखों में दो बार आँसू आते हैं, एक बार जब लड़की घर छोड़ती है, दूसरी बार जब लड़का मुँह मोड़ता है।
- बुजुर्गों की खुशी में सारा परिवार कम ही साथ देता है, परंतु उनके अंतिम क्रियाकर्म में सभी लोग एक साथ बैठ जाते हैं।
- तूने जब पहला श्वास लिया तब तेरे माता-पिता तेरे पास थे, माता-पिता जब आखिरी श्वास लें तब तू उनके पास रहना।
- जब एक रोटी के चार टुकड़े हों और खानेवाले पाँच 'तब' मुझे भूख नहीं है—कहनेवाला व्यक्ति सिर्फ माँ ही हो सकती है।
- सेवा करनेवाले बहुत सेवा करके भी सुखी देखे जाते हैं। हर समय पैसा कमानेवाले कम काम करके भी दुःखी देखे जाते हैं।
- घर के बड़े बुजुर्ग एक आशीर्वाद की तरह होते हैं, उनके रहने से घर को और अधिक बेहतर बनाने की उम्मीद बनी रहती है।

रोचक विचार



- शादी एक शब्द नहीं बल्कि एक पूरा ग्रंथ है।
- गलत काम करने का कोई ठीक ढंग नहीं होता।
- जो सरकारी नहीं होता वह ही असरदारी होता है।
- इनसान अपनी गलतियों को गलती नहीं, तजुरबा कहता है।
- पैसे के मामले में सभी लोगों का मजहब एक सा होता है।
- घर में राशन की जरूरत भाषण से पूरी नहीं की जा सकती।
- जो खुद कुछ नहीं कर पाते वह दूसरों को सिखाने लगते हैं।
- जिस बेगम में कोई कमी न हो वह सिर्फ ताश में ही दिखाई देती है।
- बुरी आदतें हमें कोई नहीं सिखाता, हम खुद ही सीख जाते हैं।
- खुशी मनाने के लिए किसी-न-किसी साथी की जरूरत होती है।
- यदि खुलकर बात करने की इजाजत हो तो रिश्ते कभी नहीं टूटते।
- जो सलाह मुफ्त में दी जाती है अकसर उसका लाभ नहीं उठाया जाता।
- आजकल माँ बच्चों को लोरियाँ सुनाकर नहीं, बल्कि धमकी देकर सुलाती हैं।
- घर को कभी भी दफ्तर नहीं बनाना चाहिए, घर को घर ही रहने देना चाहिए।
- विचार बदलने से हमारे मन के गुण और शरीर के लक्षण बदल जाते हैं।
- पैसा सभी बुराइयों की जड़ है, लेकिन बिना जड़ों के जीवन संभव नहीं।
- कोई भी व्यक्ति केवल आठ घंटे काम करके खुशहाल नहीं बन सकता।
- खून दान करने से पहले तस्दीक कर लीजिए कि आप खून के मालिक हैं।
- कुछ लोगों की याद घर का कूड़ा-करकट साफ करते समय ही आती है।
- झांगड़ा इसी बात से होता है कि थप्पड़ खाने से पहले मुक्का मार दिया जाता है।
- इनसान को जिंदगी में बादाम खाने से नहीं, ठोकर खाने से अक्ल आती है।
- आदमी कितना भी बड़ा क्यों न हो, औरत के अँगूठे के नीचे ऐन फिट आता है।
- जिंदगी में कुछ ऐसा काम करो कि लोग आपका नाम फेसबुक में नहीं, गूगल में ढूँढ़े।

- नौकरी दो चीजों के लिए की जाती है—पहली तनख्वाह और दूसरी, छुट्टियाँ।
- जीवन में आप कुछ बनो या न बनो, परंतु कभी भी किसी का सिरदर्द मत बनो।
- पति-पत्नी दूध और मलाई की तरह साथ-साथ पर अलग-अलग होने चाहिए।
- माँ बेटे को बोलना सिखाती है, पत्नी आकर उसे चुप रहना सिखाने लगती है।
- यहाँ मदद माँगने पर भी नहीं मिलती और लोग सलाह बिना माँगे ही दे जाते हैं।
- लाइफ को सुखी रखने का सीधा और आसान उपाय है अपनी वाइफ को सुखी रखना।
- कोई भी व्यक्ति उतना सुंदर नहीं होता, जितना वह अपनी फोटो में दिखाई देता है।
- जब तक हमारी सोच साफ नहीं होती, उस समय तक हमारे आस-पास गंदगी ही रहेगी।
- सबसे समझदार व्यक्ति वह होता है जिसके आँख, कान तो खुले हों, परंतु मुँह बंद हो।
- यह संसार चलता तो अच्छे लोगों के कारण है, लेकिन दिलचस्प बुरे लोगों की वजह से होता है।
- पति को वह पत्नी बहुत अच्छी लगती है जो सारा बाजार घूम आए, परंतु खरीदे कुछ नहीं।
- क्या यह हैरानी की बात नहीं है कि कुछ मूर्ख लोग भी दूसरों को मूर्ख समझने लगते हैं।
- अकसर औरतें हमें महान् कार्यों की प्रेरणा देती हैं, परंतु उन्हीं को करने नहीं देतीं।
- पति-पत्नी को आपस में रुठने का शौक ही रखना चाहिए, उसे आदत नहीं बनानी चाहिए।
- शादी लॉटरी की तरह होती है, बस हार जाने पर आप इसे टिकट की तरह फाड़ नहीं सकते।
- यदि आप किसी भी मूर्ख से नहीं मिलना चाहते तो सबसे पहले अपने घर का शीशा हटा दो।
- जीवन में हर वस्तु के दो पहलू होते हैं, आप सदा उज्ज्वल पक्ष को ही देखने का प्रयास करें।
- जो प्यार में नफा-नुकसान देखते हैं, उन्हें न प्यार मिलता है और न ही वह किसी से प्यार कर सकते हैं।

- यह चाँद भी क्या अजीब सितम ढाता है, बचपन में ‘मामा’ और जवानी में ‘सनम’ नजर आता है।
- जीवन में कई मौके ऐसे भी होते हैं, जब पत्रकार चुप रहकर ही अपने पेशे की सही सेवा करता है।
- आजकल जंगलों में जानवर कम होते जा रहे हैं, क्योंकि शहरों में इनकी संख्या अधिक होती जा रही है।
- कहते हैं कि ‘पहला प्यार’ कभी नहीं भूलता, पता नहीं फिर भी लोग ‘माँ-बाप’ का प्यार क्यों भूल जाते हैं?
- भारत को महान् इसलिए कहा जाता है, क्योंकि यहाँ हफ्ते में दिन सात होते हैं और त्योहार आठ होते हैं।
- कुछ लोग इतने बड़े सिरदर्द होते हैं कि उन्हें देखकर सिरदर्द की गोली को भी सिरदर्द शुरू हो जाता है।
- अच्छे लोगों के बारे में अधिक नहीं लिखा जा सकता, आलतू-फालतू की कहानियाँ तो सिर्फ बुरे लोगों की ही बनती हैं।
- जो व्यक्ति अपनी कमियों के बारे में ठीक से नहीं जानता, इसका मतलब वह अपनी बीवी की बातें ध्यान से नहीं सुनता।
- औरत की शादी नहीं हो तो उसे टेंशन होने लगती है और आदमी की शादी हो जाए तो टेंशन शुरू हो जाती है।
- हर पत्नी की दुआ है ऐ भगवान् मेरे पति को तरक्की दे, दौलत दे, बँगला दे, पैसा दे, मुझे कुछ नहीं चाहिए। तू सबकुछ मेरे पति को दे, बाकी उससे लेना मेरा काम है।
- दुनिया में सलाह ऐसी एकमात्र वस्तु है जो देने में बड़ी उदारता से दी जाती है और लेने में बड़ी कंजूसी से ली जाती है।
- पत्नी क्या होती है? पत्नी मंदिर, गुरुद्वारे में मिलनेवाले प्रसाद की तरह होती है जिसमें चाहकर भी कोई कमी नहीं निकाल सकते। पूरी श्रद्धा और मजबूरी के साथ चुपचाप उसे स्वीकार करना पड़ता है।
- जो बीवी अपने पति से डरकर रहती है, वह सीधा स्वर्ग में जाती है; और जो नहीं डरती उनके लिए तो धरती ही स्वर्ग बन जाती है।
- पत्नी जब गुस्से में कहे कि तुम जानवर हो तो आप मुसकराकर कहो— तुमने सच कहा, तू मेरी जान है, मैं तेरा वर हूँ। यही है तरीका गुस्से को मिटाने का।
- अनपढ़ औरत भी अपनी उम्र को आधा करके बताने, अपने कपड़े, गहनों की कीमत को दुगना करके और सहेली की उम्र में पाँच साल जोड़कर बताने का गणित तो अच्छी तरह से जानती है।
- औरतें हमेशा पुरुषों की भूलने की आदत से परेशान रहती हैं, जबकि पुरुष महिलाओं की याद रखने की आदत से तनाव में रहते हैं।

- इनसान मालगाड़ी की तरह होते हैं, जब खाली होते हैं तो बहुत शोर करते हैं; लेकिन जब भरे हुए होते हैं तो चुपचाप निकल जाते हैं।
- जब तक कोई इनसान शादी नहीं करवा लेता, उस समय तक उसे मालूम ही नहीं पड़ता कि मुसीबत किस चिड़िया का नाम होता है।
- भगवान् और डॉक्टर को कभी नाराज मत करो, क्योंकि भगवान् नाराज हो तो आप डॉक्टर के पास और डॉक्टर नाराज तो आप भगवान् के पास।

सोच-विचार



- इतना लो थाली में, ताकि व्यर्थ न जाए नाली में।
- समझदारी बढ़ने के साथ चीजों की जरूरतें कम हो जाती हैं।
- मेहनत से आया हुआ पसीना माथे की लकीरों को बदल देता है।
- अगर आप विनम्र हैं तो लोग नमन करते हुए आपको सहयोग देंगे।
- अगर खुश रहना है तो प्रशंसा की इच्छा का परित्याग बहुत जरूरी है।
- इस दुनिया में सिर्फ बिना स्वार्थ के माँ-बाप ही प्यार कर सकते हैं।
- सिर्फ अपने स्वार्थ की बात करनेवाले कभी बड़े आदमी नहीं बन सकते।
- सत्य का अपना एक अलग वजूद है, जो किसी के व्यक्तित्व को महान् बनाता है।
- आज भी सच का वजूद है, क्योंकि इनसान की महानता में सत्यता ही छिपी होती है।
- किसी विचार को सुनना और किसी विचार को समझना दो अलग-अलग बातें होती हैं।
- मैंने हँसकर कहा जिंदगी में गम है, गम में दर्द है, दर्द में मजा है और मैं मजे में हूँ।
- जीवन में प्रेम करने और प्रेम पाने से खूबसूरत एहसास और कुछ हो ही नहीं सकता।
- जब आप स्वयं से प्रेम करना सीख लोगे तो दूसरे लोग आपसे नफरत करना छोड़ देंगे।
- संसार में मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है जो पैदा होते ही रोता है और निराश होकर मरता है।
- अगर किसी को कुछ बनाना हो, सिखाना हो तो उसे बचपन से ही सिखाया जाना चाहिए।
- सच्चे प्यार का कभी सुखद अंत नहीं होता, क्योंकि सच्चे प्यार का कभी अंत ही नहीं होता।
- खाया-पीया अंग लगेगा, दान किया संग चलेगा, बाकी जो बचा उसे तो भैया सिर्फ जंग लगेगा।

- हमें सबका भला करना चाहिए, यह सीख देनेवाले तो बहुत हैं, परंतु इस पर अमल करनेवाले बहुत कम हैं।
- मैं जो कुछ कहता हूँ, मैं उसके लिए जिम्मेदार हूँ, परंतु आप उसे क्या समझते हैं, मैं उसके लिए जिम्मेदार नहीं हूँ।
- जीवन में सोच-विचार का बहुत महत्व होता है, सोच-विचार से हम अच्छे-बुरे का आकलन कर सकते हैं।
- शांति का चुंबक बन जाइए, ताकि आप अपनी ओर आकर्षित होनेवाली अशांत आत्माओं को शांति प्रदान कर सकें।
- जिसे बदलने की ताकत रखते हो उसे बदल डालो, और जिसे बदल नहीं सकते उसे स्वीकार करने की ताकत रखो।
- हम योजनाएँ ज्यादा बनाते हैं, काम कम करते हैं, इसीलिए दुःख उठाते हैं। काम करने से सुख मिलता है।
- फूलों की सुगंध केवल वायु की दिशा में फैलती है, लेकिन एक व्यक्ति की अच्छाई प्रत्येक दिशा में फैलती है।
- विधवा बहन का कभी अपमान न करें, उनका संन्यासी की भाँति आदर करें, उनके शील तथा धन का संरक्षण करें।
- इनसान ‘मौत’ से बचने की कोशिश करता है, नरक से नहीं। लेकिन कोशिश करने से इनसान नरक से तो बच सकता है ‘मौत से नहीं’।
- स्वयं में बहुत सी कमियों के बावजूद अगर मैं स्वयं से प्रेम कर सकता हूँ तो फिर दूसरों में थोड़ी-बहुत कमियों की वजह से उनसे धृणा कैसे कर सकता हूँ?
- इनसान से मोहब्बत आपकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाती है, जबकि भगवान् से मोहब्बत आपकी सबसे बड़ी ताकत बन जाती है।

रचनात्मक रुख



- पानी से कभी मक्खन नहीं निकलता।
- कुछ किए बिना जग में जय-जयकार नहीं होती।
- कष्ट सहनेवालों को कभी डर नहीं सता सकता।
- नाज जिंदगी सँवारता है, घमंड जिंदगी बरबाद करता है।
- बिना त्याग के कभी किसी को कुछ हासिल नहीं हो सका।
- प्रेम के आँसू दुःख नहीं पहुँचाते, वे तो मोती बन जाते हैं।
- आप समस्या स्वरूप नहीं, समाधान स्वरूप बनो।
- दूसरों को सहयोग देना ही उन्हें अपना सहयोगी बनाना है।
- जो सबको सम्मान देता है उसको सभी से सम्मान मिलता है।
- दूसरों के आगे हाथ फैलाने से मान-सम्मान नष्ट हो जाता है।
- मजबूरी में किए गए समझौते अकसर झगड़ों को जन्म देते हैं।
- जो बहाने बनाना जानते हैं, उन्हें और कुछ बनाना नहीं आता।
- विश्वास, संबंध, वायदा और दिल—ये कभी भी तोड़ने नहीं चहिए।
- गंभीरता का गुण धारण कर लो तो व्यर्थ टकराव से बच जाओगे।
- मान-सम्मान सिर्फ इनसान को अपने अच्छे कर्मों से ही मिलता है।
- अच्छे इनसान मरकर भी यह सिखा जाते हैं कि जीया कैसे जाता है।
- क्या आपको यह ज्ञान है कि प्रेम का देह से कोई संबंध नहीं होता।
- विशेषताएँ व गुण दाता की देन हैं—दाता को देखो, व्यक्ति को नहीं।
- जो आपकी देखभाल करता है उससे अपना सुख-दुःख बाँटना चाहिए।
- कला जितनी पुरानी होती जाती है, वह उतना ही और निखर जाती है।
- सबसे कम उम्र बेर्इमानी की और सबसे लंबी उम्र ईमानदारी की होती है।
- अगर आप हर कार्य खुशी से करेंगे तो कोई भी कार्य मुश्किल नहीं लगेगा।
- दो व्यक्तियों में से अगर एक झगड़ा न करे तो झगड़ा हो ही नहीं सकता।
- यदि आप अपना दिल ईश्वर को दे दें तो आप कभी नाउमीद नहीं होंगे।
- ईमानदारी और परिश्रम का फल देर से पकता है, परंतु बहुत मीठा होता है।
- जिंदगी में हर छोटे-बड़े तोहफों में दोस्ती का तोहफा सबसे महान् होता है।
- सबसे मित्रता न हो तो कोई बात नहीं, परंतु दुश्मनी किसी से भी न करो।

- अच्छी व स्वच्छ प्रतियोगिता स्वस्थ बनाती है, परंतु ईर्ष्या एक घातक रोग है।
- ‘कड़क’ शब्दों में हलकी बात कहने की बजाय ‘नरम’ शब्दों में ठोस बात कहें।
- यदि आप केवल अपना ही ध्यान रखेंगे तो दूसरे आपका ध्यान रखना कम कर देंगे।
- यदि व्यक्ति अपनी नैतिकता खो देता है तो मानो अपना सबकुछ खो देता है।
- घरों में बड़े बुजुर्गों के अपमान से अच्छे संस्कारों की बहनेवाली गंगा सूख जाती है।
- लोभ को अभी जीतने का प्रयास करें, क्योंकि ‘मानव जब बूढ़ा भयो, तृष्णा भई जवान’।
- भूल एक बार ही होती है; दूसरी बार करने से जिंदगी भी खत्म हो सकती है।
- काम से मन चुरानेवाला व्यक्ति कभी किसी के भले की बात नहीं कर सकता।
- विपत्ति में दूसरों की मदद के लिए सदा आगे रहनेवाले से भगवान् प्रसन्न रहते हैं।
- आगर कोई पढ़ा-लिखा अच्छा व्यवहार नहीं करता है तो उसकी सारी शिक्षा बेकार है।
- जीवन में यदि अच्छे मित्र हैं तो उन पर विश्वास करना और विश्वास दिलाना सीखिए।
- ईश्वर से प्रत्यक्ष संबंध अनुभव करने का अर्थ है कि आप सभी इच्छाओं से पार जा चुके हैं।
- अविश्वासी व्यक्ति कभी शांत नहीं रह सकता। मन की शांति के बिना क्या खुशी संभव है?
- आडंबर और प्रपंच करनेवाले लोगों को सफलता तो मिलती है, परंतु वह क्षणिक होती है।
- वह इनसान कभी तरक्की नहीं कर सकता जो दूसरों की बुराइयों और तरक्की से जलता है।
- हर फूल खुशबू देता है; अगर इनसान चाहे तो वह भी फूल की तरह नेक काम कर सकता है।
- चाहे राजा हो या किसान, सबसे ज्यादा सुखी वह है जिसको अपने घर में शांति मिलती है।
- क्या आपको जीवनरूपी वृक्ष का ज्ञान है या आप केवल इसकी टहनियों के नीचे ही खड़े हैं।

- किसी दूसरे व्यक्ति की आलोचना करने से पहले हमें अपने अंदर झाँककर देख लेना चाहिए।
- जिंदगी हसीन है, जिंदगी से प्यार कर, है रात यदि अँधेरी तो क्या हुआ, सुबह का इंतजार कर।
- हमारे वचन चाहे कितने भी श्रेष्ठ क्यों न हों, परंतु दुनिया हमें हमारे कर्मों के द्वारा पहचानती है।
- किसी को अपना बनाने के लिए जरूरी है कि आप उसके दुःखों को समझें, तभी वह आपको समझेगा।
- यदि आप जीवन के रास्ते में फूल नहीं बिखेर सकते तो कम-से-कम मुसकराहट तो बिखेर ही सकते हैं।
- यदि आपको अपने ही अंदर शांति नहीं मिल पाती तो भला इस संसार में उसे कहीं और कैसे पा सकते हैं?
- हथियार स्वयं खतरनाक नहीं होते, परंतु मानव के अंदर छिपा क्रोध ही उन्हें हानिकारक बना देता है।
- दूसरों के दोष ढूँढ़ना सबसे आसान और अच्छे काम के लिए किसी की प्रशंसा करना सबसे कठिन काम है।
- बदले की भावना से एक पल की खुशी मिल सकती है, परंतु माफ करने से आप सारी उप्र आनंदित रह सकते हैं।
- जो इनसान किसी चीज पर निशाना ही नहीं लगाता वह चूँकेगा क्या; छोटे लक्ष्य बनाना ही सबसे बड़ी गलती है।
- जिसको याद रखना है दिल में रख लें, दिमाग में नहीं, क्योंकि दिमाग सबकुछ भुला देता है और दिल सबकुछ याद रखता है।
- किसी ने खुदा से पूछा कि प्यार का असली मतलब क्या होता है? खुदा ने हँसकर कहा जो मतलब के लिए किया जाए वह प्यार कहाँ होता है।
- जिस दिन तुम्हारे कारण माँ-बाप की आँखों में आँसू आते हैं, याद रखना उस दिन तुम्हारा किया सारा धर्म आँसुओं में बह जाएगा।
- हमारे माँ-बाप हमारे जीवन में उस वटवृक्ष की तरह होते हैं जो हमें हर समय आँधी, तूफान और बरसात से बचाते हैं। जब कभी वे हमें छोड़कर चले जाते हैं तो उस समय यह एहसास होता है कि उनकी कितनी बड़ी सुरक्षा हमारे साथ थी।
- अगर आप अपने हर दिन की शुरुआत नेक कार्य से करना चाहते हो तो सुबह सबसे पहले बुजुर्गों के चरण-स्पर्श किया करो।

रिश्ते-नाते



- कमजोर रिश्ते कभी मजबूत नींव नहीं बना सकते।
- रिश्तों के साथ समझौता बुढ़ापे का गहना होता है।
- दूसरों के लिए जीनेवाला ही वास्तव में जीवन जीता है।
- बच्चे भगवान् को कम और माँ को अधिक प्यार करते हैं।
- यदि खुलकर बात करने की इजाजत हो तो रिश्ते कभी नहीं टूटते।
- संयुक्त परिवार में हर किसी को हर किसी की जरूरत होती है।
- बच्चों की छोटी सी खुशी भी माँ के चेहरे से झ़लकती और टपकती है।
- जो मुसीबत के समय साथ देते हैं, वे अच्छे दोस्त बन जाते हैं।
- दुनिया में बहुत अधिक लोग हैं, लेकिन बहुत कम अच्छे इनसान।
- जो बुजुर्गों का अपमान करता है, वह पाप का ही भागी बनता है।
- हँसी-मजाक से हमें एक-दूसरे के करीब आने का मौका मिलता है।
- किसी दूसरे व्यक्ति को पसंद करने से पहले हर इनसान खुद को पसंद करता है।
- यदि गुलाब का फूल पाना चाहते हो तो काँटों से भी दोस्ती करनी पड़ेगी।
- अपने दोस्तों को गिनो; अब यह गिनो कि आप कितने लोगों के दोस्त हो।
- खुशी का आनंद उठाने के लिए उसे अपनों के साथ बाँटना जरूरी होता है।
- बच्चों के बच्चों के साथ खेलने का मौका बहुत खुशनसीब लोगों को मिलता है।
- दूसरों से मधुर व्यवहार करनेवाला और विनम्र रहनेवाला व्यक्ति महान् होता है।
- जो व्यक्ति नप्रता के आधार पर सबसे तालमेल बनाए रख सकता है, वह महान् है।
- रिश्ते काँच की तरह होते हैं। अगर स़म्भालकर नहीं रखेंगे तो टूटेंगे, और चुभेंगे भी।
- हर व्यक्ति को न कहना भी आना चाहिए और न सुनने की आदत भी होनी चाहिए।
- रिश्तों को निभाने के लिए अपनी तसवीर के साथ-साथ अपने दिल को भी साफ रखें।

- जिन रिश्तों में जरूरत से अधिक मिठास होती है, वहाँ जल्द ही कड़वापन आ जाता है।
- किसी की शक्ल-सूरत कोई मायने नहीं रखती, बल्कि व्यक्ति को गुणों से परखा जाना चाहिए।
- मिल-जुलकर परस्पर विचार-विमर्श से ही हर बड़ी समस्या का समाधान किया जा सकता है।
- जीवन में किसी को हराना कोई मुश्किल काम नहीं है, किसी को जीतना बहुत मुश्किल होता है।
- जो भी घर में सबसे बड़ा है, घर में हुई अनबन को खत्म करने की जिम्मेदारी उसी की होती है।
- दूसरों की गलती माफ करना महानता है, लेकिन गलती को भूल जाना उससे भी बड़ी महानता है।
- परिवार के साथ रहने से हमें केवल सुविधाएँ ही नहीं मिलतीं, बल्कि यह हमारे विकास के लिए भी जरूरी है।
- जब तक इनसान परिवार से बाहर निकलकर नहीं देखता उसे संसार के बारे में कुछ नहीं मालूम पड़ता।
- जिंदगी में रिश्ते निभाना उतना ही मुश्किल होता है जितना हाथ में लिये हुए पानी को गिरने से बचाना।
- बच्चे चाहे घर की कितनी भी बुरी हालत क्यों न कर दें, घर फिर भी बच्चों के साथ ही अच्छा लगता है।
- रिश्ते तो सभी अनमोल होते हैं पर इसे अहमियत कुछ अच्छे लोग ही देते हैं, रिश्तों को मजबूत कीजिए।
- आज दुनिया को एक नए धर्म की नहीं, बल्कि एक ऐसे धागे की जरूरत है जो सभी धर्मों को एक साथ पिरो सके।
- बेटी बहुत सारी बातें अपनी माँ को नहीं बतातीं, परंतु माँ अपनी बेटी की आँखों से सबकुछ जान लेती है।
- यदि कोई हमारे साथ एक बार नेकी करता है तो हमें दोगुनी लौटानी चाहिए, इसी से प्रेम-प्यार बढ़ता है।
- अच्छे रिश्ते घड़ी की सुइयों की तरह होते हैं जो मिलती तो कभी-कभी हैं लेकिन रहती हमेशा एक साथ हैं।
- रिश्ता चाहे कोई भी हो; उसकी नींव विश्वास पर टिकी होती है, झगड़ा चाहे कैसा भी हो, उसकी जड़ स्वार्थ ही होता है।
- मित्र या अन्य कोई व्यक्ति हमें दुःख नहीं देता, बल्कि उनके प्रति हमारे अधिकार की भावना हमें दुःखी करती है।
- संबंधों को निभाने के लिए समय निकालिए, वरना जब आपके पास समय होगा, तक तक शायद संबंध ही न बचे हों।

- यदि हमारी परेशानियों का कारण परिवार के लोग होते हैं तो हमारी खुशियों का आधार भी हमारा परिवार ही होता है।
- आप कितने भी पवित्र शब्द पढ़ लें या बोल लें, वह आपका क्या भला करेंगे जब तक आप उन्हें उपयोग में नहीं लाते।
- प्यार करने के लिए ही यह जिंदगी इतनी छोटी पड़ जाती है; पता नहीं लोग नफरत के लिए कैसे वक्त निकाल लेते हैं।
- किसी भी रिश्ते को तोड़ने से पहले एक बार अपने आप से जरूर पूछ लेना कि आज तक आप उस रिश्ते को निभा क्यों रहे थे।
- जो यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि सिर्फ वही ठीक हैं, बाकी सभी गलत हैं तो वह अकसर इसका उलटा कर बैठते हैं।
- निराशा के दौर से गुजर रहे व्यक्ति के लिए धैर्य रखते हुए अच्छे मित्रों के साथ अधिकांश समय व्यतीत करना सर्वोत्तम उपाय है।
- कोई भी रिश्ता बनाना इतना आसान है जैसे मिट्टी से मिट्टी पर लिखना, लेकिन रिश्ता निभाना उतना ही कठिन है जैसे पानी से पानी पर लिखना।
- यह आशा मत कीजिए कि दूसरे आपसे प्यार करें एवं आप पर ध्यान दें, इसके बजाय आप दूसरों से प्यार करें व उनका ध्यान रखें।
- संगत करने का यह फायदा होता है कि हमारी सोच भी अच्छी बनने लगती है, उसी प्रकार जैसे पानी की एक बूँद भी कमल के फूल के ऊपर गिरते ही मोती की तरह दिखाई देने लगती है।
- रिश्ते और रास्ते एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कभी-कभी रिश्ते निभाते-निभाते रास्ते खो जाते हैं और कभी-कभी अनजान रास्तों पर चलते-चलते जीवन भर की दोस्ती के रिश्ते बन जाते हैं।
- रिश्ते पंछियों के समान होते हैं, जोर से पकड़ो तो मर सकते हैं, धीरे से पकड़ो तो उड़ सकते हैं, लेकिन प्यार से पकड़कर रखो तो जिंदगी भर साथ रहते हैं।
- जिंदगी में यह जरूरी नहीं कि हम कितने अच्छे रिश्ते रखते हैं। सबसे महत्वपूर्ण तो यह होता है कि हम रिश्तों को कितने अच्छे से निभा पाते हैं।
- रिश्ते चाहे कितने भी बुरे हों, लेकिन कभी भी उन्हें मत तोड़ना, क्योंकि पानी चाहे कितना भी गंदा क्यों न हो, प्यास नहीं तो आग तो बुझाता ही है।
- लोग खाने-पीने से लेकर कपड़े पहनने और हर चीज में अपना स्तर बढ़ाते रहते हैं, पर कभी भी अपनी सोच को बढ़ाने के बारे में नहीं सोचते।
- जितने अच्छे से आप दूसरों के बच्चों और माँ-बाप से बात करते हैं उतने ही अच्छे से यदि अपनों से बात करने लगें तो घर में ही स्वर्ग उत्तर आएगा।

आदर्श उदाहरण



- सच्चे भक्त चलते-फिरते तीर्थ समान होते हैं।
- बचत के बिना जिंदगी को बचाना मुश्किल होता है।
- अच्छे दोस्त जैसी कोई दूसरी चीज नहीं हो सकती।
- यदि सेहत ठीक न हो तो कुछ भी अच्छा नहीं लगता।
- दर्पण में आप अपना चेहरा देख सकते हैं, चरित्र नहीं।
- जो खुद गिरता है, उसे शिकायत करने का हक नहीं बनता।
- ज्ञानी लोगों से बहस नहीं की जाती, उन्हें सिर्फ सुना जाता है।
- संयुक्त परिवार में हर किसी को हर किसी की जरूरत होती है।
- अपने हिस्से से बिना कुछ दिए किसी का भला नहीं हो सकता।
- जो व्यक्ति अहंकार से मुक्त है, उसके लिए हर जगह स्वर्ग होती है।
- सबसे कमजोर और निर्धन वही है, जिसका अपने ऊपर नियंत्रण नहीं है।
- योग्यता को यदि इस्तेमाल न किया जाए तो वह अयोग्य बना देती है।
- समझदार लोग एकमत होते हैं और बेवकूफ लोग बहस करते रहते हैं।
- इनसान भगवान् को देखता तो हर दिन है, परंतु उसे पहचान नहीं पाता।
- नजर को ऊपर उठाए बिना कुदरत के नजारों को नहीं देखा जा सकता।
- जो बात साफ तौर से न कही जाए, उसी के गलत मायने निकाले जाते हैं।
- जब मन फकीर हो जाए उस समय मंदिर, मसजिद और गुरुद्वारों की जरूरत नहीं रहती।
- किसी का प्रेम कभी भी कम नहीं होता, हमारी अपेक्षाएँ ही कुछ ज्यादा होती हैं।
- व्यापार में करोड़ों बचाने के लिए लाखों की कुरबानी हँसते-हँसते दे दी जाती है।
- कंजूस धनवान तो कहीं भी मिल जाते हैं, लेकिन उसे पसंद कहीं नहीं किया जाता।
- परेशानी से यह फायदा होता है कि इससे हमारी सोचने की शक्ति बढ़ जाती है।
- उदास व्यक्ति कहीं भी जाए, उसे हर जगह मायूसी का सामना ही करना पड़ता है।

- सच्चा अमीर कभी खाली नहीं बैठता, और खाली बैठनेवाला अमीर नहीं हो सकता।
- बचपन को इसलिए अच्छा समझा जाता है, क्योंकि इसमें कोई जिम्मेदारी नहीं होती।
- जो खुद किसी का अच्छा मित्र नहीं बन सकता, उसको कभी अच्छे मित्र नहीं मिलते।
- इनसान फल के अंदर बीज देखता है, जबकि कुदरत बीज के अंदर फल को देखती है।
- ईमानदारी का व्यावहारिक अर्थ है—हजार मनकों में अलग से चमकनेवाला हीरा।
- आज आईना देखा तो खुद को तसल्ली हुई कि खुदा तेरे जमाने में कोई तो जानता है हमें।
- हर बार किस्मत को दोष देना अच्छी बात नहीं, अक्सर हम भी हृद से ज्यादा माँग लेते हैं।
- चाहे राजा हो या किसान, सबसे ज्यादा सुखी वह है जिसको अपने घर में शांति मिलती है।
- योग्यता गरीब की दौलत होती है, जिसके इस्तेमाल से गरीब व्यक्ति भी अमीर बन सकता है।
- हिमालय पर्वत सभी को इसलिए अच्छा लगता है, क्योंकि इस जैसा दूसरा कोई नहीं है।
- भगवान् को इनसान से श्रद्धा की उम्मीद नहीं, वह तो इनसान का विकास देखना चाहता है।
- अंग्रेजों को बुरा-भला कहनेवालों को चाहिए कि पहले यह सोचें कि आप गुलाम क्यों हुए थे।
- समय पाकर इनसान अपने घाव को तो भूल जाता है, परंतु घाव देनेवाले को कभी नहीं भूलता।
- तीखा बोलनेवाले का शहद भी नहीं बिकता और मीठा बोलनेवाले की मिर्ची भी बिक जाती है।
- शादी इस विश्वास के साथ की जाती है कि पति-पत्नी दोनों एक-दूसरे की हर जरूरत पूरी करेंगे।
- कहने को टी.वी. और इंटरनेट ज्ञान के भंडार हैं, परंतु असल में इन्होंने जीवन स्तर को गिराया ही है।
- जो आय से अधिक खर्च करता है वह आगे चलकर सदा दुःख ही उठाता है और अपमानित होता है।
- अगर कोई व्यक्ति अपना धर्म परिवर्तन करता है तो यह ऐसा ही है जैसे अपने माँ-बाप को बदलना।

- जो लड़ाई लड़ने के लिए तैयार होता है, वह यह नहीं देखता कि दूसरा लड़ने के लिए तैयार है या नहीं।
- जो शख्स आपकी निगाहों से आपकी जरूरत को न समझें, उससे कुछ माँगकर खुद को शर्मिंदा न करें।
- जो कोई काम नहीं करना चाहता और खाली ही रहता है वह समझ ले कि वह अपना सबसे बड़ा दुश्मन है।
- बहुत सारे रोग मानसिक होते हैं, जिसका इलाज शारीरिक किया जाता है, पर कोई लाभ नहीं होता।
- मेहनत से कमाया हुआ धन हर प्रकार से सुख ही देता है, छल व कपट से कमाया हुआ धन सदा दुःख ही देता है।
- जो अनीति पर चलता है, उसका कोई साथ नहीं देता; पर अच्छे आदमी को मुसीबत पड़ने पर मदद मिल ही जाती है।
- कुछ लोग हमें तभी याद करते हैं जब उन्हें हमारी जरूरत होती है। इस बात का हमें कभी बुरा नहीं मानना चाहिए बल्कि खुश होना चाहिए, क्योंकि हम उस दीपक की तरह हैं जिसे लोग अँधेरा महसूस होने पर उजाले के लिए याद तो करते हैं।
- किसी को अपना बनाने के लिए हमारी सारी खूबियाँ भी कम पड़ जाती हैं, जबकि किसी को खोने के लिए एक कमी ही काफी होती है।
- किसी के लिए दो मीठे और प्यार से भरे शब्द बोलकर यदि उसमें उत्साह का संचार हो सकता हो तो यह बड़े-से-बड़े धन के दान से बढ़कर है।
- संगीत को सुनकर ही आनंद लिया जा सकता है, इसीलिए संगीत सुननेवाले आँखें बंद कर लेते हैं ताकि कानों की सुनने की क्षमता और अधिक बढ़ सके।
- आपको यदि देने में खुशी होती है तो आपको कोई भी उदास नहीं कर सकता; और यदि आपको सिर्फ लेने में खुशी होती है तो आपको हमेशा कोई खुश नहीं रख सकता।
- आप दुनिया को यह मत बताइए कि आपने दुनिया को कुछ दिया है, क्योंकि दुनिया आपके आने से पहले भी थी और आपके जाने के बाद भी रहेगी, चाहे आप उसे कुछ दें या न दें।
- लोभी को धन से, अभिमानी को विनम्रता से, मूर्ख को मनोरथ पूरा करके और पंडित को सच बोलकर वश में किया जा सकता है।
- हर कोई अकसर यही कहता है कि मैं आपकी भावनाओं को समझता हूँ, परंतु अच्छे दोस्त यह कहते हैं कि मैं आपकी भावनाओं को महसूस करता हूँ। असली रिश्ते निभाने का यही जादू है।

तोल-मोल के बोल



- कम बोलने से मान-सत्कार बढ़ता है।
- अपना मुँह खोलने से पहले अपना दिमाग खोलें।
- छोटी सोचवालों की जीभ अकसर बहुत लंबी होती है।
- मधुर वाणी से हर बिगड़े हुए काम बन जाने की संभावना रहती है।
- गीली रहने के कारण जीभ के फिसलने का डर हर समय बना रहता है।
- दरबारों में बढ़-चढ़कर बोलनेवाले को कभी लाभ नहीं मिल सकता।
- किसी के दिल तक पहुँचने का रास्ता उसकी जुबान से होकर जाता है।
- दुनिया में सबसे खतरनाक हथियार तलवार या लाठी नहीं, केवल मौन है।
- शरीर की चोट और जुबान की चोट में जमीन-आसमान का अंतर होता है।
- दस पंक्तियों के जवाब से बेहतर है दो शब्दों का जवाब, जिसे मौन कहते हैं।
- जहाँ जवाब देने में दस पंक्तियाँ लगे, वहाँ एक ही पंक्ति बोलना काफी होता है।
- एक बार हमारी जुबान सुधर जाए तो फिर जीवन को सुधरने में देर नहीं लगती।
- हँसी-मजाक हर किसी को कोर्ट-कहचरी और थाने की परेशानियों से बचा सकते हैं।
- हमेशा प्रेम की भाषा बोलिए, इसे बहरे सुन सकते हैं और गूँगे भी बोल सकते हैं।
- पाँव फिसलने से आप सँभल सकते हैं, परंतु जुबान के फिसलने से नहीं सँभल सकते।
- मूर्ख लोग बिना सोच-विचार के बोलते हैं और विद्वान् लोग बोलने से पहले सोचते हैं।
- बोलने से पहले दो बार सोचो, एक बार बोलो, कुछ भी बोलने का पछतावा नहीं होगा।
- जो लोग हमेशा अपनी गलतियों पर ध्यान देते हैं एक दिन वे बुद्धिमान कहलाते हैं।

- यदि आप किसी मौके पर ठीक से बोलना नहीं जानते तो वहाँ चुप रहना ही अच्छा होता है।
- मीठा बोलने में एक कौड़ी भी खर्च नहीं होती, इसलिए सदा प्रेमयुक्त, मधुर व सत्य वचन बोलें।
- तीखे बोलों से बचें अन्यथा या तो किसी दिल को सदा के लिए तोड़ देंगे या पत्थर दिल बना देंगे।
- दो शब्द कड़वे बोल दो तो दूरियाँ बढ़ जाती हैं, एक शब्द मीठा कहने से दूरियाँ मिट जाती हैं।
- तलवार का जख्म समय पाकर भर जाता है, किंतु जुबान से दिया हुआ जख्म आसानी से नहीं भरता।
- जिस किसी की जुबान उसके काबू में नहीं रह सकती, उसका कुछ भी उसके काबू में नहीं रह पाता।
- जो जल्दी में कुछ भी बोल देते हैं, यदि वे थोड़ा सोचकर बोलें तो बहुत अच्छी बात भी कह सकते हैं।
- यदि मन दुविधा में हो कि सच बोलें या झूठ, तो सदा सच ही बोलो। इससे बाद में पछताना नहीं पड़ता।
- बोले गए शब्द हमारे कानों को प्रभावित करते हैं, जबकि हमारे मन को उसी बात के अर्थ प्रभावित करते हैं।
- कहते हैं शब्दों के दाँत नहीं होते, लेकिन जब शब्द काटते हैं तब बहुत ज्यादा दर्द होता है; और कभी-कभी घाव इतने गहरे होते हैं कि जीवन समाप्त हो जाता है, परंतु घाव नहीं भरते।
- वाणी में सुई भले ही रखो, पर उसमें धागा डालकर रखो, ताकि सुई केवल छेद ही न करे बल्कि आपस में माला की तरह पिरोकर भी रखे।
- विज्ञान यह मानता है कि जीभ की चोट सबसे जल्द ठीक होती है, जबकि ज्ञानियों का यह मानना है कि जीभ से दिए हुए जख्मों को भरने में सबसे अधिक समय लगता है। कई बार तो यह फिर भी नहीं भरते।

सहयोग



- श्रद्धा और प्यार के मेल से बना रिश्ता कभी नहीं टूटता।
- जो अच्छे स्वभाव के होते हैं उन्हें बुरी संगत बिगाड़ नहीं पाती।
- दूसरों को सहयोग देकर आप उन्हें अपना सहयोगी बना सकते हैं।
- समझदार लोगों का साथ मिलने से इनसान भटकने से बच जाता है।
- सागर में मिलने के बाद नदी को अलग से देखना मुमकिन नहीं होता।
- अच्छे लोगों की संगत से संस्कार मिलते हैं, लिहाजा कुसंगत से दूर रहें।
- कौन, कब, किसका, कितना अपना है? वक्त हर इनसान की औकात बता देता है।
- हर विकास के दो नियम होते हैं, चलते रहो और दूसरों को चलने में सहयोग करो।
- युद्ध में कभी अकेले विजय नहीं मिलती, सबको साथ लेकर लड़ने से ही बात बनती है।
- मार्ग पर अकेला चलनेवाला भटक सकता है, इसलिए साथ में हमसफर होना चाहिए।
- संगठन में बहुत शक्ति है, मिल-जुलकर हर मुश्किल कार्य आसान किया जा सकता है।
- अकेले का कोई महत्व नहीं, जब चलिए संगठन के साथ चलिए, इससे विजय मिलती है।
- जब भी किसी रिश्ते से फायदा उठाना चाहोगे, तो वह रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाएगा।
- लोगों के साथ दोस्ती का व्यवहार करो, पर इतनी बेतकल्लुफी न करो कि अपना सम्मान ही खो जाए।
- दुश्मनी जमकर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे कि जब कभी फिर दोस्त बन जाएँ तो आप शर्मिंदा न हों।
- हम यह तो उम्मीद करते हैं कि हमसे हर कोई ईमानदारी से पेश आए, परंतु क्या हम खुद हमेशा ईमानदारी की राह पर चलते हैं।
- जब हम अकेले होते हैं तो समस्या का समाधान नहीं कर पाते, बल्कि समस्या के लिए चिंतिं होते हैं; लिहाजा ज्यादा लोगों से मंत्रणा करें।

- जब हम किसी भी अच्छे काम को करने के बारे में सोचते हैं तो कुदरत भी हमारा साथ देती है। सकारात्मक सोच के चलते अच्छे काम करना और भी आसान हो जाता है।
- आपका अपना भला तभी हो सकता है जब आप दूसरों का भला करेंगे; क्योंकि यदि किसी नाव में एक सुराख हो जाता है तो फिर कोई एक नहीं, सभी डूबते हैं।
- जब तक आप में दूसरों के दोष और कमियाँ ढूँढ़ने की आदत बनी रहेगी, उस समय तक आप किसी दूसरे का तो क्या, अपना भला भी नहीं कर सकते।
- सबकुछ होते हुए भी जो किसी का भला नहीं करता वह निंदनीय है, इससे भी बड़ा निंदनीय वह है जो दूसरों को किए नेक काम की निंदा करता है।
- यदि आप अकेले हैं तो आपका कोई महत्व नहीं, परंतु यदि आप संगठन में स्नेहशील व सहयोगी होकर रहते हैं तो आप मूल्यवान हैं।

इच्छाशक्ति



- कुदरत भी हमेशा मेहनतकश लोगों को इनाम देती है।
- जिसके पास उम्मीद है वह लाख बार हारकर भी नहीं हारता।
- सच्ची लगन से काम करते ही भविष्य उज्ज्वल होने लगता है।
- उठो, जागो और तक तक रुको नहीं जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।
- अपनी पहचान बनाने के लिए मेहनत करना बहुत जरूरी होता है।
- सादगी और विनम्रता अच्छे-अच्छे वीरों को परास्त करने में सक्षम है।
- उस आस्था का कोई फायदा नहीं जिसे आचरण में न लाया जा सके।
- यदि आप में आत्मविश्वास नहीं है तो आप हमेशा न जीतने का बहाना खोज लेंगे।
- कुछ अच्छा करने के लिए ताकत की नहीं, ठोस इरादों की जरूरत होती है।
- प्रेमपूर्ण व्यवहार तथा सहनशीलता से मनुष्य तो क्या, देवता भी प्रसन्न हो जाते हैं।
- प्रसन्नता आपका अनमोल खजाना है, उसे छोटी-छोटी बातों पर लुटने मत दीजिए।
- यदि आप कष्ट से बचना चाहते हो तो सदा अपनी इच्छाओं को काबू में रखना सीखो।
- दृष्टि बदली जा सकती है, सृष्टि नहीं; इसलिए दृष्टि बदलें, सृष्टि बदली नजर आएगी।
- निष्ठा, संकल्प और इच्छाशक्ति जिस किसी के पास है, उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है।
- इनसान जीवन के हर क्षेत्र में गलतियाँ करता है, परंतु क्षमा करनेवाला ही महान् कहलाता है।
- मंजिल पर पहुँचना है तो राह के काँटों से मत घबराना, क्योंकि काँटे ही तो कदमों की रफ्तार बढ़ा देते हैं।
- किसी का भला करना अच्छी बात है, लेकिन बार-बार उसे जताना बहुत बुरी बात होती है।

- जिस वस्तु की आप कल्पना भी नहीं कर पा रहे, उसे पाने के लिए सपने भी नहीं देखने चाहिए।
- सबकुछ खोने से भी ज्यादा बुरा है वह उम्मीद खोना जिसके भरोसे पर हम सबकुछ वापस पा सकते हैं।
- अपनी अच्छाई का जितना अभिमान करोगे, उतनी ही बुराई पैदा होगी; इसलिए अच्छे बनो पर अच्छाई का अभिमान मत करो।
- सच्ची प्रशंसा वह शक्ति है जो एक पूरा दिन, यहाँ तक एक जीवन को बदलने के लिए काफी होती है। बस, आपको इसे अपने शब्दों में ढालने की आवश्यकता होती है।
- गुलाब के फूल को उपदेश देने की आवश्यकता नहीं होती, वह तो केवल अपनी खुशबू बिखरता है। उसकी खुशबू ही उसका संदेश होती है।
- जो प्रश्न पूछता है वह चंद मिनटों के लिए मूर्ख बनता है, लेकिन जो कोई सवाल नहीं करता वह जीवन भर के लिए मूर्ख बना रहता है।
- काम करो ऐसा कि पहचान बन जाए, हर कदम चलो ऐसा कि निशान बन जाए। जिंदगी तो हर कोई काट लेता है, लेकिन जिंदगी जियो ऐसे कि मिसाल बन जाए।
- भगवान् को अपने स्वार्थ के लिए कभी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, हमेशा भगवान् से भगवान् को माँगने का प्रयास करो, ऐसा करने से आपको भगवान् का प्रेम मिलेगा और आपकी सभी मनोकामनाएँ भी स्वयमेव पूर्ण हो जाएँगी।
- जब कभी कोई परेशानी हो तो यह कभी मत सोचो कि भगवान् ने यह परेशानी मुझे ही क्यों दी है। यदि इस बात को इस तरह से देखा जाए कि भगवान् ने यह कष्ट हमें शायद इसलिए दिया है क्योंकि हम दूसरों के मुकाबले बेहतर तरीके से इसका हल कर सकते हैं और इस परेशानी को देखकर घबराएँगे नहीं।

एकाग्रता



- मन को एकाग्र किए बिना सफलता नामुमकिन है।
- जब वादे पूरे नहीं किए जाते तो घनिष्ठ मित्र भी साथ छोड़ जाते हैं।
- एकाग्रता एक कला है, जिसके आते ही सफलता निश्चित हो जाती है।
- मधुमक्खी की तरह गुणों रूपी मिठास सदैव एकत्र करते रहना चाहिए।
- मनुष्य जितना ज्ञान में घुल गया हो उतना ही कर्म के रंग में रँग जाता है।
- यदि इच्छाओं का लक्ष्य तय कर लिया जाए तो संतुष्टि अवश्य मिलती है।
- जीतनेवाले एकाग्र होकर लक्ष्य को देखते हैं, और हासनेवाले रुकावटों को।
- बहाने बनाकर हम किसी और को नहीं, बल्कि स्वयं को ही नुकसान पहुँचाते हैं।
- जब आप पूरी एकाग्रता से कोई काम करते हैं तो भगवान् भी आपका साथ देते हैं।
- अपने मिशन में कामयाब होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित होना पड़ेगा।
- अगर लगने लगे कि लक्ष्य हासिल नहीं हो पाएगा तो लक्ष्य को नहीं, अपने प्रयासों को बदलें।
- जल्दबाजी में किया गया कार्य कोई भी सफलता नहीं दिलाता, लिहाजा सहजता दिखानी चाहिए।
- हमारे जीवन में होनेवाली दिन-प्रतिदिन की सभी क्रियाएँ, हमारे आत्मविश्वास पर टिकी होती हैं।
- हर कार्य उचित माध्यम से करना चाहिए, छलाँग मारकर ऊपर जाने की प्रवृत्ति नुकसानदेह होती है।
- जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदैव ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को अपना संबल बनाना चाहिए।
- यदि आप अपने मन की दुविधाओं को दूर नहीं करते तो आप खुद को कामयाबी से दूर करते जा रहे हो।
- ज्यादा काम करने से बेहतर है कि जो काम किया जा रहा है, उसकी दशा और दिशा पर ध्यान दिया जाए।

- जिस काम का कोई लक्ष्य नहीं वह पूरा नहीं होता, क्योंकि रास्ते पर चलने के लिए दिशा तो होनी ही चाहिए।
- अवसरों की राह देखनेवाले व्यक्ति साधारण होते हैं, जबकि असाधारण व्यक्ति अवसरों के जन्मदाता होते हैं।
- हर व्यक्ति को एक ही बार जीवन मिलता है, परंतु आप आप इसे अच्छे से जीना सीख लेते हो तो एक ही जीवन काफी होता है।
- आपने यदि कुछ करने का मन बना लिया है तो आपके पास उसे करने के सौ उपाय हैं, अन्यथा उसे न करने के हजार बहाने हैं।
- जिस तरह का किसी का मन और सोच होती है उसे वैसे ही सबकुछ मिलता है। यदि कोई स्वर्ग में रहकर नर्क के बारे में सोचता है तो उसे स्वर्ग में भी सुख नहीं मिल सकता; और यदि कोई किसी गंदे स्थान पर रहते हुए भी स्वर्ग की कल्पना करता है तो उसे स्वर्ग जैसा ही महसूस होने लगता है।
- जीवन में जब मुसीबतें आपके सिर पड़ती हैं तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है, यह विचार करने की बजाय मुसीबतों पर विजय पाने का प्रयास करें।
- हर असफलता के बाद मूल्यांकन करने से हम चिंतनशील होते हैं, इसी से कमियों को पता लगता है।

कण-कण में भगवान्



- भगवान् का नाम और रूप दोनों ही मंगलमय हैं।
- भगवान् की भक्ति तन से अधिक मन की चीज है।
- संगत से ईश्वर के प्रति श्रद्धा जल्दी उत्पन्न होती है।
- ईश्वर की स्मृति से हम सद्गति प्राप्त कर सकते हैं।
- अपने दुःखों को भूलने के लिए परमात्मा को याद करो।
- भगवान् से फरियाद करने के बजाय उसे सदा याद करो।
- भगवान् उसी की मदद करता है जो खुद की मदद करता है।
- भगवान् की साधना आपके विश्वास के ऊपर निर्भर करती है।
- परमात्मा को पाने का सबसे सरल व व्यावहारिक साधन है सेवा।
- भगवान् में विश्वास करने की शक्ति हर कोई पैदा कर सकता है।
- अपनी दुआओं को पूरा करने के लिए खुद ही हाथ उठाने पड़ते हैं।
- प्रभु के नियमों का पालन करने पर आप प्रेम की परिभाषा जान सकते हैं।
- ईश्वर की कृपा होने पर बड़े से बड़ा काम भी आसानी से पूरा हो जाता है।
- प्रार्थना करते समय शब्दों पर नहीं, दिल की भावनाओं पर जोर देना चाहिए।
- जब हम किसी पत्थर को मूर्ति कहते हैं तो वह पत्थर नहीं रह जाता।
- अपना अभिमान त्याग करके देखो तो शेष जो बचता है, वही तो परमात्मा है।
- सच्चे मन से संकटप्रस्त व्यक्ति की मदद करना पूजा-पाठ से बढ़कर होता है।
- अपनी सारी उम्मीदें भगवान् पर छोड़ दें, आपकी परेशानियाँ खत्म हो जाएँगी।
- यदि भरसक प्रयत्न करने पर भी सफलता नहीं मिलती तो परमात्मा पर छोड़ दें।
- विज्ञान चाहे कितनी भी तरक्की कर ले, परंतु इनसान को प्रार्थना करनी ही पड़ेगी।
- परमात्मा इनसान के रूप में इसलिए जन्म लेते हैं ताकि इनसान भी भगवान् बन सके।

- हमारी आँख भगवान् को कैसे देख सकती है, यह तो खुद को भी नहीं देख सकती।
- भगवान् को पाने के लिए सिर्फ भगवान् की ही कामना करने की आवश्यकता होती है।
- अगर काम करने से जीवन को एक शक्ति मिलती है तो संयम से सुंदरता मिलती है।
- संत कहते हैं कि संसार की मत आस कीजिए, सच्चा प्रभु का नाम है विश्वास कीजिए।
- ईश्वरीय नियमों का पालन करने पर आप समझ सकते हैं कि प्रेम कैसे किया जाता है।
- भगवान् से माँगनेवाले बहुत होते हैं, लेकिन भगवान् को माँगनेवाले बहुत कम होते हैं।
- धन्य हैं वे लोग जो सबका भला चाहते हैं, परमेश्वर भी तो सभी का भला करते रहते हैं।
- परमात्मा और समय जीवन के दो सबसे बड़े डॉक्टर हैं जिनके पास हर दर्द का इलाज है।
- कभी भी किसी का दिल नहीं दुःखाना चाहिए, क्योंकि हर दिल में ईश्वर का वास होता है।
- अगर कुछ पाना है तो फिर कर्म करते हुए फल की इच्छा भगवान् पर त्याग देनी चाहिए।
- जिसके ऊपर भगवान् की कृपा हो जाती है उसकी उँगली भी तलवार का काम कर जाती है।
- परमात्मा द्वारा बनाई हुई हर चीज किसी भी जीव और मनुष्य जाति का कुछ-न-कुछ भला करती है।
- यदि परमात्मा को पाना चाहते हो तो उसके द्वारा बनाई हुई हर वस्तु से प्रेम करना सीख लो।
- धर्म पूरी तरह से निजी मामला है, हर कोई अपने इष्टदेव तक जैसे चाहे पहुँच सकता है।
- अकेलापन तब अनुभव होता है जब आप ये भूल जाते हैं कि परमात्मा आपके परम मित्र हैं।
- जिस प्रकार साँस लेना हमारे लिए जरूरी है, उसी प्रकार ईश्वर का नाम लेना भी जरूरी है।
- जो कोई हर समय भगवान् की कथाओं को सुनते और सुनाते हैं, वही सच्चे महात्मा होते हैं।
- प्यार से आप हर किसी को अपना बना सकते हैं, घमंडी व्यक्ति तो ईश्वर को भी अच्छे नहीं लगते।

- जो प्रभु क्षण-क्षण रक्षा करता है और प्राण देता है, उसकी कृतज्ञता भी तो क्षण-क्षण करनी चाहिए।
- खास बनने के लिए प्रभु का दास बन जाओ, क्योंकि जो प्रभु के दास होते हैं, वह कभी उदास नहीं होते।
- प्रभु का सुमिरन करना है तो करें, परंतु कुछ माँगने की शर्त न रखें, तुम्हें जो चाहिए प्रभु खुद देंगे।
- कौन कहता है कि ईश्वर नजर नहीं आता, उस समय सिर्फ वही नजर आता है जब कुछ नजर नहीं आता।
- भगवान् की भक्ति करने से शायद हमें माँ न मिले, लेकिन माँ की सेवा करने से भगवान् अवश्य मिल जाते हैं।
- ऐ मेरे मालिक, तुझको कुछ बनाना ही है तो मुझे शून्य बना दें, ताकि जिससे भी जुड़ जाऊँ, वह दस गुना हो जाए।
- अब तो भगवान् को भी वचन देने से डर लगता होगा, क्योंकि इनसान दो ‘फूल’ चढ़ाकर पूरा बगीचा ही माँग लेता है।
- ईश्वर का संदेश—तुम सोने से पहले सबको माफ कर दिया करो, तुम्हारे जागने से पहले मैं तुम्हें माफ कर दूँगा।
- ईश्वर का स्मरण करने से हमारी शांति व खुशी का खाता बढ़ जाता है। उन्हें भूल जाने से यह खाता घट जाता है।
- जिस तरह प्रभु से माँगने के लिए हाथ उठाते हो, उसी तरह गरीबों की भलाई के लिए भी हाथ को ढीला करते रहो।
- दूसरों की जान बचाने से बड़ा परोपकार कोई नहीं होता। ऐसे कार्य को केवल इनसान ही नहीं, ईश्वर भी देखते हैं।
- हमारा जीवन चलता है ईश्वर की मरजी से, परंतु इनसान बार-बार इसे अपनी मरजी मुताबिक चलाने की भूल करता है।
- जीवन में जैसी भी स्थिति हो, प्रभु को कोसने की बजाय हमेशा खुश रहने का प्रयास करना चाहिए, प्रभु की कृपा मिल जाएगी।
- बच्चे जब भी कोई गलती करते हैं तो माँ-बाप उसे डाँटते जरूर हैं, लेकिन कभी भी उससे नफरत नहीं करते। इसी प्रकार जब कभी हम कोई बुरा काम करते हैं उस समय ईश्वर हमें थोड़ा-बहुत कष्ट देते हैं, परंतु उनके प्यार में कभी कभी नहीं आती।
- हर मनुष्य का पहला धर्म मानव सेवा और मानव धर्म होता है। ईश्वर उन लोगों से कभी खुश नहीं होते जो उसके बनाए हुए बंदों से नफरत करते हैं।
- चार पैसे कमा लेने पर आदमी सोचने लगता है कि अब सारी दुनिया उसके हाथों का खिलौना बन जाएगी, जबकि असलियत तो यह है कि वह तो खुद भगवान् के हाथों का खिलौना है।

- भगवान् के बारे में जब हम कुछ सुनेंगे ही नहीं तो उससे प्रेम कैसे होगा? प्यार करने के लिए उस ईश्वर के बारे में अधिक-से-अधिक जानने की जरूरत होती है। भगवान् की हर कथा बहुत ही मनोहर होती है। लेकिन इन्हें सुनने का आनंद तभी मिलता है जब कोई पवित्र साधू-महात्मा हमें अच्छे से इसके बारे में बता सके।
- जिस व्यक्ति को भगवान् से सच्चा प्यार हो जाता है वह भगवान् की लीलाएँ बार-बार सुनता है। हर बार उसे एक नया रस मिलता है, हर बार कुछ नवीनता; और उसे अधिक सुनने की इच्छा जागती है।
- भगवान् दुनिया की सभी भाषाओं के साथ, यहाँ तक कि जानवरों तक की भाषा को भी समझ लेते हैं; वह तो मन के भावों को भी आसानी से समझ लेते हैं।
- भगवान् के नाम में इतनी शक्ति है कि वह एक साधारण से व्यक्ति को भी नारायण का सम्मान दिलवा देता है। भक्त प्रह्लाद, धुव्र, तुलसीदास जी, हनुमान जी के पास जो भी शक्तियाँ थीं, वह सब राम-नाम की बदौलत ही मिली थीं।
- जहाँ विश्वास होता है, वहाँ प्रेम होता है; जहाँ पैरम होता है, वहाँ शांति होती है; जहाँ शांति होती है, वहाँ ईश्वर की कृपा से सबकुछ होता है।
- भगवान् ने इनसान को बिलकुल अपनी तरह से बनाया है। इसीलिए वह उम्मीद करता है कि उसमें सभी ईश्वरीय गुण रहें और वह ईश्वर के बताए हुए मार्ग पर चले।
- आज हर कोई भगवान् से सबकुछ पाने की उम्मीद तो रखता है लेकिन भगवान् से कोई रिश्ता नहीं रखना चाहता, ऐसे में यह उम्मीद करना कि वह हमारे सभी काम अपने आप सँवारता रहे तो यह कैसे मुमकिन हो पाएगा।
- भगवान् महान् है परंतु हर किसी को यह नहीं भूलना चाहिए कि परमात्मा की चक्की भले ही धीरे-धीरे चलती है परंतु पीसती बहुत बारीक है।
- हमारे जीवन में जो कुछ भी भगवान् चाहता है, वही होता है; हमारे लाख चाहने पर भी हमारी मरजी मुताबिक कुछ नहीं हो पाता। इसलिए सिर्फ कर्म करते रहो, फल की चिंता मत करो। फल की चिंता ऊपरवाले के भरोसे यदि छोड़ दी जाए तो हम काफी हद तक चिंतामुक्त रह सकते हैं।
- कुशल लोग माया और परमात्मा के बीच संतुलन बनाकर रखते हैं, क्योंकि यदि कोई केवल माया के पीछे भागता है तो परमात्मा छूट जाता है और यदि कोई परमात्मा के साथ चलना चाहता है तो माया छूट जाती है।
- परमात्मा को केवल महसूस किया जा सकता है, उसे देखा या छुआ नहीं जा सकता। परमात्मा किसी भी रूप में कभी भी आपके सामने आ सकता है, इसलिए उससे मिलने की तैयारी आपको सदैव रखनी चाहिए।

- कुछ लोग भगवान् को पाने के लिए दरवाजे बंद करके भक्ति करने का ढोंग करते हैं, जबकि भगवान् में सच्ची श्रद्धा रखनेवाले तो यह मानते हैं कि सारे दरवाजे खोलकर घर से बाहर निकलो, क्योंकि दीन-दुखियों की सेवा ही भगवान् की सेवा है।
- धर्म, जाति, ऊँच-नीच के सभी भेद मिटाकर जब आपका मन सभी को अपना मानने लगे, उस दिन आपको परमात्मा को ढूँढ़ने के लिए कहीं नहीं जाना पड़ेगा, वह खुद-ब-खुद आपके पास चलकर आ जाएगा।
- धर्म की राह देखने में जितनी कठिन लगती है, असल में यह उतनी ही आसान है। आपका भोलापन ही प्रभु को प्यारा लगता है और वह उसे देखकर ही आपको अपना लेता है।
- इनसान हर वह काम करता है जो वह चाहता है, लेकिन होता वह है जो परमात्मा चाहता है। परंतु यदि कोई प्रभु की इच्छानुसार काम करना शुरू कर दे तो सबकुछ वही होगा जो हम चाहते हैं।
- भगवान् ने केवल मनुष्य को ही ऐसी शक्ति दी है कि वह अपने अंदर और बाहर के व्यवहार, दोनों को समझते हुए अच्छे-बुरे का अंतर कर सके। जो मनुष्य यह जानते हुए भी ऐसा नहीं करता, वह मनुष्य होकर भी मनुष्यों का जीवन नहीं जी पाता।
- जो मान-अपमान दोनों ही स्थितियों को एक जैसा महसूस करता है, दुनिया उन्हें महात्मा कहती है। आदमी कुछ भी नहीं कर सकता, जो कुछ भी हम करते हैं वह भगवान् ही करवाता है।
- ज्ञानी लोग जब भगवान् की भक्ति करते हैं तो वे भगवान् से भगवान् के सिवाय कुछ नहीं माँगते, क्योंकि वे जानते हैं कि जब भगवान् मिल जाए तो फिर सबकुछ अपने आप मिल जाता है।
- प्रकृति की हर चीज, जैसे—हवा, पानी, पृथ्वी, समुद्र, आकाश, अग्नि एक गुरु की तरह है। हम चाहें तो इन सभी चीजों से जीवन को सँवारने के लिए कुछ-न-कुछ सीख सकते हैं।
- इस संसार में कोई भी कार्य ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध नहीं होता। जो कोई चंद पलों के लिए ही सही उससे एक बार जुड़ जाता है, वही असली शांति का अनुभव कर पाता है।
- जिस भगवान् ने हमें बनाया है उसी ने सारी दुनिया के जीवों को बनाया है, इसी बात के मद्देनजर सभी के मंगलमय जीवन की कामना करो।
- धर्म कोई भी हो, राह कोई भी, मकसद सभी का एक ही है—अपने अंदर बदलाव लाने का। हर कोई सिर्फ और सिर्फ अपने प्रभु के करीब पहुँचना चाहता है।
- यदि आप नित्य प्रातः मन के संकल्पों को समेटने व ईश्वर का स्मरण करने में कुछ समय लगाएँगे तो दिन भर इसका जादू जैसा असर रहेगा।

- सच्चे मन से भगवान् का जप करनेवाले कभी कोई बुरा काम नहीं कर सकते, क्योंकि उनकी आँखें, जीभ और अन्य सभी अंग भगवान् के नाम में लीन होते हैं।
- अगर दूसरे आपके विरुद्ध भी हों तो भी आप निराश न हों, बल्कि ये विचार करें कि आपको ईश्वर के साथ से क्या सहायता मिल सकती है।
- ईश्वर का न कोई रंग है, न कोई रूप है, न कोई उसका आकार है। ईश्वर का मतलब प्रकाश ही प्रकाश है। इसीलिए प्रकाश को दूसरा नाम भगवान् का दिया जाता है।

खुशी की महिमा



- दूसरों को खुशी देना सर्वोत्तम दान है।
- हृद से ज्यादा प्यार में छलावा होता है।
- जीवन में खुशी का पड़ाव एक बार जरूर आता है।
- मुसकराना संतुष्टि की निशानी है, इसलिए सदा मुसकराते रहो।
- होंठों पर मुसकान हो तो हर मुश्किल काम आसान हो जाता है।
- आपकी एक मुसकराहट आपके व्यक्तित्व में चार चाँद लगा सकती है।
- चुप्पी और मुसकराहट को अपनाने से जीवन की बहुत सी परेशानियाँ खत्म हो जाती हैं।
- जब कोई मुसकराता है तो उसके बारे में यही कहा जाता है कि वह खुश है और संतुष्ट है।
- जो प्रसन्न रहते हैं, उनके मन में कभी आलस्य नहीं आता। आलस्य एक बहुत बड़ा विकार है।
- मुँह खोलकर तो सब हँसते हैं पर जो दिल खोलकर हँसते हैं, उन्हें दिल का दौरा नहीं पड़ता।
- एक सच्ची मुसकान पानेवाला मालामाल हो जाता है, परंतु मुसकान देनेवाला दरिद्र नहीं होता।
- यदि मैं एक क्षण खुश रहता हूँ तो इससे मेरे आगले क्षण में भी खुश होने की संभावना बढ़ जाती है।
- कम-से-कम साधनों के होने पर भी सुख का आभास करने से सुख का आनंद लिया जा सकता है।
- आप अपने चेहरे पर थोड़ी सी मुसकान रखिए, मेरा वादा है कभी भी कोई गम आपके पास नहीं आएगा।
- इनसान चाहता है कि खुशी आए और वह मुसकराए, जबकि खुशी कहती है कि तुम मुसकराओ तो मैं आऊँ।
- यदि आप हँसते हो तो सारी दुनिया आपके साथ हँसेगी, परंतु यदि आप रोओगे तो दुनिया और ज्यादा जोर से हँसेगी।
- किसी को खुशी दोगे तो खुशी मिलेगी, और यह ऐसे मिलेगी जैसे कुएँ में फेंके पत्थर की आवाज दोगुनी होकर लौटती है।

- यदि आप प्रसन्नचित रहना चाहते हैं तो अपनी विशेषताओं के लिए स्वयं को तथा दूसरों की विशेषताओं के लिए उन्हें धन्यवाद दें।
- जो कोई खुशियाँ मिलने पर भगवान् का धन्यवाद नहीं करते, उन्हें खुशियाँ छिनने पर ईश्वर को दोष देने का क्या हक बनता है।
- यदि प्यार पाना है तो दूसरों को प्यार देना होगा, यदि सुख से जीना चाहते हो तो पहले दूसरों को सुख में रहते देख ईर्ष्या की भावना को त्यागना होगा।
- जीवन में शांति न हो तो कोई भी सुख अच्छा नहीं लगता, इसलिए सबसे पहले जीवन में शांति कायम करें; सुख तो खुद ही इसके पीछे चले आएँगे।
- यदि एक छोटा सा बीज एक बड़े पेड़ को जन्म दे सकता है तो जरा सोचकर देखो कि हमारा एक नेक विचार हमारे जीवन में कितनी खुशियों को जन्म दे सकता है।
- हमारे जीवन में कभी-कभी गम इसलिए आते हैं, क्योंकि वे हमें याद करवाते हैं कि उजाले के साथ रात भी आती है, और हमें उनका भी सामना करना है।
- यदि हम किसी को 100 रूपए देते हैं और वह हमें 100 रूपए लौटा देता है तो हमारे पास 100 रूपए ही रहेंगे, परंतु यदि हम किसी के साथ खुशियों का आदान-प्रदान करते हैं तो हमारी खुशियाँ दोगुनी हो जाती हैं।
- जब आप मुस्कराते हैं तब न केवल आपको खुशी मिलती है, बल्कि आप दूसरों के जीवन में भी आशा की किरण संचारित कर देते हैं।
- भगवान् ने हँसी की नैमत सिर्फ इनसान को दी है, हँसी-खुशी पाने के लिए जरूरत है सिर्फ अपने मन की खिड़कियाँ खोलकर इस नैमत को बाहर लाने की।

बहुमूल्य सीख



- झूठ हर झगड़े की जड़ होता है।
- भगवान् की तपस्या सें सत्य बड़ा होता है।
- क्षमाशीलता से भी इनसान महान् बनता है।
- संतोष बड़ी-से-बड़ी दौलत से भी अच्छा है।
- यज्ञ और पूजा करने के बाद कभी झूठ न बोलें।
- लड़ाई और लस्सी, जितनी चाहो बढ़ा सकते हो।
- शक्तिशाली बनने से पहले विनम्र होना भी सीखिए।
- संसार का कोई भी धर्म सेवा के धर्म से बड़ा नहीं है।
- परमार्थ व्यक्ति को सदा के लिए अमर बना देता है।
- मधुमक्खी की तरह गुणरूपी मिठास एकत्र करते रहें।
- नेकी वह फल है जो जीवन के पेड़ को अमर करता है।
- कोई भी काम केवल करने से ही सीखा जा सकता है।
- जब तक इनसान भूखा है, ज्ञान की भूख जाग ही नहीं सकती।
- दुनिया की सबसे बड़ी अमीरी धन नहीं है, बल्कि परित्याग है।
- सदा शांत रहने का प्रयास करें तभी प्रभु भक्ति को पा सकेंगे।
- आपकी वाणी सदा सत्य पर आधारित रहेगी तो सुख मिलेगा।
- परोपकार का वृक्ष सहदयता की छाया में ही फलता-फूलता है।
- जो अपनी गरदन ऊँची रखता है, वह सदा मुँह के बल गिरता है।
- एक बुरी आदत दूसरी बुरी आदतों को अपने पास बुला लेती है।
- अच्छा व्यक्ति बिछड़ने के बाद और भी अच्छा लगने लगता है।
- इनसान सबकुछ त्यागने के बाद भी प्रशंसा की उम्मीद करता है।
- आजकल परिवार को एकजुट रखने से बड़ा कोई काम नहीं है।
- प्यार करना ही मुश्किल है, नफरत करना तो हर कोई जानता है।
- खुशी मनाने के लिए किसी-न-किसी साथी की जरूरत होती है।
- दूसरों को सच की शिक्षा देने से पहले खुद झूठ बोलना छोड़िए।
- अपने से बड़ों को खुशी देने के लिए सामान नहीं, सम्मान दीजिए।
- हमारा जीवन तभी सार्थक है, जब तक उसमें परोपकार शामिल है।
- बार-बार हाथ फैलानेवाला सारा जीवन दीन बनकर रह जाता है।

- अपनी प्रशंसा चाहनेवाले लोगों से दूर रहो, उन्हें सुझाव मत दो।
- ईश्वर के समक्ष सभी समान हैं, न कोई छोटा होता है, न कोई बड़ा।
- निंदा करने से बचने का एक ही तरीका है कि त्रुटियाँ ढूँढ़ना छोड़ दो।
- हम समझते कम, समझाते ज्यादा हैं; इसलिए सुलझते कम, उलझते ज्यादा हैं।
- समाज का भला करने से पहले इनसान को अपना भला कर लेना चाहिए।
- प्रतिदिन एक नेक काम करने की शुरुआत दान देकर की जा सकती है।
- दूसरों का मान-सम्मान करनेवालों का मान-सम्मान खुद भी बढ़ता है।
- स्वयं को अपने दिमाग से सँभालें पर दूसरों को दिल से।
- किसी के गुणों की तारीफ करना भी तोहफा देने से बढ़कर होता है।
- माँ-बाप घर के अध्यापक और अध्यापक स्कूल के माँ-बाप होते हैं।
- मनुष्य को उसके द्वारा की गई सेवा का फल पीढ़ियों तक मिलता रहता है।
- हर व्यक्ति जवानी में प्यार और बुद्धापे में सत्कार का भूखा होता है।
- विचार बदलने से हमारे मन के गुण और शरीर के लक्षण बदल जाते हैं।
- फूल लगानेवालों से फूल तोड़नेवालों की गिनती हमेशा अधिक होती है।
- नए विचारों से बुद्धि तेज होती है और तेज बुद्धि से नए विचार आते हैं।
- बेईमान व्यक्ति सबसे पहले अपने घरवालों के साथ ही बेईमानी करता है।
- चुगली करना कोई पसंद नहीं करता, फिर भी न जानें सारे इसे क्यों करते हैं?
- भगवान् के सामने बैठकर पूजा करने से बढ़कर है किसी जरूरतमंद की मदद करना।
- दुनिया में कुछ भी घटना घट जाए, परंतु संसार और समय चलते ही रहते हैं।
- जुआ उस समय तक खेला जाता है जब तक जुआरी सबकुछ हार नहीं जाता।
- ज्योतिषी का धंधा डरे हुए को हौसला देना और हौसलेवाले को डराने से ही चलता है।
- जिस परिवार में बेटी नहीं होती, वहाँ बरसों तक बहू का इंतजार करना पड़ता है।
- जीवन के वही पल सफल हैं, जो नेक काम और भगवान् के स्मरण में बीतते हैं।
- संसार में आज तक एक भी महापुरुष ऐसा नहीं हुआ, जिसका अपमान न हुआ हो।

- मजाक सुनानेवाला यदि खुद भी हँसने लगे तो लतीफे की हवा निकल जाती है।
- किसी का चरित्र जानने के लिए यह देखो कि वह छुट्टीवाले दिन क्या करता है।
- महान् केवल वही होता है जो पुराना होने के बावजूद भी हर किसी को नया लगे।
- मन के संकल्पों को बीच-बीच में रोकने का अभ्यास कर लें तो थकावट नहीं होगी।
- कोई कितना भी समझदार क्यों न हो, फिर भी बहुत सारे लोग उसे बेवकूफ समझते हैं।
- जब तक हमारी सोच साफ नहीं होती, तब तक हमारे आस-पास गंदगी ही रहेगी।
- गलती निकालने के लिए भेजा चाहिए और गलती कबूल करने के लिए कलेजा चाहिए।
- जीवन है परलोक का खेत—जो अभी यहाँ बोया जाएगा, वही परलोक में काटा जाएगा।
- जिस व्यक्ति के पास करने के लिए कुछ न हो, उसके पास बुढ़ापा बहुत जल्द आ जाता है।
- राजा और हाथी से सावधान रहो, हाथी चलते-चलते और राजा हँसते-हँसते ही मारता है।
- यदि मैं यह समझ लूँ कि मेरा असली गुण प्रेम करना है तो मन में द्वेष आ ही नहीं सकता।
- गुरु और पुजारी के पास जाते समय कुछ-न-कुछ भेंट के लिए अवश्य लेकर जाना चाहिए।
- दुनिया में अस्थायी चीजें बहुत सी हैं, परंतु जीवन जैसी अविश्वसनीय कोई भी चीज नहीं है।
- ज्ञानवान इनसान कभी भी अपनी प्रशंसा से न तो पिघलता है, और न ही आलोचना से उबलता है।
- कर्म भले ही साधारण हो, परंतु इसका प्रभाव सकारात्मक और रचनात्मक होना चाहिए।
- आज के समय में किसी से उम्मीद रखना बेकार है, क्योंकि उम्मीद टूटने पर बहुत दुःख होता है।
- जीवन में किसी को हराना कोई मुश्किल काम नहीं है, किसी को जीतना बहुत मुश्किल होता है।
- इनसान की सबसे बड़ी भूल वह होती है जब वह यह सोचने लगता है कि मैं सबकुछ जानता हूँ।

- अपने सहज स्वाभाविक स्वरूप में रहिए, यह कुछ और होने का स्वाँग करने से कहीं अधिक अच्छा है।
- मन तो बहुत चंचल होता है, इसलिए समझदार लोग अपने सभी निर्णय मन की बजाय बुद्धि से लेते हैं।
- आत्मविश्वास एक ऐसी नौका की तरह है जिसकी बदौलत आप हर सफर को आसानी से पार कर सकते हैं।
- चिंताएँ, समस्याएँ और इच्छाएँ सदा एक समान नहीं होतीं, कभी क्षण भर की होती हैं तो कभी जिंदगी भर की।
- यदि हम अपने परिवार और समाज को सुंदर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले हमें अपनी सोच बदलनी होगी।
- परिवार के साथ रहने से हमें केवल सुविधाएँ ही नहीं मिलतीं बल्कि यह हमारे विकास के लिए भी जरूरी है।
- जो व्यक्ति शक्ति न होते हुए भी मन से हार नहीं मानता, उसको दुनिया की कोई ताकत कभी हरा नहीं सकती।
- आदमी में यदि आत्मविश्वास और कुछ कर दिखाने का जज्बा हो तो किस्मत जल्द ही आपके दरवाजे पर बाहर खड़ी मिलेगी।
- हमारी आत्मा सबसे अधिक बलवान उस समय होती है जब यह किसी को उसकी गलती के बावजूद माफ कर देती है।
- बहुत सारे लोग कर्ज लेने के बाद चिंतित होकर महसूस करते हैं कि असल में चिंता कर्ज लेने से पहले करनी चाहिए थी।
- पढ़े-लिखे लोग परिस्थितियों के हिसाब से खुद को बदल लेते हैं, अनुभवी लोग अपने हिसाब से परिस्थितियों को बदल लेते हैं।
- ज्ञान दो प्रकार का होता है, किसी विषय को हम स्वयं जानते हैं या यह जानते हैं कि उस विषय पर जानकारी कहाँ से मिल सकती है।
- जो इनसान किसी चीज पर निशान ही नहीं लगाता वह चूकेगा क्या? छोटे लक्ष्य बनाना ही सबसे बड़ी गलती है। जीतने वाले लक्ष्य को देखते हैं और हारनेवाले रुकावटों का रोना रोते रहते हैं।
- जिस बात से डर लगता हो, उस क्षेत्र में अपना ज्ञान बढ़ाना चाहिए; डर अपने आप भाग जाएगा, क्योंकि डर सदैव अज्ञानता से उपजता है।
- जो कुछ हमारे पास होता है वह सबकुछ हमें अच्छा नहीं लगता; इसीलिए हम उन वस्तुओं की ख्वाहिश करते हैं जो हमारे पास नहीं होतीं।
- पेड़ों को गौर से देखा है वह हर जगह, हर दिशा से खुराक लेकर फलते-फूलते हैं। क्या हम अपने चारों ओर से शुभ विचारों को लेकर अपना भविष्य नहीं सुधार सकते।
- किसी भी भूल को सुधारने का एकमात्र अच्छा तरीका यही होता है कि उस विषय के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान प्राप्त किया जाए।

- कोई भी इनसान ऐसा नहीं है जो सबकुछ जानता हो, परंतु हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर इनसान कुछ-न-कुछ जरूर जानता है।
- अच्छे काम करने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि लोग उन अच्छे कामों के कारण आपका नाम सदा याद रखते हैं।
- असीम शांति पाने के लिए संतोष करना सीखें, जो कुछ आपके पास है एक बार उसे गौर से देखें, क्योंकि बहुत से लोग ऐसे भी हैं जिनके पास इतना भी नहीं है।
- समय और समझ दोनों एक साथ खुशकिस्मत लोगों को ही मिलते हैं, क्योंकि अकसर समय पर समझ नहीं आती और समझ आने पर समय निकल जाता है।

धैर्य



- धैर्य रखो, यह वक्त भी गुजर जाएगा।
- धैर्य, विश्वास और सहनशीलता ही सफलता की कुंजी हैं।
- स्वयं को ट्रस्टी समझकर चलो तो हलकेपन का अनुभव होगा।
- बीती बातों से शिक्षा लेकर आगे के लिए सावधान रहना चहिए।
- विपरीत परिस्थितियों में जो जीता है वही धैर्यवान कहलाता है।
- अपने मन को स्थिर रखकर सभी परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें।
- जो विनम्र रहते हुए धैर्य रखते हैं, वही साहसी और शक्तिशाली बन पाते हैं।
- क्रोध करनेवाले का स्वभाव ही नहीं, और भी बहुत कुछ बिगड़ता है।
- आपस में एक-दूसरे की विशेषताओं का वर्णन करो, कमियों का नहीं।
- यदि आप अस्वस्थ हैं तो धैर्य रखिए तथा मन को स्वस्थ बनाए रखिए।
- क्रोध अगर एक हथियार है तो नप्रता के कवच से इसकी सुरक्षा कीजिए।
- कल्पना को कभी उग्र मत होने दो, यह एक घायल शेर की तरह होती है।
- विकट समस्याओं का आसान हल केवल धैर्य से ही निकाला जा सकता है।
- चाहे कोई व्यक्ति कितना भी बुरा हो, उसमें कोई-न-कोई गुण अवश्य होता है।
- शांति को बाहर खोजना व्यर्थ है, क्योंकि वह आपके गले में पहना हुआ हार है।
- शांति का प्रदर्शन करने की जरूरत नहीं होती, केवल मौन रहना ही काफी होता है।
- जिसके पास नप्रता और शांति है, उसे कोई मूर्ख बनाने की कोशिश नहीं कर सकता।
- कोई वस्तु खूबसूरत है या नहीं, यह आपके मूल्यांकन करने की योग्यता को दरशाता है।
- किसी पीड़ा को बार-बार सहन करने से ही धैर्यशीलता की परीक्षा में सफलता मिलती है।

- यदि समस्याएँ आने पर आप घबरा जाते हैं तो इससे आपके दिमाग का संतुलन बिगड़ जाएगा।
- मुसीबतों में कितना भी धिर जाओ, लेकिन धैर्य कभी मत खोना, मुसीबत खुद दूर भाग जाती है।
- अपनों से छोटों के लिए प्यार और बराबर तथा बड़ी आयुवालों के लिए सम्मान का बरताव करें।
- यदि सत्यता व ईमनादारी मुझे सहज लगती है तो परमात्मा से प्रेम भी सहज प्राप्त हो सकता है।
- मूर्ख व्यक्ति कभी संतुष्ट नहीं हो सकता, जबकि बुद्धिमान व्यक्ति की सबसे बड़ी पूँजी संतोष ही है।
- दूसरों की भलाई करनेवाला परोपकारी तो बनता ही है, लेकिन इससे उसका खुद का भला भी होता है।
- धनवान का धन चोरी या नष्ट हो सकता है, परंतु सदा खुश रहनेवाले की खुशी सदा सुरक्षित रहती है।
- सुख-दुःख तो इस जीवन की धूप और छाँव है तो फिर सुख के वक्त ज्यादा खुश मत होइए और दुःख में रोइए मत।
- समस्याएँ तो जीवन में आती ही रहती हैं, परंतु जब आप उनसे घबराकर धैर्य खो देते हैं तो आप परीक्षा में असफल हो सकते हैं।
- धैर्य एक ऐसी सवारी का नाम है जो अपने सवार को कभी गिरने नहीं देती, न किसी की नजरों में और न ही किसी के कदमों में।
- यदि कोई आपसे नाराज है और आपको बुरा-भला कह रहा है, अगर उस समय आप यह प्रश्न करें कि वह ऐसा क्यों कह रहा है तो यह आग में धी डालने जैसा होगा।

महान् विचार



- अहंकार इनसान को खाक में मिला देता है।
- कलयुग का अर्थ है अशांति और तनाव का युग।
- महान् विचार दिमाग से नहीं, दिल से निकलते हैं।
- सबसे मुश्किल काम है अपने मन को पवित्र रखना।
- सरकार में ताकत ओहदे की होती है, बंदे की नहीं।
- लेखक और कलाकार अपने दीवाने खुद ही होते हैं।
- मूर्ख आदमी के जूते उसके दिमाग से अधिक चमकते हैं।
- युद्ध में एक गलती दो बार करने का मौका नहीं मिलता।
- यदि दिशा ठीक हो तो हर परिवर्तन से लाभ ही मिलेगा।
- तर्क और दलील का बोझ प्रेम के पुष्प को कुचल देता है।
- भूल छोटी हो या बड़ी, उसकी कीमत चुकानी पड़ती है।
- लोग सिर्फ उन्हीं को सुनते हैं जिन्होंने महान् काम किए होते हैं।
- एक ही सुनहरी उसूल है कि कोई भी उसूल सुनहरी नहीं होता।
- अच्छाई कभी झागड़ा नहीं करती और झागड़ा कभी अच्छा नहीं होता।
- इनसान अपने कर्मों से भाग्य ही नहीं बल्कि सबकुछ बदल सकता है।
- संयम, संतुलन और संतोष का गुण अपनाने से आप महान् बन जाएँगे।
- हिम्मत इनसान के अंदर होती है और सुस्त लोग उसे बाहर ढूँढ़ते रहते हैं।
- तरीके से बोलने और सलीके से सुननेवाले कभी गरीब हो ही नहीं सकते।
- आज तक कोई भी व्यक्ति सिर्फ अपनी बात सुनकर समझदार नहीं बन सका।
- अपने को गधा बना दोगे तो हर कोई अपना बोझ तुम पर ही लादता जाएगा।
- बातचीत सदैव प्रसन्न मुद्रा में करनी चाहिए, उदासी या क्रोध की मुद्रा में नहीं।
- कम खाने और गम खाने से न हकीम की जरूरत पड़ती है और न हाकिम की।
- व्यस्त होना ही काफी नहीं है, सवाल यह है कि तुम किस काम में व्यस्त हो।

- समय पर चलाया गया एक तीर बेवक्त चलाए गए 10 तीरों के बराबर होता है।
- संकट के समय भ्रष्ट नहीं, केवल ईमानदार व्यक्ति ही आगे आकर मदद करते हैं।
- सूर्य अकेला ही वह काम कर लेता है जो हजारों तारे मिलकर भी नहीं कर पाते।
- जब तक इनसान अपने हाथ से कोई काम नहीं करता, उसे समझ नहीं आ सकती।
- समझदार व्यक्ति कुछ कहने से पहले ही नहीं, कुछ सोचने से पहले भी सोचते हैं।
- हम सभी बेईमान हैं, वह बात अलग है कि कोई थोड़ी, कोई ज्यादा बेईमानी करते हैं।
- थोड़ा पढ़ना, ज्यादा सोचना, कम बोलना, ज्यादा सुनना ही बुद्धिमान होने के उपाय हैं।
- समझदार होना अच्छी बात है परंतु समझदारी की बात करना और भी अच्छी बात होती है।
- जो कुछ भी मैंने खोया है वह मेरी नादानी है, जो कुछ भी मैंने पाया है वह परमात्मा की मेहरबानी है।
- बोलनेवाले को भाषण कभी लंबे नहीं लगते और सुननेवालों को वे कभी छोटे नहीं लगते।
- महान् लोगों के सामने कोई उदाहरण नहीं होते, वे जो कुछ करते हैं वही उदाहरण बन जाते हैं।
- अमीर दोस्तों के यहाँ बुलाने पर जाओ, लेकिन गरीब दोस्त के यहाँ बिन बुलाए ही जाना चाहिए।
- महान् ज्ञान वह होता है जिसको संकट के समय इस्तेमाल किया जाए और उससे संकट टल जाए।
- बेवकूफ की सबसे बड़ी अक्लमंदी खामोशी है, अक्लमंद का ज्यादा देर खामोश रहना बेवकूफी है।
- यदि सही सूझ-बूझ का इस्तेमाल न किया जाए तो छोटी-छोटी मुश्किलें बड़ी मुसीबतें बन जाती हैं।
- जो दूसरों के लिए जीता है और जिसके दिल में कोई गुमान नहीं होता, वही सच्चा इनसान होता है।
- अगर पानी है मंजिल तो अपना रहनुमा खुद बनो, वह अक्सर भटक जाते हैं, जिन्हें सहारा मिल जाता है।
- ज्ञानी लोग विवेक से सीखते हैं, साधारण मानव अनुभव से, अज्ञानी आवश्यकता से और पशु स्वभाव से।

- यदि तू शत्रु से सुलह करना चाहता है तो जब-जब वह तेरी बुराई करे, तू उसकी तारीफ व भलाई कर।
- एक चोरी करता है, दूसरा चोरी में मदद करता है और तीसरा चोरी का इरादा रखता है तो तीनों चोर हैं।
- जहाँ असमंजस की स्थिति बने वहाँ दिमाग के बजाय दिल की बात सुनो। दिल हमेशा सच्चाई की राह पर ले जाएगा।
- कुछ लोग छोटी-छोटी बातों पर सदा के लिए बातचीत खत्म कर देते हैं, जबकि असल में अंदर कुछ बात होती ही नहीं।
- आदमी न तो बिलकुल ईमानदारी से जी सकता है और न ही बिलकुल बेईमानी से, दुनिया दोनों को ज़िंदा नहीं रहने देती।
- जिस तरह पानी अपना स्तर ढूँढ़ लेता है, आपको भी अपने स्तर व गरिमा के अनुसार औरों से संबंध रखने चाहिए।
- कुछ लोग सिर्फ इसलिए दुःखी रहते हैं, क्योंकि वे करते कुछ और हैं, बताते कुछ और हैं और सोचते कुछ और हैं।
- जिंदगी उस्ताद से भी अधिक कठोर होती है। उस्ताद तो सबक देकर परीक्षा लेता है, जिंदगी परीक्षा लेकर सबक देती है।
- यदि आपको कोई कार्य कठिन लग रहा है तो इसका अर्थ है कि आप उस कार्य को गलत तरीके से कर रहे हैं।
- अपने भीतर से अहंकार को निकालकर स्वयं को हलका कीजिए, क्योंकि ऊँचा वही उठता है जो हलका होता है।
- सुखों में तो हर कोई साथ देता है, प्यार देते हैं, गले लगाते हैं, परंतु जो दुःखों में साथ देता है वही सच्चा इनसान होता है।
- पद, प्रतिष्ठा, प्रशंसा, पैसा और प्रसिद्धि इन पाँच ‘प’ को पाने की अभिलाषा हर मनुष्य की होती है, जिन्हें पूर्ण न कर पाने पर वह तनावग्रस्त हो जाता है और उसके अंदर झुँझलाहट की प्रवृत्ति विकसित होती चली जाती है।
- दीपक सोने का हो या मिट्टी का, मूल्य उसका नहीं होता। मूल्य तो होता है उसकी लौ का, लौ अर्थात् प्रकाशपुंज जो अंधकार को दूर कर दे।
- कार्य करने से कतरानेवाले लोग ही त्रुटियाँ निकालने के लिए तैयार बैठे रहते हैं, लेकिन तुम किसी बात से निरुत्साहित न होना। सिंह की शूरता और पुष्प की कोमलता के साथ काम करते रहो।
- जो हो गया, उसे सोचा नहीं करते, जो मिल गया; उसे खोया नहीं करते, जिंदगी में कुछ हासिल उन्हें होता है, जो दुःख की हालत में भी रोया नहीं करते।

- दुनिया के सभी सुखों को पाने की इच्छा रखनेवाले को संतोषी होना चाहिए, क्योंकि संतोष ही सभी सुखों का मूल-मंत्र है। लक्ष्मी भी संयम से स्थिर हो जाती है।
- सोना हूँ तो क्या हुआ तपना पड़ेगा, किसी के गले का हार बनना है तो फिर गलना भी पड़ेगा, जिंदगी तो हर घड़ी लेगी परीक्षा, जो न दे उसी को यहाँ पिटना पड़ेगा।
- जिंदगी में कभी भी किसी को एक पल में कुछ नहीं मिलता, यहाँ तक कि सूरज और चाँद भी धीरे-धीरे ही आते और जाते हैं।

बुद्धापा सयाना



- पाप पृथ्वी से भी भारी होता है।
- कलंक काजल से भी काला होता है।
- अतिथि की सेवा से परमेश्वर प्रसन्न होते हैं।
- जो कोई खुद को पहचान ले, वह अलादीन के चिराग से कम नहीं होता।
- सफल बुजुर्गों के चेहरे पर मेहनत की लिखाई अच्छे से पढ़े जा सकती है।
- कुछ बूढ़ों को यह गलतफहमी होती है कि वह जरूरत से अधिक बुद्धिमान हैं।
- जब दिल में खुशी हो तो सफेद कपड़े भी रंगदार कपड़ों से अच्छे लगते हैं।
- किसी को प्रभावित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि उसे पूरे ध्यान से सुनो।
- गंदा पानी कितना भी फैल जाए परंतु वह कमल के फूल को कभी नहीं छू सकता।
- मूर्ख व्यक्ति के पास बात करने की अक्ल और चुप रहने के लिए बुद्धि नहीं होती।
- विद्वान् उसी को कहा जा सकता है, जो हमारे मन की जिज्ञासा का समाधान दे सके।
- जो व्यक्ति सबकुछ जानने की कोशिश करता है, वह अपने बुद्धापे को खराब कर लेता है।
- खुशामद और खराब कार दोनों एक समान है, दोनों से मंजिल पर नहीं पहुँचा जा सकता है।
- हर समय निराश रहने के कारण कुछ लोग बुद्धापे से पहले ही बूढ़ों जैसी हरकतें करने लगते हैं।
- बुजुर्गों की सलाह कड़वी दवा की तरह होती है, लेकिन मानने पर हमारे जीवन में मिठास भर देती है।
- बुजुर्ग लोग सिर्फ आपको ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि आपकी अज्ञानता से भी आपको अवगत कराते हैं।
- बुद्धापे में बहुत सारे रोग सिर्फ इसलिए पैदा हो जाते हैं कि इनसान खुद को अभी भी जवान समझता है।

- जब हम सादगी की बात करते हैं तो वह केवल वस्त्रों में ही न दिखाई दे, बल्कि दिल में भी होनी चाहिए।
- बुजुर्ग लोग अकसर इसलिए अधिक बोलते हैं क्योंकि उनके पास तजुरबा अधिक होता है, और बोलने के लिए समय कम।
- समझदार बुजुर्ग देखने में उदास लगते हैं, परंतु वे अंदर से शांत, गहरी सोच रखनेवाले, गंभीर स्वभाव के होते हैं।
- घर में अगर कोई बुजुर्ग है तो उसे भार की बजाय भाग्य समझिए, क्योंकि बूढ़ा पेड़ फल दे या न दे, पर छाया जरूर देता है।
- बुढ़ापे में जब धूमने-फिरने की ताकत खत्म हो जाती है तो बूढ़े लोग अकसर कहते हैं कि हमने सबकुछ त्याग दिया है।
- एक बार जरा सोचकर देखो कि धर्म होने के बावजूद लोग इतने बेईमान हैं और यदि धर्म नहीं होता तो फिर क्या हाल होता।
- घर के बुजुर्ग एक आशीर्वाद की तरह होते हैं, उनके रहने से घर को और अधिक बेहतर बनाने की उम्मीद बनी रहती है।
- एक इनसान बाँसुरी से भी बहुत कुछ सीख सकता है—बाँसुरी बिना बजाए कभी नहीं बोलती, वह जब भी बोलती है सुरीला बोलती है, उसमें कभी गाँठ नहीं होती।
- उप्र के बढ़ने के साथ इनसान अधिक समझदार और अधिक मूर्ख हो जाता है। अपनी नजरों में समझदार और दूसरों की नजर में मूर्ख।

डंके की चोट पर



- कठोर परिश्रम कभी विफल नहीं होता।
- मन पवित्र तभी होगा जब तन बिलकुल साफ होगा।
- समझदार लोग दुःखों को चुपचाप सहन कर लेते हैं।
- थोड़े में समझना चाहिए और देर तक सुनना चाहिए।
- पैसा दिमाग में नहीं जेब में रखें, कभी परेशानी नहीं होगी।
- वसीयत जितनी छोटी हो, झगड़े उतने ही कम होते हैं।
- जितनी जरूरतें कम हों, इनसान उतना अधिक सुखी रहता है।
- जो व्यक्ति मन से स्वस्थ है, वह सदा तन से भी स्वस्थ रहेगा।
- एक बुरी आदत दूसरी बुरी आदतों को अपने पास बुला लेती है।
- अपनी परेशानियों का कारण अकसर हम खुद ही होते हैं।
- कुदरत के नियमों को तोड़नेवाले सदैव पीछे रह जाते हैं।
- अपनी रक्षा के लिए बहनों को शेर नहीं, भाई की जरूरत होती है।
- हमेशा दूसरों के ऊपर निर्भर रहकर खुश नहीं रहा जा सकता।
- डॉक्टर और वकील अकसर हमारी मजबूरियों का फायदा उठाते हैं।
- लायक, खुश रहनेवाले और निपुण लोगों की हमेशा कमी रहती है।
- अच्छाई कभी झगड़ा नहीं करती और झगड़ा कभी अच्छा नहीं होता।
- किसी अच्छे काम की शुरुआत के लिए कोई भी वक्त बुरा नहीं होता।
- जवान रहने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद पर हँसना सीखो।
- अच्छे विचारों को दूसरों से बाँटने पर आपका भी भला हो जाता है।
- भगवान् से जब भी माँगो सदा अच्छा स्वास्थ्य माँगना चाहिए।
- जो गरीबों की मदद करता है, उनका सबसे बड़ा मददगार भगवान् होता है।
- भाग्य या दूसरों को दोष देने से अच्छा है कि अपने कर्मों पर ध्यान दिया जाए।
- पुरानी बातों को जब तक भुलाया न जाए, नई बातों के लिए अवसर नहीं बनते।
- अकसर लोग अपने कर्तव्य भूल जाते हैं, लेकिन अपने अधिकार उन्हें याद रहते हैं।

- दो ही चीजें हैं जो मनुष्य को दुःखी करती हैं—एक, अभाव और दूसरा, बुरा स्वभाव।
- सारे समाज को अपने मुताबिक चलाने की सोच रखना सरासर गलत है।
- यदि इच्छाओं का लक्ष्य तय कर लिया जाए तो संतुष्टि अवश्य मिलती है।
- अपने मन के विचारों को उजागर करने के लिए लिखने की आदत डालिए।
- जो कुछ इस संसार में बना है, वह सब यहीं खत्म हो जाता है।
- दूसरों को खुश करने के लिए बड़प्पन की नहीं, महानता की जरूरत होती है।
- जो दूसरों को जानता है वह विद्वान् है, जो स्वयं को जानता है वही बुद्धिमान होता है।
- परिवार की इज्जत तभी बनती है, जब सारे मिलकर इसकी जिम्मेदारी उठाएँ।
- इनसान की अकल उसके कपड़ों से नहीं, उसकी बातचीत और आदतों से झालकती है।
- बहाने बनाकर हम किसी और को नहीं बल्कि स्वयं को ही नुकसान पहुँचाते हैं।
- इनसान अकसर सिर्फ उन्हीं लोगों को समझदार मानता है, जो उसके साथ सहमत होते हैं।
- इनसान का शरीर चाहे कितना भी बूढ़ा हो जाए पर उसकी इच्छाएँ कभी बूढ़ी नहीं होतीं।
- बेटे चाहे कितने हों, पिता होने की तसल्ली तभी होती है जब घर में बेटी जन्म लेती है।
- अकसर छोटी-छोटी बातें गले में अटक जाती हैं, जिनका परिणाम बड़ा गंभीर निकलता है।
- अच्छी बात को गौर से समझ लिया जाए तो हमारे जीवन की काया पलट सकती है।
- जो चीज सरलता और सहजता से मिल जाती है, उसकी कोई कीमत नहीं लग पाती।
- बदलती हुई चीजें हमेशा अच्छी लगती हैं, लेकिन बदलते हुए अपने किसी को अच्छे नहीं लगते।
- यह कितनी हैरानगी की बात है कि कुछ मूर्ख लोग भी दूसरों को मूर्ख समझने लगते हैं।
- अपने लोगों की कद्र हम तभी कर पाते हैं, जब हमें बेगानों के बीच जाकर रहना पड़ता है।

- सभी को साथ लेकर चलनेवाला ही नायक कहलाता है, और वह इसी आधार पर ही विजय पाता है।
- प्यार से आप हर किसी को अपना बना सकते हैं, मगरुर व्यक्ति तो ईश्वर को भी अच्छे नहीं लगते।
- माँ भले ही पढ़ी-लिखी हो या नहीं, पर संसार का दुर्लभ व महत्वपूर्ण ज्ञान हमें माँ से ही प्राप्त होता है।
- जिंदगी को आसान करने का सबसे अच्छा तरीका है कि किसी से माफी माँग लो, किसी को माफ कर दो।
- यदि आप अपने सारे राज अपने नौकरों को बता देते हैं तो फिर आप नौकर और वह मालिक बन जाते हैं।
- भगवान् की भक्ति करने से शायद हमें माँ न मिले, लेकिन माँ की सेवा करने से भगवान् अवश्य मिल जाते हैं।
- साँप का जहर उतारने के मंत्र हैं, परंतु इनसान का जहर उतारने के लिए आज तक कोई मंत्र नहीं बना।
- गंभीर होने का नाटक तो कोई भी कर लेता है, परंतु समझदार होने का नाटक करना बहुत मुश्किल होता है।
- बहुत कम लोग कविता की तरह छोटी बात करते हैं, अधिकतर तो कहानियों की तरह लंबी-लंबी बातें करते हैं।
- छोटी-छोटी बातों से यदि हम उदास होते हैं तो हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि खुशी भी छोटी-छोटी बातें ही देती हैं।
- आज हर कोई सबक सीखने की बजाय दूसरे को सिखाना चाहता है, खुद सुधरने की बजाय दूसरे को सुधारना चाहता है।
- हमेशा उन्हीं के करीब मत रहिए जो आपको खुश रखते हैं, बल्कि कभी उनके भी करीब रहना सीखिए जो आपके बिना खुश नहीं रह पाते।
- एक ही बात को बार-बार कहने से अकसर लोग उस पर विश्वास करने लगते हैं; और फिर कुछ समय के बाद यह अंधविश्वास का रूप धारण कर लेती है।
- कामयाब वह इनसान नहीं है जो करोड़ों रूपए कमाता है, बल्कि वह इनसान अधिक सफल है जो करोड़ों का न सही सैकड़ों का ही दिल जीतता है।
- उप्र से अनुभव नहीं आता, यह तो कार्य करने से आता है, हर काम पहले तो हमारे लिए नया लगता है, किंतु जब करने बैठेंगे तो अपने आप ही सब आ जाएगा; कार्य और कुरसी सब सिखा देते हैं।

दुनियादारी



- डर सिर्फ अज्ञानता से पैदा होता है।
- जब तक आप में चाह है, तब तक आप जीवित हैं।
- कई माँ-बाप अपने बच्चों से भी बढ़कर बच्चे होते हैं।
- पैसा कमाने के लिए पहले पैसा खर्च करना पड़ता है।
- अकेले इनसान के लिए संगीत भी एक अच्छा साथी है।
- परिवार की ताकत ‘मैं’ में नहीं बल्कि ‘हम’ में होती है।
- डरनेवाला व्यक्ति जीवन में कभी कुछ नहीं सीख सकता।
- हिसाब-किताब करते समय जल्दबाजी बहुत महँगी पड़ती है।
- डर हमारे मन को हमारी इच्छापूर्ति करने से रोकता है।
- ज्ञानी लोगों से बहस नहीं की जाती, उन्हें सिर्फ सुना जाता है।
- समय और समुद्र की लहरें कभी किसी का इंतजार नहीं करतीं।
- चिंता शक्तिशाली मनुष्य को भी बहुत कमजोर बना देती है।
- ज्ञानी पुरुषों का क्रोध भीतर ही शांति से निवास करता है, बाहर नहीं।
- प्रकृति द्वारा बनाई हुई हर चीज की पूजा ही ईश्वर की पूजा है।
- जो लोग दूसरों को कोसते हैं, वे अपना कीमती समय बरबाद ही करते हैं।
- जमाना चाहे हजार बार बदले, परंतु इनसान का स्वभाव कभी नहीं बदलता।
- प्यार और सहयोग की बदौलत आप हिमालय तक पहुँच सकते हैं।
- अपनी बात मनवाने के लिए सामनेवाले की बात को ध्यान से सुनना चाहिए।
- प्यार बाँटने से खुशियाँ बढ़ती हैं, और गम बाँटने से दुःख कम होता है।
- कई बार इनसान इतना अकेला हो जाता है कि उसे अपना साथ भी नहीं मिलता।
- हँसना भक्ति है, हँसना मुक्ति है, मुसकराना जप है, खिलखिलाना तप है।
- लालची इनसान को यदि सोना भी दे दो तो भी यही कहेगा कि हीरे क्यों नहीं दिए।
- बच्चे के हाथ में हथौड़ी दे दो तो उसे हर चीज एक कील दिखाई देने लगती है।

- जरूरत के बिना खरीदी गई वस्तुएँ सिर्फ चिंता और परेशानी का कारण ही बनती हैं।
- जिंदगी के सारे रंग देखने के बाद इनसान सादा जीवन जीना शुरू कर देता है।
- उस खुशी से आप आनंद नहीं पा सकते जिसके कारण किसी दूसरे को कष्ट हो।
- जहाँ आप संतुष्ट हो गए तो वही समझ लो कि आपका जीवन समाप्ति की ओर है।
- चिंता-भय से सदा बचना चाहिए, क्योंकि यह हमारे जीवन का संतुलन बिगाड़ देते हैं।
- यदि आप समय रहते तनाव को खत्म नहीं करते तो फिर तनाव आपको खत्म कर देगा।
- अपनी बहू को इतना प्यार दीजिए कि वह अपने मायकेवालों के फोन नंबर तक भूल जाए।
- यदि आपकी वाणी में प्रेम-प्यार है तो आप हर पल स्वर्ग जैसा आनंद अनुभव कर सकते हैं।
- जो जल्दी में कुछ भी बोल देते हैं, यदि वे थोड़ा सोचकर बोलें तो बहुत अच्छी बात भी कह सकते हैं।
- समझदार बेटा अच्छा सहयोगी हो सकता है, पर समझदार बेटी से अच्छा सलाहकार कोई नहीं हो सकता।
- शादी भी एक तरह का व्यापार है और हर व्यापार में किसी एक व्यक्ति को तो नुकसान उठाना ही पड़ता है।
- रिश्ते केवल इस आधार पर निभते हैं कि हम इसमें डालते क्या हैं और इसमें से निकालते क्या हैं।
- आज हर चीज में मिलावट का जमाना है, फिर भी न जानें इनसान घुल-मिलकर क्यों नहीं रह पाता।
- परदेस से आनेवाले बेटे की खबर सुनकर माँ के चेहरे पर ही नहीं उसकी रसोई के बरतन भी चमक उठते हैं।
- संसार में सभी लोग धोखा देते हैं, बस फर्क सिर्फ इतना है कि कभी दूसरों को देते हैं तो कभी अपने आपको।
- पहाड़ पर चढ़ने का एक उसूल है, झुककर चलो और दौड़ो मत। जिंदगी भी बस इतना ही माँगती है।
- छोटे-छोटे तोहफों के पीछे इज्जत और प्यार होता है, जबकि बड़े तोहफों के पीछे सिर्फ स्वार्थ होता है।
- जो लोग सैर के लिए समय नहीं निकाल पाते उन्हें जल्दी ही अस्पताल के लिए समय निकलना पड़ता है।

- सेवा करने की शिक्षा सूर्य से लेनी चाहिए जो नित्य प्रतिदिन संसार को रोशन करने के लिए प्रकट हो जाता है।
- जब दीवारों में दरार पड़ती हैं तो दीवारें गिर जाती हैं, जब संबंधों में दरार पड़ती है तो दीवारें बन जाती हैं।
- छोटी-छोटी बातों को दिल में रखने से बैर बढ़ता है, क्षमा करने और माफी माँगने से दिल हलका हो जाता है।
- यदि आपको लगता है कि कमाई दोगुनी होने से आप सुखी हो जाओगे तो उनसे पूछकर देख लो जिनकी कमाई आपसे दोगुनी है।
- अच्छे विचारों की यह निशानी होती है कि उनके आते ही दिल करता है कि इनको अपने खास लोगों के बीच बाँटा जाए।
- खुशनसीब वह नहीं जिसका नसीब अच्छा है, बल्कि असल खुशनसीब वह होता है जो अपने नसीब से खुश होता है।
- हथियार इतने ज्यादा खतरनाक नहीं होते जितना हमारा क्रोध उन्हें घातक बना देता है, इसलिए क्रोध से बचें।
- जब तक हमारे मन में किसी भी अच्छे काम करने का संकल्प नहीं होता, हम कोई भी नेक काम नहीं कर पाते।
- किसी को प्यार करो तो दिल से करो जुबान से नहीं, किसी को गुस्सा करना है तो जुबान से करो दिल से नहीं।
- सभी ऊँगलियाँ लंबाई में बराबर नहीं हैं, किंतु जब वह मुड़ जाती हैं तो बराबर दिखती हैं। जिंदगी बहुत ही आसान हो जाती है जब हम थोड़ा झुक जाते हैं और सभी परिस्थितियों में तालमेल बिठा लेते हैं।
- मानो या न मानो सुनने में क्या जाता है, कई बार नेक मशवरा काम आ जाता है। मन के खिड़की-दरवाजे सदा खुले रखिए, औरों का अनुभव भी बहुत कुछ सिखा जाता है।
- सच बात तो यह है कि जब आपके साथ कोई नहीं होता उस समय भगवान् आपके साथ होते हैं।
- जिसने सारी दुनिया बनाने के साथ सूर्य, चंद्रमा और सभी अन्य वस्तुएँ बनाई हैं, जब तक हम उसके करीब नहीं जाएँगे तो उसे जानेंगे कैसे?
- भगवान् हैं या नहीं इस बात पर सब लोगों की अलग-अलग सोच हो सकती है, परंतु हर दिल के कोने में कहीं-न-कहीं भगवान् के होने का यकीन बड़ा सुकून दिलाता है।
- आप कितने भी परेशान क्यों न हों, परंतु किसी को परेशान देखकर उसे यह जरूर कहें कि चिंता की कोई बात नहीं, मैं हूँ न। ये तीन शब्द जीवन में ऊर्जा भर देंगे।

जीवन का उद्देश्य



- संगत की रंगत जरूर आती है।
- जीवन में सत्य और ईमानदारी ही होनी चाहिए।
- निराशाजनक परिस्थितियों में भी कभी आशा न छोड़ें।
- दर्पण में आप अपना चेहरा देख सकते हैं, चरित्र नहीं।
- दूसरों का भला करना प्रभु की सच्ची पूजा करने जैसा है।
- हर बात का हर नजरिए से अलग मतलब होता है।
- कुत्ते को धी और नीच इनसान को इज्जत कभी नहीं पचती।
- अपने मन को स्थिर रखकर सभी परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखें।
- जिस बात को आपका विवेक न मानता हो, उसे करना ठीक नहीं है।
- आम तौर पर जैसे-जैसे धन बढ़ता है, इनसान अधिक लोभी हो जाता है।
- अपने से छोटों के प्रति स्नेह भाव रखना भी महानता का ही प्रतीक है।
- जो लोग अपने पास हथियार रखते हैं, उन्हें गुस्सा अधिक और जल्दी आता है।
- कुबेर भी यदि आय से अधिक व्यय करेगा तो वह भी निर्धन हो जाएगा।
- इतिहास सिर्फ इस उद्देश्य से पढ़ाया जाता है कि पुरानी गलतियाँ फिर से न हों।
- अगर आपका व्यवहार मैत्रीपूर्ण है तो सब आपके मित्र ही बनेंगे, शत्रु नहीं।
- ज्यों-ज्यों हमारा ज्ञान बढ़ता है, हमारे मन का अंधकार खत्म होने लगता है।
- हमारा दिमाग एक पैराशूट की तरह है, यह तभी काम करता है जब खुला हो।
- बड़ी-से-बड़ी मुश्किल को आसान बनाने के लिए अपना हौसला सदा बुलंद रखो।
- भगवान् मुझे हर हाल में माफ कर देगा, क्योंकि मैं उसके स्वभाव को अच्छे से जानता हूँ।
- जब भी किसी को सलाह दो तो बिलकुल छोटी दो, ताकि वह उसे याद रख सके।

- खुशी और मन की शांति हमें तभी मिल सकती है, जब हम यह पहले दूसरों को दें।
- तीन चीजें कभी वापस नहीं आतीं—तीर कमान से, बात जुबान से, प्राण शरीर से।
- नेक इनसान की सुंदरता उसके गुणों और योग्यता में होती है, न कि बाहरी दिखावे में।
- सलाह तो बहुत लोग लेते हैं, परंतु उनसे लाभ केवल बुद्धिमान व्यक्ति ही उठा पाता है।
- उतावलापन कभी भी नहीं दिखाना चाहिए, क्योंकि सामनेवाला आपका भेद जान जाता है।
- उद्देश्यवाले व्यक्ति कभी अकेले नहीं होते, उनका उद्देश्य ही उनका सबसे अच्छा साथी होता है।
- बाजार में सबकुछ बिकता है, परंतु हिम्मत नहीं बिकती; उसे अपने अंदर से ही पैदा करना पड़ता है।
- शांति पाने के लिए आप चाहे सारी दुनिया घूम लो, परंतु जब भी यह मिलेगी तो आपको अपने अंदर से ही मिलेगी।
- रात दिन के कारण, दिन रात के कारण, नमकीन मीठे के कारण और मीठा नमकीन के कारण ही अच्छा लगता है।
- कभी भी कामयाबी को दिमाग में और नाकामी को दिल में जगह नहीं देनी चाहिए, क्योंकि कामयाबी दिमाग में घमंड और नाकामी दिल में मायूसी पैदा करती है।
- जिस तरह घिसाई के बिना हीरे को नहीं चमकाया जा सकता, उसी तरह बिना जाँचे-परखे इनसान के गुणों को नहीं समझा जा सकता।
- भगवान् ने जब हमें दो कान और एक मुँह दिया है तो इसका अभिप्राय यह है कि हम जितना बोलें, उससे दुगुना सुनने की आदत डालें।

चिंता



- डर चिंता का ही पका हुआ रूप होता है।
- प्यार से जीनेवालों को चिंता कभी नहीं सताती।
- व्यर्थ की चिंता करने से कोई लाभ नहीं मिलता।
- किसी बात को इस तरह मत सोचो कि चिंता लग जाए।
- पैसे के साथ चिंता आती है, पैसे के बिना परेशानियाँ आती हैं।
- मन को मारने की बजाय उसे विशाल और बलवान बनाना सीखो।
- सभी परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखना प्रसन्नता की चाबी है।
- ईंधन से जैसे आग धधकती है, वैसे ही ज्यादा सोचने से चिंता बढ़ती है।
- छोटे सुख पाने की चिंता में हम अकसर बड़े दुःख पैदा कर लेते हैं।
- कल हमने क्या खो दिया, इस पर चिंता करके आज का दिन खराब मत करो।
- लाभ और हानि आपके प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रभु की मरजी से मिलते हैं।
- महान् चिंतक संसार को इस तरह से देखते हैं कि संसार ही बदल जाता है।
- यदि आप किसी स्थिति में हैरान होते हैं तो आप शीघ्र ही परेशान भी हो जाएँगे।
- अगर आप हर चिंता का परित्याग कर देते हैं तो इसे एक योगक्रिया कह सकते हैं।
- चिंतित व्यक्ति कहीं भी जाए, उसे हर जगह मायूसी का सामना ही करना पड़ता है।
- कोई भी काम चिंता करने से नहीं, हाथ-पैर हिलाने से ही पूरा किया जा सकता है।
- जब बहन को कोई चिंता सताती है, उस समय उसका छोटा भाई भी बड़ा बन जाता है।
- किसी काम को करने के बाद पछताने से बेहतर है कि काम करने से पहले सोच लिया जाए।
- किसी समस्या के बारे में ज्यादा चिंता करने से मन चिंतित होता है और समस्या वही रहती है।

- यदि हम चिंता करेंगे तो भटक जाएँगे, यदि चिंतन करेंगे तो भटके हुए को भी रास्ता दिखा सकते हैं।
- अपने किए हुए काम पर चिंता न करें, बल्कि जिस काम को करना है उस पर खुद को केंद्रित करें।
- आनेवाले कल के बारे में अधिक चिंता कभी मत करो, वह खुद ही बहुत जल्द तुम्हारे पास आ जाएगा।
- कभी किसी कार्य के होने या न होने की चिंता करने की बजाय कार्य को करते रहने की आदत डालिए।
- मुसीबत के वक्त चिंता नहीं करनी चाहिए, बल्कि याद रखना चाहिए कि वक्त बहुत जल्द बदल जाता है।
- व्यर्थ की चिंता भारीपन व थकान देती है, जबकि श्रेष्ठ कर्म हमें प्रसन्न व हल्का बनाकर ताजगी प्रदान करते हैं।
- मनुष्य हँसकर अपने दुःखों को दूर कर सकता है, परंतु चिंता करके वह अपने दुःखों को और अधिक बढ़ा लेता है।
- कल क्या खो दिया इसकी चिंता न करें; काम न करने से आप बहुत कुछ खो सकते हैं, इसलिए काम करते रहो।
- मेहनत करना अपने हाथ, सफलता देना ऊपरवाले के हाथ, इसलिए चिंता करने से कुछ हासिल नहीं हो सकता।
- बहुत सारे लोग कर्ज लेने के बाद चिंता करते हुए महसूस करते हैं कि असल में चिंता कर्ज लेने से पहले करनी चाहिए थी।
- किसी कार्य की सफलता के लिए काम के होने या न होने की चिंता की बजाय उत्साह और आशा का दीपक जलाने का प्रयास करना चाहिए।
- जितना समय हम किसी कार्य की चिंता में लगाते हैं यदि उतना ही समय हम उस कार्य में लगाएँ तो चिंता जैसी कोई चीज ही नहीं रह जाएगी।
- लोग अक्सर यह चिंता करते हैं कि कल क्या होगा? जबकि चिंता यह करनी चाहिए कि जो कुछ आज कर रहे हैं, उसका नतीजा कल क्या होगा?

सीख



- बचत के बिना जिंदगी को बचाना मुश्किल होता है।
- नाम याद रखने से आसान है चेहरे को याद रखना।
- खुद आगे बढ़नेवाले कभी किसी की राह नहीं रोकते।
- सच वह होता है जिसे कोई माने या न माने वह सच ही रहता है।
- मूर्खों से तारीफ सुनने से बुद्धिमान की डाँट सुनना ज्यादा बेहतर है।
- तीन बातें कभी न भूलें—प्रतिज्ञा करके, कर्ज लेकर और विश्वास देकर।
- जो इनसान आसानी से वादा नहीं करता, वह उसे पूरी ईमानदारी से निभाता है।
- आज तक किसी भी समझदार व्यक्ति को जुआ खेलने का विचार नहीं आया।
- अपनी बनाई हुई जायदाद पर अपने जीते जी हक छोड़ने से पछतावा ही होता है।
- संगीत की समझ बच्चे को माँ के गर्भ में उसकी धड़कन से समझ आने लगती है।
- जब डॉक्टर बीमार बच्चे को उठाता है तो उसकी माँ की घबराहट खत्म हो जाती है।
- अपना मूल्य समझो और विश्वास करो कि तुम संसार के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हो।
- आमदनी से अधिक खर्च न करना तथा बचत करना एक बहुत अच्छा गुण माना जाता है।
- आमदनी से अधिक खर्च न करना ही सबसे बड़ी किफायत है, इसी से समृद्धि प्राप्त हो सकती है।
- आप उस समय तक सफलता नहीं महसूस करते जब तक आप जो कर रहे हैं, उससे खुश नहीं हैं।
- जब पशु, पक्षी अपने नर और मादा बच्चों में फर्क नहीं करते तो फिर हम क्यों? क्या हम पशुओं से भी गए-गुजरे हैं?
- परिवार को संस्कारावान बनाने के लिए आवश्यक है कि सप्ताह में एक बार इकट्ठे कोई-न-कोई धार्मिक कार्य करें।

- कम खाना, कम बोलना और ज्यादा-से-ज्यादा काम करना जीवन में किसी के भी व्यक्तित्व को निखारने के लिए पर्याप्त है।
- जो कुछ चाहो वह आगर मिल जाए तो उसे सफलता कहते हैं और उससे प्रसन्नता मिलती है।
- एक अच्छा शिक्षक किसी को डराने की बजाय इस तरह से पीठ थपथपाता है कि वह आसमान छूने लगता है।
- संसार में वही माँ-बाप सुखी हैं जिनकी संतान संस्कारी हैं, पर यह तभी संभव है जब माँ-बाप खुद संस्कारी हों।
- प्रतिभा किसी आसमान से नहीं बरसती, वह तो अंदर से ही जागती है और उसे जगाने के लिए एक अच्छा इनसान होना ही काफी है।
- भले और बुरे में अंतर साबित करने से पहले उसे अच्छे ढंग से प्रस्तुत करना चाहिए, यही दूसरों को सिखाने का सबसे अच्छा तरीका है।
- यदि माहौल ठीक हो तो साधारण सा कर्मचारी भी अच्छे से काम करता है परंतु यदि माहौल ठीक न हो तो एक कुशल कर्मचारी भी ठीक से काम नहीं कर पाता।
- जीवन में ध्यान रखने योग्य तीन सबक : आप जो भी करते हैं, वह एक छाप छोड़ता है; दर्द आपको और तेज बनाता है, आपके अंदर जो है वह ज्यादा उपयोगी है, वह नहीं जो आपके बाहर है।
- अगर हम हर रोज नहाकर शरीर को स्वस्थ रखते हैं तो फिर अपनी आत्मा को भी सुंदर बनाने के लिए हमें बुरे कर्मों से बचना चाहिए।

नजरिया



- अँधेरे को कोसने से बेहतर है एक दीपक जला लेना।
- यदि आपके कर्म अच्छे हों तो किसमत भी आपकी दासी बन जाती है।
- जीवन अच्छाइयों से भरा हुआ है, जरूरत सिर्फ उन्हें तलाश करने की होती है।
- जीवन में आगे बढ़ना है तो अहंकार और हीनभावना को मन से मिटाना होगा।
- बेतुके रस्मो-रिवाजों को खत्म करने के लिए हमेशा आवाज उठानी चाहिए।
- परिणामों और वर्तमान को स्वीकार करना शांति और खुशहाली का प्रथम पग है।
- यदि आप अपनी जिंदगी बदलना चाहते हो तो सबसे पहले अपनी सोच को बदलो।
- अपना कर्तव्य करते चले जाओ, इसी से यश मिलेगा।
- रोते को रुलाना, डरते को डराना, यही है दुनिया की रीत; इसलिए न कभी डरें और न कभी रोएँ।
- इस दुनिया के लोग भी कितने अजीब हैं, सारे खिलौनों को छोड़कर अक्सर जज्बात से खेला करते हैं।
- विद्वान् लोग तथ्य ढूँढ़ने का काम करते हैं और दोष नहीं ढूँढ़ते, यही वजह है कि वे पूजनीय होते हैं।
- भूल और गलती किसी से भी हो सकती है, लेकिन इसे दोहराने से बचना ही सच्चा सबक हो सकता है।
- सबको साथ लेकर चलने से संगठन बनता है; अलग-अलग चलने से हर कोई अकेला हो जाता है।
- सिर्फ सकारात्मक बातों से ही नहीं, आप नकारात्मक बातों से भी सीखकर अपने जीवन को सुधार सकते हैं।
- एक बार यदि आप अच्छे से मन बना लो कि आप किसी कार्य को कर सकते हैं तो वह कार्य अवश्य पूरा हो जाता है।

- तुम पानी जैसे बनो जो अपना रास्ता खुद बनाता है। पत्थर जैसे कभी न बनो जो दूसरों का रास्ता भी रोक लेता है।
- दुनिया पर किया गया भरोसा तो टूट सकता है, लेकिन दुनिया के मालिक पर किया गया भरोसा कभी नहीं टूटता है।
- डर विश्वास के विपरीत है; जब हम डरते हैं तो हम भगवान् को यह संदेश देते हैं कि हम उस पर विश्वास नहीं करते।
- यदि आप किसी कारण से कल खुशियाँ पाने से वंचित रह गए हैं तो इसमें परेशान होने की जरूरत नहीं, क्योंकि प्रभु ने आपके लिए आज का दिन इसीलिए बनाया है कि आप कल की कमी को पूरा कर सकें।
- यदि सीखनेवाले में इच्छा ही न हो तो सिखानेवाला सिखाएगा क्या? ज्ञान एक बीज है, मन की भूमि उपजाऊ होनी चाहिए।
- जब इनसान का समय अच्छा होता है, उस समय उसकी गलती को भी मजाक समझा जाता है; पर जब किसी का समय बुरा होता है उस समय उसके मजाक को भी गलती समझा जाता है।
- कई बार रस्मो-रिवाज इनसान को आगे बढ़ने से रोकते हैं, लेकिन अगर मक्सद परोपकारी है तो निःरता से आगे बढ़ना ही कर्मशीलता है।
- कोई भी दिन जीवन में बुरा नहीं होता, यह बात अलग है कि कोई अच्छा दिन हमें खुशी दे जाता है और बुरा दिन एक नई सीख।
- अपनी विफलताओं से सीखें ताकि आप उन्हें दोबारा न कर सकें, अपनी सफलताओं से सीखें ताकि उन्हें आप दोहरा सकें।
- यदि एक अवसर आपके हाथ से निकल गया है तो भी अपनी दृष्टि के आगे आँसुओं रूपी बादल न आने दें, अपनी दृष्टि साफ रखें ताकि अगला अवसर भी हाथ से न निकल जाए।
- हमेशा यह मानकर चलिए कि इस दुनिया में सबकुछ हमारी मरजी मुताबिक नहीं हो सकता, और न ही हमारी हर इच्छा पूरी हो सकती है।

हँसी-खुशी



- खुशदिल व्यक्ति के लिए सभी मौसम सुहावने होते हैं।
- दूसरों को खुश किए बिना आप खुश नहीं रह सकते।
- यदि मन खुश न हो तो बाहर की खुशी अच्छी नहीं लगती।
- जब मन में खुशी हो तो गूँगा भी गाने और नाचने लगता है।
- खुशी जैसी कोई खुराक नहीं है, इसलिए सदा खुश रहना सीखो।
- खुशी भरे मन से यदि पैदल भी चलना पड़े तो भी थकावट नहीं होती।
- खुशी का आनंद उठाने के लिए उसे दूसरों के साथ बाँटना जरूरी होता है।
- जीवन में सुख का आनंद लेने के लिए पहले दुःख सहन करने पड़ते हैं।
- आप चाहे कहीं भी रहो, सुख सिर्फ आपको वहीं मिलेगा जहाँ आप सुख दोगे।
- खुशियों का दौर भी आ जाएगा, एक दिन जैसे गम भी तो मिल गए थे मनत के बगैर।
- समझदार व्यक्ति अकेला नहीं बल्कि अपने परिवार के साथ मिलकर खुश होता है।
- जो खुश रहते हैं, उनके मन में कभी आलस्य नहीं आता; आलस्य एक बहुत बड़ा विकार है।
- जो हँसना सीख लेते हैं वह चाहे किसी भी उम्र के हों, खुद को सदा जवान महसूस करते हैं।
- हमेशा प्रेम की भाषा ही बोलनी चाहिए, इसे बहरे भी सुन सकते हैं और गूँगे भी समझ सकते हैं।
- जो कोई अपने दुःख को ठीक से शब्दों में बयाँ नहीं करते वह और अधिक दुःखी होते हैं।
- एक पूर्ण स्वाभाविक मुसकान से बढ़कर इस संसार में प्रभावित करनेवाली कोई अन्य वस्तु नहीं है।
- खुश और प्रसन्न रहने के लिए हमें गीत-संगीत की तरह हर दिन अभ्यास करना पड़ता है।
- मुसीबतें हमें समझदार तो बना देती हैं परंतु खुशहाल आप सिर्फ मेहनत से ही हो सकते हो।

- यदि परिवारवालों का साथ मिलता रहे तो इनसान हर मुसीबत को खुशी-खुशी झेल जाता है।
- दुःखी लोग अधिक दुःखी इस कारण से होते हैं कि दूसरे उनके दुःखों को अच्छे से नहीं समझते।
- क्षणिक खुशी का आधार है खाओ, पीओ, मौज करो, जबकि शाश्वत खुशी का आधार है जीओ और जीने दो।
- आनंद ही एक ऐसी वस्तु है जो आपके पास न होने पर भी आप दूसरों को बिना किसी असुविधा के दे सकते हैं।
- आपकी खुशी में आपके साथ वह होगा, जिसे आप अपना मानते हो। पर आपके गम में सिर्फ वही साथ होगा जो आपको अपना मानता है।
- जहाँ व्यापार होता है वहाँ खुशहाली होती है, जहाँ खुशहाली होती है वहाँ रोजगार होता है, जहाँ रोजगार होता है वहीं विकास होता है।
- एक सचेत व्यापारी अपने सारे पैसे एक जगह निवेश नहीं करता, उसी तरह बुद्धिमत्ता भी शायद हमें यह चेतावनी देती है कि हम अपनी सारी खुशियाँ किसी एक जगह से पाने की उम्मीद न करें।
- सदा खुश रहने के लिए समय-समय पर हमें अपने मन से विकाररूपी खर-पतवार को हटाते रहना चाहिए, ताकि वह हमारे विचारों को प्रभावित न कर सकें।

गिले-शिकवे



- महसूस करनेवाली बातें सुनी और सुनाई नहीं जातीं।
- सच बोलने के लिए कभी भी माफी नहीं माँगनी पड़ती।
- जो खुद गिरता है उसे शिकायत करने का हक नहीं बनता।
- सच तो हमेशा होता ही है, लेकिन इूठ हमें बनाना पड़ता है।
- दूसरों के साथ अपनी तुलना न करें, बल्कि दूसरों को अपने साथ तुलना करने दो।
- संसार में कुछ बनना चाहते हो तो यह सोचना छोड़ दो कि मैं भाग्यहीन हूँ।
- जो लोग जर्मीं पर कदम रखकर नहीं चलते उनके गरुर को बहुत जोर से ठोकर लगती है।
- गुस्से का आना मर्द होने की निशानी है, परंतु गुस्से को पी जाना पति होने की निशानी होती है।
- जिस प्रकार समुद्र को आग से कोई डर नहीं लगता, इसी तरह साधू-संत को चोरी का डर नहीं सताता।
- एक दिन हम सब एक-दूसरे को सिर्फ यह सोचकर खो देंगे कि वह मुझे याद नहीं करता तो मैं क्यों करूँ।
- जो लोग कर्म करने से जी चुराते हैं, वही अपनी हर कमी के लिए परमात्मा को कोसते रहते हैं।
- दर्द हमेशा अपने ही देते हैं, वरना गैरों को क्या पता कि आपको तकलीफ किस बात से होती है।
- अच्छे ने अच्छा और बुरे ने बुरा जाना मुझे, जिसकी जैसी सोच थी उसने उतना ही पहचाना मुझे।
- यदि किसी फंक्शन में आप बिलकुल चुप बैठे रहो तो हर कोई यही सोचता है कि यह जरुर कुछ-न-कुछ सोच रहा है।
- अपने जीवन की खटास को मिठास में बदलने का प्रयास करो, इसी के साथ सदैव प्रसन्न रहने की बात सोचनी चाहिए।
- खुश रहने के दो ही तरीके हैं—पहला, जरूरतें कम कर दो और दूसरा, हालात से तालमेल बिठाना सीख लो।

गिले-शिकवे



- महसूस करनेवाली बातें सुनी और सुनाई नहीं जातीं।
- सच बोलने के लिए कभी भी माफी नहीं माँगनी पड़ती।
- जो खुद गिरता है उसे शिकायत करने का हक नहीं बनता।
- सच तो हमेशा होता ही है, लेकिन इूठ हमें बनाना पड़ता है।
- दूसरों के साथ अपनी तुलना न करें, बल्कि दूसरों को अपने साथ तुलना करने दो।
- संसार में कुछ बनना चाहते हो तो यह सोचना छोड़ दो कि मैं भाग्यहीन हूँ।
- जो लोग जर्मीं पर कदम रखकर नहीं चलते उनके गरुर को बहुत जोर से ठोकर लगती है।
- गुस्से का आना मर्द होने की निशानी है, परंतु गुस्से को पी जाना पति होने की निशानी होती है।
- जिस प्रकार समुद्र को आग से कोई डर नहीं लगता, इसी तरह साधू-संत को चोरी का डर नहीं सताता।
- एक दिन हम सब एक-दूसरे को सिर्फ यह सोचकर खो देंगे कि वह मुझे याद नहीं करता तो मैं क्यों करूँ।
- जो लोग कर्म करने से जी चुराते हैं, वही अपनी हर कमी के लिए परमात्मा को कोसते रहते हैं।
- दर्द हमेशा अपने ही देते हैं, वरना गैरों को क्या पता कि आपको तकलीफ किस बात से होती है।
- अच्छे ने अच्छा और बुरे ने बुरा जाना मुझे, जिसकी जैसी सोच थी उसने उतना ही पहचाना मुझे।
- यदि किसी फंक्शन में आप बिलकुल चुप बैठे रहो तो हर कोई यही सोचता है कि यह जरुर कुछ-न-कुछ सोच रहा है।
- अपने जीवन की खटास को मिठास में बदलने का प्रयास करो, इसी के साथ सदैव प्रसन्न रहने की बात सोचनी चाहिए।
- खुश रहने के दो ही तरीके हैं—पहला, जरूरतें कम कर दो और दूसरा, हालात से तालमेल बिठाना सीख लो।

- जीवन में सीखने का मौका जहाँ मिले चूकना नहीं चाहिए, जरूरत पड़ने पर छोटी उम्रवाले से भी सीखा जा सकता है।
- तकदीर के लिखे पर कभी शिकवा न कर मेरे प्यारे, क्योंकि तू अभी इतना समझदार नहीं है कि प्रभु के इरादों को समझ सके।
- शिकायत करके समस्याओं से बचा नहीं जा सकता, किंतु जिम्मेदारी उठाकर समस्याओं को कम जरूर किया जा सकता है।
- कोई आपका उपहास उड़ाए या दिल दुखाए तो बुरा न मानें, क्योंकि जिस पेड़ पर मीठे फल होते हैं उसे ही ज्यादा पत्थर लगते हैं। यह प्रकृति का नियम है, बस यह ध्यान रहे कि फल मीठे हों।
- एक बार चिड़िया ने मधुमक्खी से पूछा कि तुम इतनी कड़ी मेहनत करके शहद बनाती हो और लोग उसे चुरा लेते हैं, तुम्हें दुःख नहीं होता? तब मधुमक्खी ने कहा—नहीं, क्योंकि ये लोग मेरी शहद बनाने की कला को नहीं चुरा सकते।
- किसी में बुराई तलाश करनेवाला इनसान उस ‘मक्खी’ की तरह होता है, जो खूबसूरत बदन को छोड़कर सिर्फ जख पर जाकर बैठती है।
- कुछ न हो तो अभाव सताता है, थोड़ा हो तो भाव सताता है, जिंदगी का यह कड़वा सच है कि जब सबकुछ हो तब स्वभाव सताता है।
- जब-जब हम अपने मक्सद से भटकते हैं तो कार्य पूरा नहीं होता, अर्जुन की तरह ही चिड़िया की आँख को लक्ष्य बनाना सीखें।
- मन में गिले-शिकवे रखने की बजाय सदा यह सोचो कि किसी को खुश कैसे किया जाए, अच्छा दान वही है जो दूसरों के चेहरों को प्रसन्नता से पिघला दे।

उपदेश



- किसी भी विवाद को शांत करने का सबसे बढ़िया तरीका है मौन रहना।
- हर समय अधिक, अधिक और अधिक की माँग करने को ही लालच कहते हैं।
- यदि हम किसी के लिए अच्छा नहीं कह सकते तो कुछ न कहना बेहतर है।
- जीवन में वही व्यक्ति उन्नति कर सकता है जो स्वयं खुद को उपदेश देना जानता है।
- आदर्शों में आस्था रखने से ही काम नहीं चलता, आदर्शों पर चलना भी जरूरी होता है।
- खुशहाल समाज तभी बन सकता है जब हर कोई उसमें सुधार की जिम्मेदारी को समझे।
- किसी को सजा दिलाने के बाद अगर कोई खुद को महान् समझता है तो यह उसकी भूल है।
- आप कितने ही श्रेष्ठ वस्त्र क्यों न पहन लें, परंतु आपकी पहचान आपके कर्मों से ही होती है।
- अपनी विचारधारा और अपने कर्मों को यदि साथ-साथ चलाएँगे तो सफलता मिल ही जाती है।
- अच्छाइयों को दूसरों में और बुराइयों को खुद में तलाश करो, यही आपकी सबसे बड़ी अच्छाई है।
- हमें जीवन में कार्य की सफलता की चिंता किए बिना कार्य को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए।
- हर रोज स्वादिष्ट पदार्थ खाने के साथ-साथ एक दिन का उपवास अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करता है।
- सद्भाव, सद्विचार और संकल्प कितने ही छोटे रूप में हो, परंतु इनका प्रभाव सबसे बड़ा होता है।
- दो दिन की जिंदगी को दो ही उसूलों पर गुजार दो, रहो तो फूलों की तरह, बिखरो तो खुशबू की तरह।
- दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने अंदर झाँक लेना चाहिए कि क्या हम खुद उस बात पर अमल कर रहे हैं।

- विकास करने के लिए समाज के हर व्यक्ति के पास गंदे हाथ और साफ दिमाग का होना बहुत जरूरी होता है।
- जो दिखाई देता है पर है नहीं, उसको माया कहते हैं; जो दिखाई नहीं देता और है उसको परमात्मा कहते हैं।
- जहाँ ज्ञान ही ज्ञान है और हर प्रतिमा को देखकर आपके दिल में प्रेम और श्रद्धा उत्पन्न होती है वही स्थान मंदिर है।
- आजकल लोग धर्म को सिर्फ उस समय ही मानते हैं जब उन्हें यह विश्वास हो जाता है कि वह खुद भगवान् नहीं हैं।
- रचनात्मक विचारों के बीज पुनः हमारे पास लोगों के आशीर्वाद, सद्भावना और शुभकामना लेकर लौट आते हैं।
- जो लोग उपदेश देने का काम करते हैं, काश वह इन पर अमल भी करें तो सचमुच प्रेरणास्रोत बन सकते हैं।
- किसी कार्य में सफलता न मिलने पर इस बारे में गुण-दोष निकालने की बजाय उसे दोबारा कार्य आरंभ कर देना चाहिए।
- यह जीवन बहुत अनमोल है, इसका ज्यादा-से-ज्यादा सदुपयोग अपने कार्य को सफलतापूर्वक करने में लगाइए।
- कभी भी खुद को कमजोर साबित मत होने दो, क्योंकि इबते सूरज को देखकर लोग घरों के दरवाजे बंद करने लगते हैं।
- धरती बहुत मेहरबान किस्म की है, इसे जरा सी गुदगुदी करो तो यह हँसते-हँसते हजारों किस्म के फल और फूल दे देती है।
- मनुष्य का जोश और होश तराजू के दो पलड़ों के समान होते हैं; जब एक बढ़ता है तो दूसरा उसी अनुपात में कम होने लगता है, परंतु सफलता का मूल दोनों में अच्छा संतुलन बनाना ही है।
- हर व्यक्ति हर प्रोग्राम में समय पर पहुँचना चाहता है, परंतु परेशानी यह है कि प्रोग्राम में पहुँचने से पहले ही प्रोग्राम शुरू हो जाते हैं।
- उपदेश का स्वभाव पर उसी तरह असर होता है जिस तरह भली-भाँति गरम किया गया पानी थोड़ी देर बाद ठंडा हो जाता है।

जीवन का सच



- पतझड़ में सिर्फ पते गिरते हैं, पेड़ नहीं।
- दुश्मनी के सफर में हर कोई थक जाता है।
- कल्पना को कभी भी कैद नहीं किया जा सकता।
- दान देना दिल का गुण है, हाथों की ताकत नहीं।
- लक्ष्य को एकाग्र मन से ध्यान में रखो, रास्ते अपने आप मिलेंगे।
- चाहे आप कितना भी इंतजार कर लो, परंतु सुबह तो अपने समय पर ही होगी।
- हर व्यक्ति का सुबह जल्दी न उठना और सैर न करने का बहाना अलग होता है।
- यदि दिल खोलकर सोचा और महसूस किया जाए तो सारा संसार ही अपना सा लगता है।
- जीवन का एक सच—मैं हमेशा खुश रहता हूँ, क्योंकि मैं किसी से कोई उम्मीद नहीं रखता।
- मीरा ने पति की जगह कृष्ण को पूजकर यह साबित कर दिया कि पूजने लायक ही पूजे जाते हैं।
- असली इज्जत उसी को कहा जाता है जो उस समय भी हो, जब आपके पास पैसा और ओहदा न हो।
- हर कोई वैसी बोली बोलना चाहता है जिन्हें हम समझदार, बहादुर, अमीर और सलीकेवाला समझते हैं।
- झगड़ा उस समय तक खत्म नहीं हो सकता जब तक उसे हम झगड़े से सुलझाने का प्रयत्न करते रहेंगे।
- नजर और नसीब का संयोग कुछ ऐसा है, नजर अकसर वही चीज पसंद करती है जो नसीब में नहीं होती।
- जिन लोगों के साथ सच्चा प्यार करते हो, उनके साथ राजनीति में होते हुए भी राजनीति नहीं करनी चाहिए।
- सज्जन पुरुष बिना कहे ही दूसरों की आकांक्षाएँ पूर्ण कर देते हैं, जैसे सूर्य स्वयं ही घर-घर जाकर प्रकाश फैला देता है।

- सेहत हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होती है, इसीलिए जब कभी कोई मिलता है तो सबसे पहले यही पूछा जाता है कि क्या हाल-चाल है।
- सफलता का रहस्य क्या है—सही निर्णय; आप सही निर्णय कैसे लेते हैं—अनुभव से; आप अनुभव कैसे प्राप्त करते हैं—गलत निर्णय से।
- आपका सम्मान उन शब्दों में नहीं है जो आपकी उपस्थिति में कहे गए हैं, बल्कि उन शब्दों में है जो आपकी अनुपस्थिति में कहे गए हैं।
- प्रार्थना ऐसे करनी चाहिए जैसे कि सबकुछ ईश्वर पर ही निर्भर है और काम ऐसे करने चाहिए जैसे कि सबकुछ हम पर ही निर्भर है।
- बार-बार दलील देनेवालों का सिर्फ इतना मकसद होता है कि न तो बात खत्म होने देनी है, और न ही फैसला होने देना है।
- जो बुरी आदतों के शिकार किसी व्यक्ति की यदि आप भी संगत करोगे तो एक-न-एक दिन वह आपको भी बरबाद करके छोड़ेगा।
- जीवन के किसी दुःख या ठोकर से इनसान सबक ले ले तो वह ठोकर ठोकर नहीं होती। वह तो आपके लिए एक सीख बन जाती है।
- अपने भगवान् को कभी यह मत बताओ कि तुम्हारी तकलीफ कितनी बड़ी है, बल्कि अपनी तकलीफ को यह बताओ कि तुम्हारा भगवान् कितना बड़ा है।

दूरियाँ



- बिछड़ने से हमें दूसरे की कमी के महत्व की समझ आ जाती है।
- दूसरों को डरा-धमकाकर आगे बढ़ना सबसे बड़ा पाप है।
- हम वही पाते हैं जैसा निभाते हैं, इसलिए व्यवहार अच्छा होना चाहिए।
- मतभेद कभी भी, किसी से भी हो सकते हैं, मतभेद का सम्मान करना चाहिए।
- बड़ा आदमी बनना अच्छी बात है, लेकिन अच्छा आदमी बनना बहुत बड़ी बात है।
- शादी-शुदा व्यक्ति कहता है कि मैं ठीक हूँ, मेरी पत्नी भी ठीक है, लेकिन हम ठीक नहीं हैं।
- जीवन में कोई चीज इतनी हानिकारक नहीं जितना कि अपने करीबियों से दूरियाँ बनाना।
- मन में जो कुछ भी हो उसे साफ-साफ कह दो, क्योंकि ‘फैसला’ ‘फासले’ से बेहतर होता है।
- इतना मीठा मत बनो कि कोई तुम्हें खा जाए और इतना कड़वा मत बनो कि कोई मुँह न लगाए।
- जो कुछ पुरुष करते हैं उसे काम कहा जाता है, जो कुछ औरतें करती है उसे देखभाल का नाम दिया जाता है।
- विपरीत परिस्थितियों में विलाप करने की बजाय केवल धीरज रखना ही बुरे हालात को टाल सकता है।
- जिस किसी ने अपने को वश में करना सीख लिया, उसकी जीत को देवता भी हार में नहीं बदल सकते।
- होशियार लोग दुनिया को बदलने की सोचते हैं, जबकि समझदार लोग खुद को बदलना बेहतर समझते हैं।
- एक विचार आपका जीवन बदल सकता है, बशर्ते आप उस पर पूरी तौर से अमल करने के लिए तैयार हों।
- हमारे गुणों के कारण ही लोग हमारे करीब या हमसे दूर होते हैं। हास्य और प्यार से आप हर किसी का दिल जीत सकते हो।

- अक्सर लोग कहते हैं कि जब कोई अपना दूर चला जाए तो तकलीफ होती है, परंतु असली तकलीफ तो तब होती है जब कोई अपना पास होकर भी दूरियाँ बना लेता है।
- कभी किसी की भावनाओं के साथ मत खेलो, हो सकता है आप यह खेल जीत जाएँ, पर यह पक्का है कि उस इनसान से आप हमेशा के लिए हार जाओगे।
- हम उन्हें बहुत चाहते हैं जो हमारे साथ नहीं होते, और जो साथ हैं उनका महत्व नहीं समझते, ऐसा क्यों? काश हम रिश्तों की परिभाषा को ठीक से समझ पाते।
- यदि जीवन में लोकप्रिय होना हो तो सबसे ज्यादा ‘आप’ शब्द का, उसके बाद ‘हम’ शब्द का और सबसे कम ‘मैं’ शब्द का उपयोग करना चाहिए।
- अपनी जुबान को कभी भी अपने मूड के मुताबिक इस्तेमाल न करो, क्योंकि मूड तो हर थोड़े समय के बाद बदल जाता है, लेकिन जुबान से निकले हुए शब्द सदा के लिए दूरियाँ बना देते हैं।
- इनसान की सबसे बड़ी गलतियों में से एक यह है कि हम लोग आधी-अधूरी बात सुनते हैं, उसके चौथाई हिस्से को भी नहीं समझते और उस बात पर बिना विचार किए रिश्तों में दूरियाँ बना लेते हैं।
- इनसान मकान बदलता है, वस्त्र बदलता है, संबंध बदलता है, दोस्त बदलता है, लेकिन फिर भी दुःखी रहता है, क्योंकि वह अपना स्वभाव नहीं बदलता।
- महान् व्यक्ति हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करने के साथ उन्हें अपने साथ बनाए रखने की क्षमता रखता है, जबकि स्वार्थी इनसान रिश्तों में दूरियाँ पैदा कर देता है।
- दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे आप नहीं बदल सकते, इसके लिए जरूरत होती है अच्छी सोच की। अच्छी सोच हमें अच्छे विचार देती है। अच्छे विचार ही हमारे अच्छे कर्मों का रूप ले लेते हैं। इसी प्रकार हमारे कर्म ही हमारा आचरण बन जाते हैं।
- जिंदगी हमेशा अपने दोनों पैरों की तरह जीओ, जैसे—जो पैर आगे होता है वह कभी गर्व नहीं करता, और जो पीछे होता है वह कभी शर्म महसूस नहीं करता।

दोस्ती-यारी



- अच्छे दोस्त जैसी कोई दूसरी चीज नहीं हो सकती।
- ज्ञानी दोस्त जिंदगी का सबसे बड़ा वरदान होता है।
- अच्छे दोस्त जितनी बार भी रुठें, उन्हें मना लेना चाहिए।
- अच्छे मित्र की पहचान कठिन समय पड़ने पर ही होती है।
- जो मुसीबत के समय साथ देते हैं, वे अच्छे दोस्त बन जाते हैं।
- अपने दोस्तों को गिनो, अब यह गिनो कि आप कितने लोगों के दोस्त हो।
- बहुत जल्द दिल में उत्तरनेवाले लोग, बहुत जल्द दिल से भी उत्तर जाते हैं।
- दूसरों को दुश्मन कहने से पहले यह सोचो कि क्या मैं दोस्त कहलाने लायक हूँ।
- जो खुद किसी का अच्छा मित्र नहीं बन सकता, उसको कभी अच्छे मित्र नहीं मिलते।
- तोड़ने का कार्य तो सभी कर सकते हैं, महान् तो वह है जो जोड़ने का काम कर सके।
- जीवन में ज्यादा रिश्ते होना जरूरी नहीं होता, पर जो रिश्ते हैं उनमें जीवन होना जरूरी है।
- जो इनसान खुद को सही तरीके से समझ लेता है, वह अपने साथ हर किसी को जोड़ सकता है।
- अपने हिस्से की गलती मान लेने से दोस्तों को भी अपनी गलती मानने का हौसला मिल जाता है।
- जो व्यक्ति हर किसी को अपना दोस्त बना लेता हो, वह असल में किसी का सच्चा मित्र नहीं हो सकता।
- दोस्ती हो तो घड़ी के काँटों जैसी, जो मिलते तो क्षण भर के लिए, लेकिन हमेशा आपस में जुड़े रहते हैं।
- कई बार जब हमारी जिंदगी में कोई दुश्मन नहीं होता, उस समय हमारे कुछ दोस्त यह कभी पूरी कर देते हैं।
- दोस्ती कभी भी शर्तों के साथ नहीं की जाती, सच्ची दोस्ती तो सारे नियम-शर्तों को भुलाकर की जाती है।

- दोस्तों को कभी भी गिनना नहीं चाहिए, क्योंकि अच्छे दोस्त कभी भी इतने नहीं होते कि उनकी गिनती की जा सके।
- हमें अपने दोस्तों की कमियाँ अक्सर मालूम होती हैं, लेकिन दोस्ती टूटने के डर से हम उन्हें बयाँ नहीं कर पाते।
- रिश्तों की ओर तब कमजोर होती है जब इनसान गलतफहमी में पैदा होनेवाले सवालों के जवाब खुद ही बना लेता है।
- अपने दोस्त के लिए जान दे देना इतना मुश्किल नहीं है, जितना मुश्किल ऐसे दोस्त को ढूँढ़ना जिस पर जान दी जा सके।
- यदि आपके सहयोगी आपके विचारों को प्रभावित करते हैं तो ध्यान रखें कि वे आपकी मनोदशा भी बदल सकते हैं, इसलिए सदा सावधान रहिए।
- जिंदगी में इनसान किसी चीज की सच्ची कीमत केवल दो ही हालातों में समझ पाता है, उसको पाने से पहले और उसको खोने के बाद।
- शराब पुरानी-से-पुरानी, पानी ताजा-से-ताजा, आदमी समझदार-से-समझदार और औरत सुंदर-से-सुंदर बहुत जल्दी आपस में घुल-मिल जाते हैं।
- स्वार्थ से रिश्ते बनाने की कितनी भी कोशिश करो, रिश्ते बनेंगे ही नहीं और प्यार से बने रिश्ते तोड़ने की कितनी भी कोशिश करो रिश्ते टूटेंगे ही नहीं।
- मैं अपनी जिंदगी में हर किसी को इतनी अहमियत इसलिए देता हूँ क्योंकि जो अच्छे होंगे वे साथ देंगे और जो बुरे होंगे वे सीख दे जाएँगे।
- इस संसार में न तो कोई इतना अमीर है कि उसे कभी किसी दूसरे की मदद की जरूरत न पड़े, और न ही कोई इतना गरीब है कि वह किसी भी रूप में अपने साथियों के लिए उपयोगी सिद्ध न हो सके।
- आपको कौन मिलता है यह समय तय करता है, आप उनमें से किसका साथ चाहते हैं यह आप तय करते हैं, और उनमें से कौन आपके साथ रहता है यह आपका व्यवहार तय करता है।

दृष्टिकोण



- एक श्रेष्ठ व्यक्ति अपनी बोली में पीछे लेकिन कर्म में आगे रहता है।
- ज्ञान से झागड़े पैदा नहीं होते, बल्कि अधूरे ज्ञान के कारण झागड़े होते हैं।
- ज्ञान पाना बड़ा कठिन है, परंतु ज्ञान का अहंकार करना बहुत आसान है।
- यदि लोग गलतियों से सीख लेते हैं तो फिर भी दूसरी शादी क्यों करते हैं।
- किसी भी धार्मिक स्थान पर हम खुद नहीं जाते, हमारे स्वार्थ हमें वहाँ ले जाते हैं।
- अपना मूल्य समझो और विश्वास करो कि तुम संसार के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हो।
- कोई भी व्यक्ति गलत नहीं होता, सिर्फ हर किसी की सोच अलग-अलग होती है।
- हर प्रकार के धन की शुरुआत दिमाग से होती है; दौलत विचारों में होती है, पैसों में नहीं।
- गरीब आदमी पैसे के लिए काम करते हैं, जबकि अमीर लोगों के लिए पैसा काम करता है।
- हर किसी को अपने ज्ञान का अभिमान तो होता है, मगर अपने अभिमान का ज्ञान नहीं होता।
- आप जीवन में कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन यह याद रखो कि आप सबकुछ नहीं कर सकते।
- कुछ लोग सारी उम्र खुद भी परेशान रहते हैं और भगवान् को भी परेशान करते रहते हैं।
- हर आदमी की जिंदगी में कुछ ही सच्चे लोग होते हैं, बाकी सब सिर्फ एक भीड़ का हिस्सा होते हैं।
- यदि आपको यह लगता है कि आप सबकुछ जानते हो तो आपके पास सही ज्ञान नहीं है।
- क्या आप जानते हैं कि भगवान् एक दरवाजा बंद करने से पहले दूसरा दरवाजा खोल देते हैं।
- कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें आप चाहे कुछ भी समझाते रहो, उनके मन में आपके प्रति राय नहीं बदलती।

- इस दुनिया में कुछ भी आखिरी नहीं होता, न सफलता और न ही असफलता, न तो मैं और न ही आप।
- सबकुछ करने के बाद भी आदमी इस बात से परेशान रहता है कि आखिर उसकी बीवी चाहती क्या है।
- जिस किसी के पास हथियार हो, उससे अधिक बहस मत करो, वह आपकी बात को ठीक से नहीं सुनेगा।
- जब कोई कलाकार मशहूर हो जाता है तो लोग उसकी साधारण बातों में से भी कलाकारी ढूँढ़ने लगते हैं।
- भगवान् हमें इस दुनिया में बिना हमारी मरजी के भेजता है तो फिर वापस बुलाते समय वह हमसे क्यों पूछेगा?
- जिंदगी में छोटी-छोटी चीजें भी बहुत कष्ट देती हैं, यदि ऐतबार न हो तो एक बार सुई पर बैठकर देख लो।
- अच्छी संतान जब यह समझ लेती है कि माँ-बाप कमज़ोर हो गए हैं तो वे खुद ही जिम्मेदारियाँ सँभालने लगते हैं।
- आज तक कोई नहीं बता सका कि मरने के बाद स्वर्ग मिलता है या नहीं, लेकिन यदि आप चाहो तो अपने जीते जी जीवन को स्वर्ग बना सकते हो।
- कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिनका जवाब तो हमारे पास होता है, जैसे—हमारे पास जीवन तो है लेकिन यह जीवन क्यों मिला, यह सारी उम्र एक पहली ही रहती है।
- किसी चीज को हम तीन जगह से सीख सकते हैं। पहला, अपने माँ-बाप से, दूसरा, अपने अध्यापक से और तीसरा, सारी दुनिया से।
- यदि आप चाहते हैं कि दुनिया आपके बारे में वह सबकुछ कहे जो आप चाहते हैं तो फिर दुनिया को बदलने से पहले आपको खुद बदलना होगा।
- एक आम आदमी की जिंदगी सवालों और जवाबों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है जब तक हम एक सवाल का जवाब ढूँढ़ने की कोशिश करते हैं तब तक जिंदगी 10 नए सवाल खड़े कर देती है। इसलिए सदा आश्चर्यजनक परिस्थितियों के लिए तैयार रहें।

सुख-दुःख



- सुख-दुःख हमारी सोच में ही होते हैं, बाहर कुछ नहीं होता।
- दुःखी और परेशान इनसान हर किसी के साथ फालतू बोलता है।
- हमारा शरीर और मन दुःख-सुख में एक-दूसरे के साथी होते हैं।
- दुःखी लोगों की सेवा करनी शुरू करो, लोग आपको पूजने लगेंगे।
- जिस औरत का पति बुरा हो, वह अन्य किसी दुःख से नहीं घबराती।
- हर समय रहनेवाला दुःख-दर्द हमारी दुनिया को छोटा कर देता है।
- जो कोई लोगों के दुःख दूर कर सकता है, वह भगवान् से कम नहीं होता।
- सुख और दुःख जीवन में धूप और छाँव की तरह आते हैं और चले जाते हैं।
- दो ही चीजें हैं जो मनुष्य को दुःखी करती हैं, एक, अभाव और दूसरा, स्वभाव।
- सुख हमें कुछ नहीं सिखाता, जबकि दुःख हमें संघर्षों के लिए तैयार करता है।
- जो हमारे दुःख को दुःख समझें, वही लोग हमें प्यार करने की योग्यता रखते हैं।
- सबसे गहरी नदी आँसुओं की होती है, जहाँ एक आँसू से ही बाढ़ आ जाती है।
- यदि सुखी रहना है तो किसी से अपेक्षा न रखो, और न ही किसी की उपेक्षा करो।
- जमाना कभी किसी को परेशान नहीं करता, परेशान करते हैं हमारे लालच और स्वार्थ।
- इनसान की सबसे बड़ी गलतफहमी यही होती है कि दूसरे लोग सुखी हैं, मैं ही दुःखी हूँ।
- न जाने दुःखी करने और परेशान करनेवाली बातों को लोग बड़े ध्यान से क्यों सुनते हैं।
- दुःख और सुख में हर चीज का आकार, महत्व और रंग-रूप अलग-अलग दिखाई देता है।
- सुख और दुःख भी दिन और रात की तरह मानव के जीवन में आते हैं और चले जाते हैं।

- यदि गंभीर समस्याओं को देखकर भी हम कुछ नहीं सीखते तो फिर हमारा मूर्ख बनना तय है।
- हमें दुःखी करने के लिए किसी के पास समय नहीं है, हम दुःखी होने के लिए खुद ही काफी हैं।
- दुःख भोगनेवाला तो भविष्य में सुखी हो सकता है, लेकिन दुःख देनेवाला कभी सुखी नहीं हो सकता।
- हमारे जीवन में यदि दुःख है तो उसी के साथ हमारे अंदर उस दुःख को खत्म करने की क्षमता भी होती है।
- हमारी उदासी का कई बार सिर्फ इतना सा कारण होता है कि हम दूसरों की खुशी को बढ़ा-चढ़ाकर देखते हैं।
- हम अकसर यह भूल जाते हैं कि किसके साथ हँसे थे, परंतु उस व्यक्ति को कभी नहीं भूलते जिसने हमें रुलाया हो।
- कुँवारे आदमी का दर्द कोई नहीं समझता, क्योंकि हर कोई यही समझता है कि कुँवारे आदमी को दर्द हो ही नहीं सकता।
- धनवान व्यक्ति अधिक दुःखी होते हैं, गरीब को तो यह उम्मीद होती है कि पैसा मिलने से शायद सुख मिलेंगे, लेकिन अमीर को तो यह भी उम्मीद नहीं होती।
- अगर सूर्य के छिप जाने पर रोते रहोगे तो फिर सितारे भी नहीं देख पाओगे। दुःख चाहे कैसे भी हों, सदा हिम्मत से उनका मुकाबला करो।
- जिंदगी सिक्के के दो पहलू की तरह है, कभी सुख तो कभी दुःख। जब सुख हो तो गुरुर मत करना और दुःख हो तो थोड़ा इंतजार जरूर करना।

समझदारी



- समझदारी के बिना चुप रहना मुमकिन नहीं होता।
- समझदार व्यक्ति कभी भी चापलूसी का भूखा नहीं होता।
- चापलूस खाली चमच से भी मालिक को खीर खिला देते हैं।
- हर अनुभव अगले अनुभव के लिए सीढ़ी का काम करता है।
- संयुक्त घर को ठीक करवाने की जिम्मेदारी सबकी होती है।
- औरत वंश को आगे चलाती है पर खुद बेचारी आगे नहीं बढ़ पाती।
- जिसकी बात में समझदारी हो, उसे न कहना मुश्किल हो जाता है।
- चापलूसी का कुआँ इतना गहरा है कि कोई भी इसमें आसानी से गिर सकता है।
- चापलूस लोग अपने मालिक को तबले की तरह कसकर ढोल की तरह बजाते हैं।
- सुबह सैर करने से शरीर को तंदुरुस्त रखने से अधिक मन को शांति मिलती है।
- हम क्या हैं, इसका निर्णय अकसर दूसरे करते हैं, और वह भी हमारे जाने के बाद।
- सबकुछ उस समय तक अच्छा लगता है जब तक वह किसी दूसरे के साथ होता है।
- भगवान् ने सुंदर फूल बनाकर एक अच्छा काम यह किया कि उनको अक्ल नहीं दी।
- समझदार लोग अपनी समझदारी के कारण मुश्किल फैसले भी आसानी से ले लेते हैं।
- चापलूस जिस व्यक्ति की चापलूसी कर रहा होता है, मन-ही-मन उसके ऊपर हँस भी रहा होता है।
- संसार में कभी भी ऐसा कोई समय नहीं था जब परेशानियाँ और पैसे की कमी न रही हो।
- मेहनत करनेवाले का मन सदा साफ, शरीर तंदुरुस्त, दिल मजबूत और जेब भरी रहती है।

- समझदार लोग तेजी से चलते हुए दुविधा में बैठे लोगों को छोड़कर आगे निकल जाते हैं।
- सैर करते समय यदि हमारी जुबान चुप रहे तो हमारी आँखें और कान बहुत चुस्त हो जाते हैं।
- जिंदगी में चाहे कितनी ही मुश्किलें क्यों न हों, धीरे-धीरे ये सभी कुछ सहने लायक बना देती हैं।
- दुःख की बात तो यह है कि इनसान प्रशंसा करनेवाले की सेवा करनेवाले से अधिक कद्र करता है।
- हमारी आत्मा सबसे अधिक बलवान उस समय होती है, जब यह किसी को उसकी गलती के बावजूद माफ कर देती है।
- हमारा मन सबसे अधिक लचकदार होता है। आज जहाँ यह एक तिल को स्वीकार नहीं करता, कल यह उसी जगह पहाड़ को स्वीकार कर लेता है।
- हमारे जीवन में कई बार ऐसी घटनाएँ घट जाती हैं जिनके बारे में न तो कुछ बोला जा सकता है, और न ही चुप रहना संभव हो पाता है।
- जो कुछ हमारे पास होता है, वह सबकुछ हमें अच्छा नहीं लगता; इसीलिए हम उन वस्तुओं की खाहिश करते हैं जो हमारे पास नहीं होतीं।
- हमारी प्रार्थना अकसर इसलिए स्वीकार नहीं होती, क्योंकि हम उसमें जरूरत से अधिक माँगते हैं। हमारी जरूरत मुताबिक तो हमारे पास पहले से ही होता है।
- चमकते हुए सूरज की तरफ कभी किसी का ध्यान नहीं जाता; परंतु जिस दिन उसे ग्रहण लग जाता है, उस दिन हर कोई उसे ही देखता है।
- कहते हैं हर व्यक्ति को समझदार इनसान बनने की कोशिश करते रहना चाहिए, क्योंकि यदि इसमें सफलता मिल जाती है तो जीवन के बाकी काम खुद-ब-खुद सफल हो जाते हैं।

संघर्ष



- संसार का सबसे बड़ा दिवालिया वह है, जिसने उत्साह खो दिया है।
- जब आप कुछ गँवा बैठते हैं तो उससे प्राप्त शिक्षा को न गँवाएँ।
- चुनौतियों को स्वीकार करो, क्योंकि इससे या तो सफलता मिलेगी या शिक्षा।
- जीवन में संघर्ष करने से ही इनसान खुद को किसी योग्य बना सकता है।
- संघर्ष करने से यह फायदा होता है कि इससे हमारी हिम्मत और अधिक बढ़ जाती है।
- मुसीबत का यह फायदा होता है कि इससे हमारी सोचने की शक्ति बढ़ जाती है।
- मुसीबत के समय घबराने की बजाय प्रयत्नशील रहना चाहिए, सबकुछ आसान हो जाएगा।
- संघर्ष हमारे जीवन का हिस्सा है, इसे किए बिना जीवन में कभी सफलता नहीं मिल सकती।
- संघर्ष में आदमी अकेला होता है, सफलता मिलते ही दुनिया उसके साथ चलने लगती है।
- नदी के बहाव के साथ तो हर कोई तैर लेता है, मजा तो उसमें है कि उसे चीरकर आगे बढ़ें।
- विपरीत परिस्थितियों में कभी भी फौज खड़ी नहीं की जा सकती, बस मजबूत झाड़े से कर्म करना चाहिए।
- सफलता तुम्हारा परिचय दुनिया से करवाती है और असफलता तुम्हें दुनिया का परिचय करवाती है।
- नाम बड़ा किस काम का जो किसी के काम न आए, सागर से नदियाँ भर्ती जो सबकी प्यास बुझाएँ।
- समय परिवर्तन का धन है, परंतु घड़ी उसे केवल परिवर्तन के रूप में दिखाती है, धन के रूप में नहीं।
- संघर्ष के दौरान कई बार हमारी पहचान अपने अंदर ही छिपे हुए कई रचनात्मक पहलुओं से पहचान हो जाती है।

- मेहनत करने के बाद भोजन का बहुत आनंद आता है, क्योंकि इसमें मेहनत का स्वाद भी शामिल होता है।
- इनसान के पास पंख नहीं हैं तो क्या हुआ, वह अपनी कल्पना के माध्यम से बहुत दूर और बहुत ऊँचा उड़ सकता है।
- दूसरों की प्रेरणा से हम चलना शुरू तो कर सकते हैं, पर चलना हमें अपनी हिम्मत और मेहनत से ही पड़ेगा।
- मुट्ठी भर संकल्पवान लोग, जिनकी अपने लक्ष्य में दृढ़ आस्था होती है, इतिहास की धारा को बदल सकते हैं।
- सफलता का अन्य कोई रहस्य नहीं है, यह पूरी तैयारी, कड़ी मेहनत और लगातार संघर्ष का ही परिणाम होती है।
- सफल लोग अपने मस्तिष्क को इस तरह से बना लेते हैं कि उन्हें हर चीज सकारात्मक व खूबसूरत लगती है।
- जिंदगी में उतार-चढ़ाव का आना बहुत जरूरी होता है, क्योंकि ई.सी.जी. में सीधी लाइन का मतलब मौत ही होता है।
- एक दिन सागर ने नदी से पूछा कि कब तक मिलती रहोगी मुझ खारे पानी से। नदी ने हँसकर कहा जब तक तुझमें मिठास न आ जाए।
- अपने बुरे दिनों को बार-बार याद करके दुःखी न हों, क्योंकि यदि आप इनसे कुछ सीख प्राप्त करते हैं तो वक्त गुजर जाने के बाद यही दिन जिंदगी के सबसे अच्छे दिन नजर आएँगे।
- यदि जीवन की ऊँचाइयों को छूना चाहते हो तो सदा सादगी, विनप्रता और धैर्य का दामन पकड़े रखना और अहंकार को कभी पास न आने देना।
- ऐसे लोग जो परिस्थितियों के हिसाब से ढल जाएँगे, वे आगे बढ़ते रहेंगे; ऐसे लोग जो परिस्थितियों को बदल पाएँगे, वे ही नेतृत्व कर पाएँगे।
- गलत गाड़ी में चढ़कर तो सही रास्ता ढूँढ़ा जा सकता है, परंतु गलत रास्ते पर चलकर कभी सही गाड़ी को नहीं पकड़ा जा सकता।
- मुकाबला चाहे जैसा भी हो, जीत और हार आपके संघर्ष पर निर्भर करती है। मान लो तो हार होगी और ठान लो तो जीत होगी।
- एक बतख पानी में तैरते हुए ऊपर से बिलकुल शांत दिखाई देती है, जबकि पानी के नीचे उसके पैर तेजी से हलचल करते रहते हैं। जीवन में संघर्ष के बिना कभी किसी को कुछ नहीं मिलता।

खूबसूरत ख्याल



- कानून उस समय तक कानून होता है, जब तक उसे माननेवालों की गिनती उसे तोड़नेवालों से अधिक होती है।
- ‘बाँटो और राज करो’ एक अच्छी कहावत है, लेकिन ‘एक साथ मिलकर आगे बढ़ो’ उससे भी अच्छी कहावत है।
- जब भी कोई नया काम शुरू करें तो मन में उत्साह और विश्वास होना बहुत जरूरी है। जब तक मन में उत्साह और विश्वास नहीं होता, हम किसी भी काम को उसके अंजाम तक नहीं पहुँचा सकते।
- जो आराम करता रहता है, उसका भाग्य भी आराम करता रहता है; जो सोता रहता है, उसका भाग्य भी धराशायी हो जाता है; जो हिम्मत करके आगे बढ़ते हैं, उनका भाग्य भी उसे सफल बना देता है।
- कुदरत का नियम है अगली सीढ़ी पर चढ़ने के लिए पिछली सीढ़ी को छोड़ना पड़ता है, जबकि अधिकांश लोग अगली सीढ़ी पर चढ़ना तो चाहते हैं परंतु पिछली सीढ़ी को छोड़ना ही नहीं चाहते।
- बच्चों को पुस्तकें पढ़ने के लिए मजबूर करने की बजाय उनके सामने उनकी तारीफ करो, पढ़ने का समय और ढंग वे खुद ढूँढ़ लेंगे।
- सज्जनता पर ज्ञान देना सरल है, परंतु जब किसी काम को करने की बारी आए और ज्ञान देनेवाला पीछे हट जाए तो यह सज्जनता नहीं है।
- यदि संसार में केवल खुशी होती तो फिर न किसी को बहादुर होना था, न किसी को समझदार, न ही मेहनती और न ही सहयोगी होना था।
- एक विद्वान् से किसी ने पूछा, आप सबसे विचार बाँटते हो, आपको क्या मिलता है? उसने हँसकर कहा कि लेना-देना तो व्यापार है, जो देकर कुछ न माँगे वही तो प्यार है।
- दुनिया में सबसे शक्तिशाली मनुष्य की वाणी होती है, वह हथियार उठाए बिना क्रांति करवा सकती है और परिश्रम किए बिना शांति।
- कमल का फूल सदा पानी से ऊपर उठकर खिलता है; इसी तरह जिस व्यक्ति में जितनी इच्छाशक्ति होती है, वह उतना ही ऊपर उठ जाता है।

- यदि भगवान् आपके साथ है, तो इसके यह मायने नहीं कि आपको आँधी और तूफान का सामना नहीं करना पड़ता, बल्कि इसका मतलब यह होता है कि कोई भी तूफान आपकी किश्ती को डुबो नहीं सकता।
- जिंदगी में शांति से जीने के दो ही तरीके हैं, पहला—उन लोगों को माफ कर दो जिन्हें तुम भूल नहीं सकते, और दूसरा—भूल जाओ उनको जिन्हें तुम माफ नहीं कर सकते।
- व्यवहार पोशाक की तरह होना चाहिए, अति तंग नहीं, बल्कि ऐसा कि जिसमें हरकत और कसरत आसानी से हो सके, अर्थात् व्यवहार लचीला रखें।
- हर इनसान जिंदगी भर दो चेहरे नहीं भूल पाता—एक, जो मुश्किल समय में आपका साथ देते हैं और दूसरा, जो मुश्किल समय में आपका साथ छोड़ जाते हैं।
- ऊँचे शिखर पर मेहनत तथा सच्ची लगन से पहुँच जाना प्रशंसनीय है, परंतु उससे भी अधिक प्रशंसनीय है उस ऊँचाई पर स्थिर रहना। कई लोग जितना जल्दी ऊँचाई पर चढ़ते हैं, उतनी ही जल्दी नीचे की ओर फिसल भी पड़ते हैं।
- आपका आचरण और आपके बोल आपके व्यक्तित्व का आईना हैं; इसलिए दूसरों की तसवीर नहीं, दर्पण में खुद को देखो।
- यदि आपका भोजन ठीक नहीं है तो दवाई भी असर नहीं करेगी, यदि भोजन ठीक है तो दवाई की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

मजेदार विचार



- दलालों को ईमानदारी से चिढ़ होती है।
- झूठ तो अनेक होते हैं, सच केवल एक होता है।
- सम्मान लेने में और देने में बहुत अंतर होता है।
- प्यार हमेशा एकतरफा होता है, दोतरफा तो शादी होती है।
- बंदर और बच्चा यदि चुप बैठे हों तो समझो बीमार हैं।
- अगर अंधा अंधे को रास्ता दिखाएगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।
- आपका जीवन वैसा ही बनता है, जैसी आपकी सोच होती है।
- समझदार लोग एकमत होते हैं और बेवकूफ लोग बहस करते रहते हैं।
- यदि सच मीठा होता तो इसे बोलने में किसी को भी परेशानी नहीं होती।
- यदि आप ध्यान से देखो तो मूर्ख लोग भी देखने में हमारे जैसे ही होते हैं।
- मूर्ख और पागल व्यक्ति के साथ बहस करना आपकी मूर्खता को दरशाता है।
- बेकार और फालतू की चीजें सिर्फ इश्तिहारबाजी के दम पर ही बिकती हैं।
- दूसरे लोग हमें ज्ञान तो दे सकते हैं, परंतु समझदारी हमें खुद ही दिखानी पड़ती है।
- कोई भी औरत इतनी खूबसूरत नहीं होती जितनी कि उसके प्रेमी को वह दिखाई देती है।
- दलाली जैसे काम में झूठ नहीं बोलना पड़ता बल्कि यह सिर्फ झूठ के दम पर ही चलते हैं।
- पहले शादी के बाद सिर्फ लड़की पराई होती थी, आजकल लड़के भी पराए होने लग गए हैं।
- सुखी जीवन का राज, खुद को बेशक शेर समझो लेकिन पत्नी को हमेशा शेराँवाली माता समझो।
- अपने अपमान के बारे में किसी को मत कहिए, क्योंकि ऐसा करके आप खुद का अपमान करते हो।
- भविष्य का असली फायदा वही लोग उठा सकते हैं जो भविष्य के बारे में पहले से ही जान लेते हैं।

- नेता लोगों को यह गलतफहमी होती है कि लाउडस्पीकर पर बोलने से उनके विचार भी ऊँचे हो जाएँगे।
- हर युवा की यही इच्छा होती है कि काश पढ़ाई भी प्यार की तरह होती, यह भी अपने आप ही हो जाती।
- यदि आप खुद को खुश रखना जानते हैं तो इसके मायने यह है कि आप दुनिया को खुश रख सकते हैं।
- एक बार जिस राह पर कदम बढ़ा दिए तो वापस चलने का मतलब है खुद ही हार स्वीकार कर लेना।
- नशा करनेवाला खुद अपने से तो खुश हो जाता है, लेकिन उसका सारा परिवार उससे नाराज हो जाता है।
- टेलीफोन समय को बचाने के लिए बनाया गया था, परंतु अक्सर लोग टेलीफोन पर अपना समय बरबाद करते हैं।
- मैंने तुम्हारे लिए यह किया, यह आगे चलकर जताने से पहले अच्छा है कि तुम किसी के लिए कुछ मत करो।
- कमाल की बात है कि जैसे-जैसे पुलिसवालों की तादाद बढ़ती है, जुर्म कम होने की बजाय और अधिक बढ़ने लगते हैं।
- देश-विदेश में घूमने से सयाने लोग और अधिक सयाने हो जाते हैं, जबकि मूर्ख लोग और मूर्ख हो जाते हैं।
- कुछ बच्चे स्कूल-कॉलेज जाते तो पढ़ाई करने के लिए हैं, लेकिन वे पढ़ाई के अलावा सबकुछ सीख आते हैं।
- किसी को भी सबक सिखाने की जिद मत करो, क्योंकि सबक किसी को सिखाए नहीं जाते बल्कि सीखने पड़ते हैं।
- गाँव में देखने लायक कुछ अधिक नहीं होता पर सुनने लायक बहुत कुछ होता है, जबकि शहरों में इसके उलट होता है।
- खोज करनेवाले कहते हैं कि शादी-शुदा लोगों की उम्र लंबी होती है; असल में यह लंबी होती नहीं, सिर्फ लगती है।
- दूध अच्छी चीज है पर अफसोस इस बात की है कि उसे घर-घर जाकर बेचना पड़ता है। दूसरी ओर शराब बुरी चीज है फिर भी लोग उसे लाइन में लगकर ठेके से खरीदते हैं।
- जिस किसी से पैसे लेने हों उसके साथ हमें बिलकुल वैसा व्यवहार करना चाहिए जैसे एक पत्नी अपने पति के साथ करती है।
- हमारे समाज में प्रष्टाचार किस हद तक फैला हुआ है, इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि हम कितने प्रष्ट हैं।
- पहले चित्रकार को चित्र बनाने में बहुत मेहनत करनी पड़ती थी, आजकल लोगों को उसे समझने में मेहनत करनी पड़ती है।

- देश में दो मूल्य गिर रहे हैं—1. नैतिक मूल्य, 2. राजनैतिक मूल्य; और दो मूल्य बढ़ रहे हैं—एक जमीनों के और दूसरा कमीनों के।
- एक बार जरा सोचकर देखो कि धर्म होने के बावजूद लोग इतने बेईमान हैं और यदि धर्म नहीं होता तो फिर क्या हाल होता।
- यदि किसी के पास पैसे न हों तो खाने की परेशानी हो जाती है, यदि किसी के पास पैसा और खाना दोनों हों तो फिर समस्या काम ढूँढ़ने की हो जाती है। यदि किसी के पास पैसा, खाना और काम सबकुछ हो तो फिर समस्या सेहत ठीक करने की हो जाती है।
- एक बार माँ ने बेटी से कहा कि जो कोई फालतू बात कहता है उसे कहने दो, बस एक कान से सुनो और दूसरे से निकाल दो। बेटी ने कहा, पर माँ करें कैसे? दोनों कानों के बीच में जुबान और दिमाग जो बैठे हैं।
- हर बड़ी चीज एक छोटी सी चीज से ही बनती है। जैसे बड़ा पेड़ एक छोटे से बीज से, एक बड़ी नदी एक-एक बूँद के मिलने से ही बनती है।
- कोई भी छात्र नालायक नहीं होता, जो अपनी योग्यता को जगा लेते हैं वे लायक बन जाते हैं, बाकियों को दुनिया नालायक कहना शुरू कर देती है।
- जब नौकरी के लिए बुलाया जाए तो आदमी सोचता है कि क्या-क्या बोलना है, और औरत सोचने लगती है कि क्या-क्या पहनना है।
- असल तरक्की उसे कहते हैं जब मुंशी का बेटा वकील, कंपाउंडर का बेटा डॉक्टर, मैकेनिक का बेटा इंजीनियर और कलर्क का बेटा अफसर बनता है।
- जब तक आप प्रसिद्ध नहीं हो जाते, उस समय तक आपको यह सोचने की जरूरत नहीं कि लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं।
- एक व्यक्ति लायक है तो किसी परेशानी से बच निकलता है, परंतु समझदार वह होता है जो परेशानी में फँसता ही नहीं।
- आजकल लोग एक-दूसरे की कीमत आँकने लगे हैं, जबकि जरूरत है उनकी कद्र की जाए।
- कोई भी व्यक्ति सारी दुनिया को प्यार करने के कारण महान् नहीं होता, बल्कि महान् होने के कारण सारी दुनिया को प्यार करता है।

Published by

Prabhat Prakashan

4/19 Asaf Ali Road,

New Delhi-110002

ISBN 978-93-5186-085-3

Badi-Badi Khushiyon Ki Chhoti-Chhoti Baten

by J.P.S. Jolly

Edition

First, 2013